नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जन-जन की आवाज

द न्यूज फिफ्टीन

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :02 | अंक : 171 | नई दिल्ली, गुरुवार 19 सितम्बर 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 |

नयनतारा का एक्स अकाउंट हुआ हैक... पेज-12

एक नजर

मंत्रिमंडल ने नए चंद्र अभियान 'चंद्रयान-4' को मंजूरी दी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को नये चंद्र अभियान 'चंद्रयान-4' को मंजूरी दे दी जिसका उद्देश्य भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने तथा उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाने के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकियों का विकास करना है। एक बयान में कहा गया कि 'चंद्रयान-4' अभियान भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को (वर्ष 2040 तक) चंद्रमा पर उतारने और सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाने के लिए आधारभूत प्रौद्योगिकियों को विकसित करेगा। इसमें कहा गया, 'अंतरिक्ष केंद्र से जुड़ने/हटने, यान के उतरने, पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी तथा चंद्र नमूना संग्रह और विश्लेषण के लिए आवश्यक प्रमुख प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया जाएगा। बयान में कहा गया है कि 'चंद्रयान-4' अभियान के प्रौद्योगिकी प्रदर्शन के लिए कुल 2,104.06 करोड़ रुपये की धनराशि की आवश्यकता है। इसमें कहा गया कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अंतरिक्ष यान के विकास और प्रक्षेपण के लिए जिम्मेदार होगा। उद्योग और शिक्षा जगत की भागीदारी से इस अभियान को मंजूरी मिलने के 36 महीने के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। बयान में कहा गया कि इससे संबंधित सभी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को स्वदेशी रूप से विकसित किए जाने की परिकल्पना की गई है।

पीएम-आशा की योजनाओं को जारी रखने की मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 35 हजार करोड़ रुपये के आवंटन से प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम आशा) को जारी रखने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बुधवार को यहां हुई बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गयी। बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि किसानों को लाभकारी मूल्य देने तथा उपभोक्ताओं के लिये आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिये प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान योजनाओं को जारी रखने की मंजूरी दी गयी है। उन्होंने बताया कि इसमें वर्ष 2025-26 तक 15वें वित्त आयोग के दौरान कुल वित्तीय व्यय 35,000 करोड़ रुपये होगा। उन्होंने बताया कि सरकार ने किसानों और उपभोक्ताओं के हितों के लिये मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) और मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) योजनाओं को पीएम आशा में एकीकृत किया है। पीएम-आशा की एकीकृत योजना कार्यान्वयन में अधिक प्रभावशीलता लाएगी जो न केवल किसानों को उनकी उपज के लिये लाभकारी मूल्य देने में मदद करेगी बल्कि उपभोक्ताओं को सस्ती कीमतों पर आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करके मूल्य अस्थिरता को भी नियंत्रित करेगी। पीएम-आशा में अब मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस), मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ), मूल्य घाटा भुगतान योजना (पीओपीएस) और बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) शामिल होंगी।

मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत (न्यूनतम समर्थन मूल्य) एमएसपी पर अधिसूचित दलहन, तिलहन और खोपरा की खरीद वर्ष 2024-25 सीजन से इन अधिसूचित फसलों के राष्ट्रीय उत्पादन के 25 प्रतिशत पर होगी, जिससे राज्यों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने और किसानों से एमएसपी पर इन फसलों की अधिक खरीद करने में मदद मिलेगी। हालांकि वर्ष 2024-25 सीजन के लिये तुअर, उड़द और मसूर के मामले में यह सीमा लागू नहीं होगी क्योंकि शत-प्रतिशत खरीद होगी।

गॉड तुसी ग्रेट हो

एचआईवी पॉजिटिव दंपति ने स्वस्थ नवजात को दिया जन्म

संवाददाता

बगहा। किसी ने सच ही कहा है कि कुदरत अगर चाह ले तो असंभव जैसा कुछ नहीं होता है। यह बात बिहार के पश्चिम चंपारण में एक बार फिर सच साबित हुआ है। यहां एचआईवी पॉजिटिव दंपति ने स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया है। प्रसव पीड़ित एचआईवी पॉजिटिव दंपति ने देर शाम स्वस्थ बच्चे का जन्म दिया है। यह जानकारी अनुमंडलीय अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक डॉ. अशोक कुमार तिवारी ने दी।

अस्पताल प्रभारी उपाधीक्षक ने बताया कि प्रसव पीड़ित दंपति प्रसव पीड़ा होने पर अस्पताल पहुंचे। मेडिकल टेस्ट के बाद पता चला कि पति-पत्नी दोनों एचआईवी पॉजिटिव हैं, जिसे देखते हुए तत्काल अस्पताल प्रबंधन की ओर से सुरक्षा दृष्टिकोण से लेबर वार्ड को नए सिरे से पीपी किट से लैस कर अपग्रेड किया गया। प्रसव पीड़ित महिला को सुरक्षित बेड पर महिला चिकित्सक डॉ. पूजा कुमारी जीएनएम और स्वास्थ्यकर्मियों ने पीपी किट की

मदद से प्रसव पीड़ित महिला का सुरक्षित प्रसव कराया।

जन्म के बाद नवजात सुरक्षित है। प्रभारी डीएस ने बताया कि एचआईवी पॉजिटिव दंपति को चिकित्सा देख रेख वातावरण में रखा गया है। दंपति को हमेशा चिकित्सीय उपचार के संरक्षण में रहते हुए बच्चे को रखने का सुझाव दिया गया है।

अस्पताल प्रभारी उपाधीक्षक ने बताया कि दंपति को यह उनकी तीसरी संतान है जो पूरी तरह सुरक्षित है। उन्होंने बताया कि एचआईवी पॉजिटिव दंपति को इस संक्रमण के बारे में भनक भी नहीं थी। जब परसों पीड़ित महिला अर्बन पीएचसी बगहा दो से हीमोग्लोबिन की मात्रा 7 ग्राम बल्ड होने से रेफर के दौरान अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया था। जहां प्रसव पीड़ित महिला की ब्लड सैंपल की जांच के दौरान एचआईवी पॉजिटिव होने के बारे में पता चला। रिपोर्ट देखकर स्वास्थ्यकर्मी दंग रह गए और इसकी सूचना अस्पताल चिकित्सक समेत प्रभारी उपाधीक्षक को दी गई। इसके बाद प्रसव पीड़ित महिला का सुरक्षित प्रसव कराया गया।

राहुल गांधी पर दिए बयान पर बवाल

दिल्ली बीजेपी मुख्यालय पर कांग्रेस का प्रदर्शन, आगजनी

- केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने राहुल गांधी पर कर दी गलत टिप्पणी
- हम संविधान की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं : देवेंद्र यादव

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस कार्यकताओं ने लोकसभा नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर उनके बयान को लेकर केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और अन्य भाजपा नेताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद पुलिस ने उन कांग्रेस कार्यकताओं को हिरासत में ले लिया जो लोकसभा नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर उनके बयान को लेकर केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और अन्य भाजपा नेताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। आपको बता दें कि हाल में अपने अमेरिका दौरे के दौरान राहुल ने कुछ ऐसे बयान दिए थे जिससे सिसायी बवाल शुरू हो गया। पलटवार में भाजपा और एनडीए के नेताओं की ओर से भी बयान दिए है।

कांग्रेस के दिल्ली अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि हम राहुल गांधी के रास्ते पर चलते हुए संविधान की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं। हम बीजेपी से नहीं डरते। कांग्रेस का हर कार्यकर्ता राहुल गांधी के समर्थन में खड़ा है। आंध्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने पार्टी कार्यकताओं के साथ लोकसभा नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर दिए गए बयान को लेकर केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और अन्य भाजपा नेताओं के खिलाफ विजयवाड़ा में विरोध प्रदर्शन किया।

कांग्रेस नेता अजय माकन ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी को कथित तौर पर देश का नंबर एक आतंकवादी कहने के लिए केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ बुधवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस कमेटी (एआईएमसीसी) प्रमुख अलका लांबा के साथ कांग्रेस पार्टी के कोषाध्यक्ष ने दिल्ली के तुगलक रोड पुलिस स्टेशन में केंद्रीय मंत्री और तीन अन्य राजनीतिक नेताओं के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

कांग्रेस नेता की शिकायत में बिट्टू के अलावा बीजेपी नेता तरविंदर सिंह मारवाह, शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ और उत्तर प्रदेश के मंत्री रघुराज सिंह का भी नाम है। शिकायत की एक प्रति भारत निर्वाचन आयोग को भी भेजी गई है। अजय माकन ने कहा कि आप इस तरह की टिप्पणी कर रहे हैं। 'आप संभल जाओ आप बोलो मत नहीं तो आपका भी वही हाल होगा जो आपकी दादी का हुआ है'। एक ऐसे शख्स के खिलाफ जिसके पिता और दादी ने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। राजनीति इस स्तर तक कभी नहीं गिर सकती।

बीजेपी नेताओं के खिलाफ FIR

राहुल गांधी के खिलाफ बीजेपी नेताओं के बयान को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने तुगलक रोड थाने में केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू, बीजेपी नेता तरविंदर सिंह मारवाह, यूपी सरकार में मंत्री रघुराज सिंह व अन्य नेताओं पर मुकदमा दर्ज कराया है. उन्होंने थाना पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि इन नेताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ केवल अपमानजनम टिप्पणी ही नहीं बल्कि खुलेआम हत्या तक की धमकी दी है. रवनीति बिट्टू ने जान बूझकर उनके के खिलाफ जनता में नफरत और आक्रोश भड़काने के लिए बयान दिया है.

राहुल के खिलाफ सुनियोजित अभियान को शह दे रहे हैं प्रधानमंत्री, गृह मंत्री: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दिए गए विवादित बयानों को लेकर बुधवार को आरोप लगाया कि यह एक सुनियोजित अभियान है जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह की शह मिल रही है और कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

प्रियंका गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी जैसे-जैसे मजबूती से जनता की आवाज उठा रहे हैं, वैसे-वैसे उनके खिलाफ जुबानी और वैचारिक हिंसा बढ़ रही है। उन्होंने सवाल किया, ह्यक्या देश के करोड़ों दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों

और गरीबों की आवाज उठाना इतना बड़ा अपराध है कि भाजपा, नेता प्रतिपक्ष को 'उनकी दादी जैसा हाल' बना देने की धमकियां देने लगी?

प्रियंका ने कहा, लगातार एक के बाद एक हिंसक, अभद्र और अमानवीय बयानों से यह साबित होता है कि यह एक संगठित-सुनियोजित अभियान है जो देश के लोकतंत्र के लिए बेहद खतरनाक है। उससे भी ज्यादा खतरनाक है प्रधानमंत्री, गृहमंत्री समेत समूचे आरएसएस नेतृत्व का इसे शह देना और कोई कार्रवाई न करना। उन्होंने सवाल किया की आरएसएस-भाजपा के लोग क्या अब हिंसा और नफरत को ही लोकतंत्र का मूलमंत्र बनाना चाहते हैं?

केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू ने हाल की अमेरिका यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा सिखों के संबंध में की गयी टिप्पणी को लेकर रविवार को उनकी आलोचना की थी और उन्हें देश का सबसे बडा दुश्मन और आतंकवादी बताया था।

तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में देश विश्वभर में अग्रणी बने: राष्ट्रपति

जयपुर/नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में देश विश्वभर में अग्रणी बने। इसके लिए प्रौद्योगिकी संस्थानों को विश्वस्तरीय बनाने के लिए सभी मिलकर कार्य करें। उन्होंने राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षण संस्थाओं को शोध अनुसंधान में मौलिक दृष्टि के साथ कार्य करने, पर्यावरण अनुकूल तकनीक अपनाने और विकसित भारत की संकल्पना के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति मुर्मु बुधवार को एमएनआईटी के 18वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने इस समारोह में 20 में से 12 स्वर्ण पदक छात्राओं को मिलने पर प्रसन्नता जताई और कहा कि लड़कियां आगे बढ़ती हैं तो देश तेजी से विकास पथ पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि शोध अनुसंधान में भी छात्राएं आगे रहती हैं तो इससे देश वैश्विक स्तर पर अग्रणी रहेगा। उन्होंने संस्थान की फैकल्टी में एक तिहाई महिलाएं होने को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि देश के प्रौद्योगिकी संस्थानों को इसीलिए नेशनल इंस्टीट्यूट के रूप में राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा दिया गया है कि इनके जरिए भारत तेजी से विकास पथ पर आगे बढ़े।

उन्होंने समारोह में 79 छात्रों को पीएचडी की उपाधि और 805 स्नातक एवं 477 स्नातकोत्तर के छात्रों को डिग्री प्रदान की। उन्होंने 20 स्वर्ण पदक भी प्रदान किए। उन्होंने अरावली छात्रावास का लोकार्पण भी किया। उन्होंने कहा कि रिसर्च और डवलपमेंट के क्षेत्र में महिलाओं की अधिक भागीदारी न केवल देश के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि हमारी बेटियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए भी आवश्यक है। हाल के वर्षों में लड़कियों के नामांकन में वृद्धि हुई है। यह भी एक सराहनीय तथ्य है कि एमएनआईटी की फैकल्टी में लगभग एक-तिहाई महिलाएं हैं। विश्वास है कि आने वाले वर्षों में यह अनुपात और भी बेहतर होगा। चौथी औद्योगिक क्रांति के इस दौर में चुनौतियों के साथ नए-नए अवसर भी आ रहे हैं। इन अवसरों का लाभ उठा कर भारत को टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अग्रणी राष्ट्र बनाने में हमारे तकनीकी संस्थानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि आपके संस्थान का ध्येय वाक्य है 'योगः कर्मसु कौशलम्'। इसका मतलब है कर्म की कुशलता ही योग है। भगवद्गीता का यह उपदेश आपको प्रेरित करता है कि आप जो भी कार्य करें पूरी दक्षता और निष्ठा से करें। मेरा मानना है कि आपकी महत्वकांक्षाएं राष्ट्र की अपेक्षाओं के अनुरूप होनी चाहिए। आपके कर्मयोगी भाव से समाज और राष्ट्र की प्रगति का मार्ग प्रशस्त होना चाहिए।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की 7 'गारंटी'

नई दिल्ली। कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए सात गारंटी की घोषणा की जिसमें किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी और जाति आधारित सर्वेक्षण के वादे शामिल हैं। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में इन गारंटी की घोषणा की। इस मौके पर कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, वरिष्ठ नेता अजय माकन, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उदय भान और कई अन्य नेता मौजूद थे।

कांग्रेस ने एमएसपी की कानूनी गारंटी और जाति आधारित सर्वेक्षण के साथ ही 18 से 60 साल तक की महिलाओं के लिए हर महीने 2000 रुपए की राशि, वृद्धों, दिव्यांगो और विधवाओं को हर महीने छह छह हजार रुपये की पेंशन, दो लाख सरकारी नौकरियों, 300 यूनिट बिजली मुफ्त, 25 लाख रुपये का मुफ्त इलाज, गरीबों के लिए भूखंड और दो कमरों के मकान का वादा किया है ।

केजरीवाल, नीतीश, लालू या हेमंत सोरेन... सबसे चालाक कौन?

दीपक कुमार तिवारी

नई दिल्ली/पटना। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफा दे दिया। आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी अब उनकी जगह दिल्ली की सीएम बनेंगी। अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल से अधिक भरोसा अरविंद ने आतिशी पर किया है। पर, ऐसे मौकों पर इस तरह के फैसलों का अनुभव अच्छा नहीं रहा है। लालू यादव को छोड़ दें तो नीतीश कुमार और हेमंत सोरेन को इसका अच्छा अनुभव नहीं रहा है। केजरीवाल को कैसा अनुभव होगा, यह समय बताएगा। लेकिन सवाल यही है कि लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार, हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल में सबसे चालाक नेता कौन साबित हुआ?

बिहार में दो बार ऐसे मौके आए, जब सीएम रहे नेताओं को सत्ता की चाबी दूसरों को देनी पड़ी। लालू यादव ने चारा घोटाले में जेल जाने से पहले मुख्यमंत्री की कुर्सी अपनी पत्नी राबड़ी देवी को सौंप दी

थी। उनका यह प्रयोग सफल रहा। दो दशक बाद नीतीश कुमार ने भी यही प्रयोग दोहराया। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में जब जेडीयू को सिर्फ दो सीटों पर जीत मिली तो नीतीश कुमार ने अपने भरोसेमंद साथी जीतन राम मांझी को सीएम बनाया और खुद 2015 के विधानसभा चुनाव की रणनीति बनाने में मशगूल हो गए। बाद में उन्हें मांझी से कुर्सी वापस लेने में जिस तरह पापड़ बेलने पड़े, उसका अनुभव उन्हें अब भी याद होगा।

लालू यादव की पार्टी आरजेडी के साथ रहते हुए भी झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने उनका अनुसरण नहीं किया। वे भी नीतीश कुमार की ही तरह गलती कर बैठे। अपनी गलती का उन्हें नीतीश से भी अधिक खामियाजा भोगना पड़ा। हेमंत ने पार्टी के सीनियर लीडर और अपने परिवार के करीबी चंपई सोरेन को अपनी गिरफ्तारी के वक्त सीएम की कुर्सी सौंप दी। हालांकि वे चाहते तो अपनी पत्नी कल्पना सोरेन को कमान सौंप सकते थे। कल्पना का नाम तब बड़ी तेजी से मीडिया में उछला भी। नतीजा सबने देखा। चंपई ने हेमंत को बेल मिलने पर उनकी कुर्सी वापस तो कर दी, लेकिन इसे अपने अपमान से जोड़ कर उन्होंने पार्टी ही छोड़ दी। आज चंपाई सोरेन उनके लिए झारखंड में भाजपा के साथ मिल कर खतरे की घंटी बजा रहे हैं।

लालू यादव इस मामले में सबसे चालाक निकले। उन्हें जब लग गया कि चारा घोटाले में उनका जेल जाना निश्चित है तो आरजेडी विधायकों को विश्वास में लेकर अपनी पत्नी राबड़ी देवी को सीएम बनवा दिया। इससे उन्हें रिमोट से सरकार चलाने का मौका तो मिल ही गया, पार्टी पर पकड़ भी बनी रही। आरजेडी के नेता अगर आज भी लालू परिवार के प्रति वफादार हैं तो इसकी मूल वजह पार्टी पर परिवार का कब्जा ही है। सत्ता का भी जब मौका मिलता है तो लालू परिवार के सदस्य ही सर्वाधिक लाभ उठाते हैं। शायद इसी तरह की रणनीति की वजह से लालू को राजनीति का चाणक्य भी कहा जाता है।

अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के सएम का फैसला करते समय नीतीश और हेमंत के अनुभवों का ध्यान में नहीं रखा। हालांकि उनके पास भी अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल को सीएम बनाने का विकल्प मौजूद था। अव्वल तो अरविंद केजरीवाल का इस्तीफा ही बेमौसम हुआ और दूसरे उन्होंने आतिशी पर अधिक भरोसा कर उन्हें सीएम बना दिया। आतिशी उनकी उम्मीदों और भरोसे पर कितनी खरी उतरती हैं, यह तो समय बताएगा, लेकिन बिहार-झारखंड के अनुभवों को देख कर संशय तो पैदा होता ही है। वैसे भी माना जाता है कि सियासत में कोई किसी का सगा नहीं होता। विश्वास न हो तो शरद पवार के परिवार को ही देख लें। परिवार के जिस सदस्य अजित पवार को उन्होंने अंगुली पकड़ कर राजनीति में चलना सिखाया, सत्ता के लिए उसी अजित पवार ने शरद को लंगड़ी मार दी।

बहरहाल, अब सवाल उठता है कि अरविंद केजरीवाल को बेमौसम इस्तीफे की जरूरत क्यों पड़ी। जब वे शराब घोटाले में जेल गए तो उस समय नैतिकता की मांग थी कि वे इस्तीफा दे देते। उन्होंने ऐसा नहीं किया। बेल पाकर जब जेल से रिहा हुए तो अचानक इस्तीफे वाले ज्ञान चक्षु क्यों खुल गए, वह भी महज पांच महीनों के लिए। सुप्रीम कोर्ट ने भले उन्हें पंगु बना दिया था, लेकिन सीएम पद छोड़ने की कोई शर्त भी नहीं रखी थी। केजरीवाल कहते हैं कि जेल जाते वक्त इस्तीफा देता तो उनके खिलाफ नैरेटिव बनाने में भाजपा कामयाब हो जाती। अब भाजपा को नैरिटिव बनाने का मौका नहीं मिलेगा। खैर, समय बताएगा कि केजरीवाल का यह फैसला उनके लिए नीतीश और हेमंत सोरेन की तरह सिरदर्द साबित होता है या उनकी रणनीति के अनुरूप सफलता देता है?

ग्रामीण सौर ऊर्जा उपभोक्ताओं के लिए टाटा पावर डीडीएल ने आयोजित किया पुरस्कार समारोह

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा पावर डीडीएल के ग्राम उपभोक्ता समूह (विसीजी) ने घर की छतों पर सौर ऊर्जा लगाने एवं अन्य ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले दर्जनों ग्रामीण उपभोक्ताओं को सम्मानित किया। जौंती गांव के सर्वोदय उच्च माध्यमिक विद्यालय में टाटा स्वयंसेवा सप्ताह के 22 संस्करण के भव्य पुरस्कार समारोह में गुरूवार को यह सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में सौर ऊर्जा पर एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें रुचि रखने वाले उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा के लाभों और इंस्टालेशन प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। टाटा पावर डीडीएल ने ऊर्जा संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए डीएसएम उत्पाद काउंटर और छत पर सौर ऊर्जा संबंधी पूछताछ सह प्रमोशन स्टॉल भी स्थापित किए। कार्यक्रम के दौरान कई सौर ऊर्जा उपभोक्ता सम्मानित किए गए, जिन्होंने सौर ऊर्जा के साथ अपने सकारात्मक अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला मजिस्ट्रेट-उत्तर-पश्चिम, अंकिता आनंद और एसडीएम, उत्तर-पश्चिम-अनंत द्विवेदी ने टाटा पावर डीडीएल के उपभोक्ताओं को नवीकरणीय ऊर्जा प्रचार में उनके अमूल्य योगदान के लिए सराहा। टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड की ओर से किफायती दर पर ब्रांडेड कंपनियों के एलईडी बल्ब्स, ट्यूब लाइट्स, बहुत कम बिजली का खपत करने वाले बीएलडीसी पंखे, एयर कंडीशंस उपकरणों में मार्किट रेट पर रुपए 3500 की छूट जैसी डीएसएम प्रोडक्ट्स की भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर, काफी उपभोक्ताओं ने सोलर सिस्टम लेने में अपनी रुचि दिखाई। वीसीजी की टीम विभिन्न गावों में ऐसे उपभोक्ताओं के लिए कार्यशालाओं का नियमित रूप से आयोजन करती है जिससे ऊर्जा संरक्षण के साथ-साथ सोलर से बिजली का उत्पादन में सहयोग मिल रहा है। कार्यक्रम में टाटा पावर डीडीएल की मुख्य वाणिज्य अधिकारी किरण गुप्ता, राहुल कुमार, प्रमुख-एससीजी, वीसीजी, सीसीजी, मनीषा वाधवा, हेड एससीजी एवं वीसीजी, भारत छाबड़ा, एसआईजी चीफ और सर्किल प्रमुख उप-शहरी, मनीष गोयल, जिला प्रबंधक-बवाना, नवीन कुमार, जोनल ऑपरेशन टीम के अधिकारियों साथ-साथ 200 से अधिक ग्राम उपभोक्ताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। ज्ञात हो कि सन् 2021 में स्थापित, विलेज कस्टमर ग्रुप ने कई तरह के काम किए हैं। ये काम कामर्शियल और सीएसआर क्षेत्रों के साथ-साथ उपभोक्ता सहयोग के क्षेत्र में हैं। यह समूह गांव के आर्थिक प्रगति और सामाजिक उन्नति दोनों के लिए प्रतिबद्ध है। यह कार्यक्रम टाटा पावर डीडीएल की स्थायी ऊर्जा समाधान को बढ़ावा देने और समुदायों को हरित प्रथाओं को अपनाने के लिए सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

जनता की अदालत में केजरीवाल जाएंगे और प्रचंड बहुमत का प्रमाण पत्र लेकर आएंगे : संजय सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में आप सांसद संजय सिंह ने बीजेपी पर कड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता गुस्से में है कि एक ईमानदार मुख्यमंत्री को इस्तीफा देना पड़ा। लोग पूछ रहे हैं कि अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफा क्यों दिया। पिछले दो सालों से भाजपा उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर ही है। उनपर बेबुनियाद आरोप लगाए गए और ईमानदारी पर सवाल उठाए। लाएंगे ईमानदारी का प्रमाण पत्रः संजय सिंह ने कहा, अरविंद केजरीवाल ने सोचा कि हम जनता की अदालत में जाकर ईमानदारी का प्रमाण पत्र लेकर आएंगे। उन्होंने सच्चाई के साथ दिल्ली के लोगों की सेवा की है। मंगलवार को उन्होंने इस्तीफा देने के बाद कहा कि मुख्यमंत्री को मिलने वाली सुविधाएं छोड़ देंगे। लोगों को सोचना होगा कि अरविंद केजरीवाल नहीं होंगे तो दिल्ली का क्या होगा। प्रधानमंत्री कहते हैं कि मुफ्त की सुविधाएं समाप्त होनी चाहिए। दिल्ली में मुफ्त बिजली-पानी की सुविधा पहली बार अरविंद केजरीवाल ने ही मुहैया कराई। साथ ही महिलाओं के लिए फ्री बस सेवा और बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा कराने की योजना लाई। सरकार की नीयत में कमीः आप सांसद ने आगे कहा, खजाने में पैसों की कमी नहीं, बल्कि सरकार की नीयत में कमी है। जनता की अदालत में अरविंद केजरीवाल जाएंगे और प्रचंड बहुमत का प्रमाण पत्र लेकर आएंगे। गुजरात में इतने सालों तक सत्ता में रहने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक भी ऐसा स्कूल नहीं बनवा पाए, कि वे उसके आगे खड़े होकर तस्वीर खिंचवा सकें। नहीं लेंगे सुरक्षा, भगवान करेंगे रक्षाः संजय सिंह ने कहा कि, अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा पर भी खतरा है। कई बार उनपर हमाला हो चुका है। कई बार भाजपा के लोगों ने हमला किया है। उन्हें चोट पहुंचाई गई। उनके बुजुर्ग माता पिता, बच्चों की सुरक्षा को लेकर हम चिंतित हैं। अरविंद केजरीवाल का कहना है कि ईश्वर ऊनकी रक्षा करेंगे।

छह माह तक जेल में भी ईश्वर ने उनकी रक्षा की है। सुविधाओं को बंद कराना चाहती है भाजपाः उन्होंने आगे कहा कि, दिल्ली में अच्छे स्कूल, मोहल्ला क्लीनिक, मुफ्त दवाएं, मुफ्त बस सेवा को भाजपा बंद कराना चाहती है। अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री नहीं होंगे तो मोहल्ला क्लीनिक बंद हो जाएंगे। फ्री बिजली, फ्री पानी, महिलाओं का बस में फ्री सफर, बुजुर्गों की तीर्थ यात्रा सब बंद हो जाएगी। इतनी सारी सुविधाएं देने के बाद भी दिल्ली का बजट मुनाफे में है।

लड़की के साथ बाइक पर स्टंट करने वाले का चालान

नई दिल्ली, एजेंसी। विकासपुरी में बाइक पर लड़की के साथ स्टंट करने वाले युवक को वीडियो वायरल होने के बाद ट्रैफिक पुलिस ने तलाश लिया है। सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस ने 24 घंटे के भीतर उसके पकड़कर कोर्ट चालान किया है, जिसके लिए उस पर 11 हजार रुपये का जुमार्ना और एक से छह माह के लिए जेल हो सकती है। सोमवार को एक लड़की के साथ बाइक पर स्टंट करते हुए युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में यह शख्स बिना हेलमेट पहने तेज रफ्तार से बाइक चला रहा था। उसके आगे बाइक की टंकी पर एक लड़की बैठी हुई थी और उसने भी हेलमेट नहीं पहन रखा था। बाइक के पीछे चल रही कार सवार ने उनका यह वीडियो बनाया था। वीडियो में दोनों अश्लील हरकत करते हुए भी दिखाई दे रहे थे। वायरल वीडियो विकासपुरी का बताया गया था। विशेष आयुक्त अजय चौधरी ने संज्ञान लेते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए। अतिरिक्त आयुक्त दिनेश गुप्ता ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस ने सबसे पहले इस बाइक का नंबर पता लगाने की कोशिश की, लेकिन पीछे से गाड़ी की लाइट पड़ने के चलते उसका नंबर साफ नहीं दिख रहा था। इसके बाद पुलिस ने वीडियो बनाने वाले शख्स की तलाश शुरू की। उन्हें पता चला कि पीछे बैठे कार सवार युवक ने यह वीडियो बनाया है।

पुलिस ने उससे संपर्क किया। उसने बताया कि इस बाइक का नंबर उसके पास नहीं है, लेकिन यह घटना 15 सितंबर की रात लगभग एक बजे के आसपास की है। इस जानकारी पर विकासपुरी से लेकर पीरागढ़ी के बीच सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। इस दौरान उन्हें चालान करने के लिए भैरों एन्क्लेव गोल चक्कर के पास लगाए गए कैमरे में बाइक का नंबर मिल गया। इसकी मदद से बाइक सवार शख्स की पहचान मोहन गार्डन निवासी महफूज के रूप में हुई। ट्रैफिक पुलिस ने बिना हेलमेट, बिना लाइसेंस और खतरनाक ढंग से गाड़ी चलाने के लिए उसका चालान किया है। इसके साथ ही उसे ट्रैफिक पुलिस द्वारा चलाए जाने वाले जागरुकता अभियान में शामिल होने के निर्देश भी दिए गए हैं।

सात दोपहिया, मोबाइल फोन समेत पांच बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी जिला पुलिस व द्वारका जिला पुलिस ने पांच बदमाश को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी के सात दोपहिया वाहन, एक मोबाइल फोन व चाकू बरामद हुआ है। पकड़े गये आरोपियों पर 18 आपराधिक मामले दर्ज मिले हैं। द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि मोहन गार्डन थाने की पेट्रोलिंग टीम को मंगलवार रात गश्त के दौरान ढुल प्रॉपर्टी, ग्राम सभा पार्क, डीके मार्ग के पास एक संदिग्ध स्कूटी सवार दिखाई दिया। पुलिस ने इसे पकड़कर पूछताछ की तो स्कूटी बिंदापुर से चुराई पाई गई और मामला दर्ज कर आरोपी धोबी घाट, नांगलोई निवासी राज कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। इसकी तलाशी लेने पर एक चाकू बरामद हुआ। वहीं, जिले की एएटीएस टीम ने हाल ही में दर्ज वाहनचोरी के दो मामलों की जांच करते हुए सीसीटीवी फुटेज व स्थानीय सूत्रों की मदद से उनकी पहचान के बाद एक वाहनचोर को दबोच लिया। द्वारका सेक्टर तीन से पकड़े गये आरोपी राहुल पांडेय के पास से चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद हुई। बाद में इसकी निशानदेही पर चोरी की दो अन्य मोटरसाइकिलें बरामद कर ली गईं। जांच में इस पर नौ आपराधिक मामले दर्ज मिले हैं। पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि मंगलवार को पंजाबी बाग के मादी पुर चौकी के पुलिसकर्मी रोड संख्या 29 पर शिवांगी कुंज अपार्टमेंट के सामने जांच कर रहे थे। इस दौरान उन्हें एक संदिग्ध स्कूटीसवार रघुवीर नगर से आता दिखाई दिया। उसे पकड़कर पूछताछ करने पर स्कूटी खयाला इलाके से चोरी की मिली। आरोपी की पहचान जेजे कॉलोनी, मादीपुर निवासी भारत उर्फ मिर्चु के रूप में हुई। इस पर भी नौ आपराधिक मामले दर्ज मिले हैं। बाद में पूछताछ में इसकी निशानदेही पर एक अन्य स्कूटी बरामद कर लिया गया। वहीं, स्पेशल स्टाफ ने रविवार को तिलक नगर के ब्लॉक 24 में मोबाइल झपटमारी की जांच करते हुए 50 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। आरोपी की पहचान करने के बाद पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मुखर्जी पार्क, तिलक नगर के पास जाल बिछाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

करोल बाग के बापा नगर में तीन मंजिला मकान गिरा, तीन की मौत, 14 घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। करोल बाग स्थित बापा नगर इलाके में बुधवार सुबह चार मंजिला मकान भरभरा कर गिर गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और 14 लोग घायल हैं। कई और लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। मकान में चप्पल बनाने का काम होता था। जिस समय मकान गिरा, उस दौरान कई लोग काम कर रहे थे। मकान की निचली मंजिल पर पुराना निर्माण था और ऊपर नया निर्माण किया गया था। शायद उसी वजह से यह हादसा हुआ है। यह हादसा अंबेडकर गली के हरध्यान सिंह रोड पर हुआ। मकान काफी पुराना था, जिसके ऊपर की दो मंजिल गिरने से हादसा हुआ। मौके पर एनडीआरएफ, फायर, पुलिस की टीम, एंबुलेंस सब रेस्क्यू में युद्धस्तर पर जुटे रहे। समाचार लिखे जाने तक 17

लोगों को वहां से निकाला गया है, जिनमें 3 की मौत हो गई है और 14 घायल हैं। बताया जा रहा है कि अभी कई लोगों के दबे होने की आशंका है। गली अत्यधिक संकरी होने के कारण राहत और बचाव कार्य में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। डीसीपी एम हर्षवर्धन ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस को सुबह 9:00 बजे सूचना मिली थी चार मंजिला मकान गिर गया है। यह बिल्डिंग प्रसाद नगर थाना इलाके के बापा नगर में स्थित है। 25 स्क्वायर गज में यह बिल्डिंग बनी हुई है। कुल 17 लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है। पुलिस मौके पर अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हुई है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा की टिप्पणी के विरोध में एनएसयूआई सड़क पर उतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अपमानजनक टिप्पणी के खिलाफ भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने जोरदार प्रदर्शन किया। इसमें। इस दौरान सैंकड़ों प्रदर्शनकारी हाथों में बैनर लेकर एनएसयूआई मुख्यालय पर पहुंचे। जहां उन्होंने केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए। इसके साथ ही प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की है कि वह राहुल गांधी के खिलाफ बीजेपी नेताओं द्वारा की गई अपमानजनक टिप्पणियों के लिए तुरंत माफी मांगें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र और विपक्षी आवाजों के प्रति सम्मान की कमी को दशार्ता है। एनएसयूआई ने बताया कि प्रदर्शन शांतिपूर्वक मार्च के रूप में आयोजित किया गया था, गंभीर बाधाओं का सामना करना पड़ा जब दिल्ली पुलिस ने सरकारी दबाव में आकर एनएसयूआई मुख्यालय को घेर लिया और प्रदर्शनकारियों को कार्यालय के गेट से आगे बढ़ने से रोक दिया। पुलिस की इस अनुचित कार्रवाई के जवाब में, एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने बीजेपी और उसके नेतृत्व की कड़ी निंदा की। राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने कहा कि "यह कदम बीजेपी और उसकी नफरत भरी विचारधारा के असली चेहरे को उजागर करता है। यह चिंताजनक है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को सुना नहीं जा रहा बल्कि गिरफ्तार किया जा रहा है। राहुल गांधी के खिलाफ की गई टिप्पणियां न केवल उनका बल्कि लोकतंत्र का भी अपमान है।

खंडेलवाल ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय का किया स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी। चांदनी चौक से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' संबंधी सिफारिशों को कैबिनेट की मंजूरी देने के फैसले का स्वाखगत किया है। खंडेलवाल ने बुधवार को अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह निर्णय पूरे देश में चुनावी प्रक्रिया में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे केंद्र और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव सुनिश्चित किए जाएंगे। सांसद खंडेलवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि भारत में इस ऐतिहासिक चुनाव सुधार की शुरूआत के लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहिए। उन्हों ने कहा, मैं कैबिनेट द्वारा 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' प्रस्ताव की ऐतिहासिक मंजूरी का दिल से स्वागत करता हूं।

नजफगढ़ नाले के नीचे चलेगी मेट्रो, चौथे चरण की सबसे लंबी सुरंग भूमि, सृष्टि ने की तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो ने बुधवार को चौथे चरण के निर्माण कार्य के तहत पहली ट्विन टनल्स की खुदाई का काम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। बुधवार को पुलबंगश मेट्रो स्टेशन पर दो टनल बोरिंग मशीनें, भूमि और सृष्टि, एक साथ बाहर निकली। इसके साथ ही जनकपुरी पश्चिम से आरके आश्रम कॉरिडोर (मैजेंटा लाइन एक्सटेंशन) पर डेरावल नगर को पुलबंगश से जोडे वाली तीन किलोमीटर लंबी ट्विन टनल्स की खुदाई का काम पूरा हो गया। इस कार्यक्रम में दिल्ली के मुख्य सचिव धर्मेंद्र और डीएमआरसी के एमडी डॉ. विकास कुमार की भी उपस्थिति रही। पहली बार है जब समानांतर सुरंग खोदने के बाद एक साथ दो टीबीएम बाहर आई हैं। यह एक बड़ी इंजीनियरिंग उपलब्धि है क्योंकि इंजीनियरों को दो समानांतर मशीनों के कामकाज पर बारीकी से नजर रखी जाती है। दोनों टीबीएम ने जून, अगस्त 2023 में निर्माण शुरू किया और आज पुलबंगश मेट्रो स्टेशन पर निकली। मात्र 14 महीनों में ही प्रति टनल प्रति दिन औसतन 8.2 मीटर की गति से लगभग 2997 मीटर टनल खुदाई की गई। डीएमआरसी के चौथे चरण के निर्माण कार्य में यह सबसे लंबा सुरंग सेक्शन (लगभग 3 किमी), जमीन से लगभग 14-15 मीटर की गहराई पर बना है जो राणा प्रताप बाग, पंजाबी बस्ती जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों से होकर गुजरेंगी। मेट्रो के प्रबंध कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने बताया, ये सुरंगें नजफगढ़ नाले के नीचे से भी गुजरेंगी, जो नाले की अनिश्चित संरचनात्मक स्थिति के कारण एक संवेदनशील सेक्शन है। टीबीएम ने घंटाघर जैसे क्षेत्र में भी खुदाई की जो बेहद मुश्किल था।

एक नजर

हथियार तस्कर गिरोह का पदार्फाश, दो पकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी पश्चिमी जिले की एएटीएस ने हथियारों की तस्करी करने वाले एक गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस उपायुक्त रोहित मीना ने बताया कि पुलिस ने गिरोह के दो प्रमुख गुर्गों को पकड़ा है, जिसमें एक नाबालिग भी शामिल है। बालिग आरोपी की पहचान मंगोलपुरी जी ब्लॉक निवासी सुरेश उर्फ टाइगर के रूप में हुई है। इस पर 21 आपराधिक मामले दर्ज हैं और ये मंगोलपुरी थाने का घोषित अपराधी है। वहीं, नाबालिग को अलीगढ़, उत्तर प्रदेश के खैर गांव से पकड़ा गया है। इसके पास से पुलिस को चार तमंचे और कारतूस बरामद हुआ है।

क्राइम ब्रांच ने भगोड़ा बदमाश को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कालिंदी कुंज इलाके में हुई हत्या के प्रयास मामले में वांछित एक भगोड़ा बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी रंजन उर्फ तरुण एनडीपीएस अधिनियम के एक मामले में भगोड़ा भी घोषित किया गया था। आरोपी रंजन पर हत्या के प्रयास, एनडीपीएस, डकैती, झपटमारी, चोरी और आर्म्स एक्ट सहित छह मामले दर्ज हैं। क्राइम ब्रांच ने इसके खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। आरोपी रंजन उर्फ तरुण ड्रग तस्कर है। उसने कालिंदी कुंज इलाके में आकाश उर्फ भाईदा को मारने की कोशिश की थी। इस संबंध में इसके खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था।

सफदरजंग अस्पताल के बेड़े में दो और एंबुलेंस शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। सफदरजंग अस्पताल को बुधवार को दो एंबुलेंस और मिल गई। दोनों एंबुलेंस जीवन रक्षक उपकरणों से लैस है और इनका इस्तेमाल आपातकालीन सेवाओं में किया जाएगा। एंबुलेंस को एफआईईएम फाउंडेशन ने कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहल के तहत अस्पताल को उपलब्ध कराया गया है। अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वंदना तलवार ने कहा कि ऐसी पहल से लोगों के स्वास्थ्य देखभाल के लिए जरूरी बुनियादी ढांचे को बढ़ाने में सहयोग मिलेगा। निजी कंपनियों को ऐसी पहल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह लाइफ सपोर्ट सिस्टम वाली एंबुलेंस मरीजों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने में सहायक होगी और इससे अस्पताल की आपातकालीन क्षमताओं में और सुधार होगा।

जमानत पर बाहर आकर लूटपाट करने वाला बदमाश धरा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने हत्या के मामले में जमानत पर छूटने के बाद लूटपाट की वारदात को अंजाम देने वाले एक भगोड़ा बदमाश को रविवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने मंगोलपुरी में हत्या की थी। उसने लूटपाट की वारदात को मुंडका इलाके में अंजाम दिया था। गिरफ्तार आरोपी तरुण उर्फ खीमा उर्फ सोहेल मंगोलपुरी के वाई ब्लॉक का निवासी है। पुलिस के मुताबिक, 17 नवंबर 2020 को सौरभ उर्फ बाबू और उसका दोस्त पीयूष उर्फ चीकू पार्क से अपने घर जा रहे थे।

इसी बीच आरोपी तरुण अपने साथी लोकेश, नवासा, संजू उर्फ टकला के साथ वहां आया और पीयूष उर्फ चीकू को पकड़कर उसपर चाकू से कई वार कर फरार हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी तरुण को गिरफ्तार कर लिया था। तरुण को इस साल छह जून को उसके पिता की सर्जरी के लिए अंतरिम जमानत दी गई थी और उसे दो जुलाई को आत्मसमर्पण करना था, लेकिन आरोपी ने आत्मसमर्पण नहीं किया। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर हथियार के बल पर लूटपाट को अंजाम दिया।

एएसआई का बेटा अनियंत्रित होकर नाले में गिरा

नई दिल्ली, एजेंसी। भजनपुरा इलाके में रविवार को खुले नाले में गिरने से एएसआई के बेटे की मौत मामले में एक सीसीटीवी फुटेज बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसमें हरीश बैंसला नाले की दीवार पर बैठा दिखाई देता है। इस दौरान अचानक वह अपना हाथ पीछे रखने की कोशिश करता है, लेकिन हाथ रखने की जगह नहीं होने के कारण वह नाले में गिर जाता है। फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि वह अनियंत्रित होकर नाले में गिर गया था। फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि नाले में गिरने के बाद बचने के लिए वह काफी हाथ-पैर मारता है, लेकिन असफल रहता है और थोड़ी ही देर में वह नाले में डूबने लगता है। इसी बीच एक युवक दौड़ता हुआ आता है और हरीश को बचाने के लिए नाले की दीवार से लटककर उसे पकड़ने की कोशिश करता है। वह दो बार हरीश के करीब भी पहुंचता है, लेकिन पकड़ने में सफल नहीं हो पाता है। थोड़ी देर बाद नाले का पानी धीरे-धीरे शांत हो जाता है। इस दौरान आसपास के कई लोग मौके पर एकत्रित हो जाते हैं और उसे बचाने की कोशिश करते हैं, लेकिन सफलता नहीं मिलती है। बता दें कि, हरीश शादीशुदा था और परिवार के साथ बी 436, गली संख्या 21, भजनपुरा में रहता था। उसके परिवार में पिता योगेंद्र कुमार के अलावा पत्नी और एक बच्चा है। हरीश के पिता योगेंद्र कुमार दिल्ली पुलिस में एएसआई हैं। हरीश खजूरी खास पुलिस थाने में अपराध एवं आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क एवं सिस्टम (सीसीटीएनएस) के लिए निजी ऑपरेटर के रूप में काम करता था।

डीयू में "छात्र गर्जना" रैली का आयोजन, स्टूटेंड्स की समस्याओं को लेकर भरी हुंकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ और साउथ कैंपस में बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने एक विशाल 'छात्र गर्जना रैली' का आयोजन हुआ। जिसमें सैंकड़ों छात्रों ने मौजूद रहे। इस रैली एक शुल्क, केंद्रीकृत हॉस्टल आवंटन फॉर्म, एससी/एसटी/ओबीसी छात्रों के लिए स्कॉलरशिप, विश्वविद्यालय स्तर पर प्लेसमेंट सेल, छात्रों के लिए रियायती मेट्रो पास, कॉलेजों में लड़कियों के लिए एनसीसी, सहित कई मुद्दों को उठाते हुए एबीवीपी ने दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन तुरंत कार्रवाई की मांग की। स्टूडेंट्स की समस्याओं का समाधान इस दौरान एबीवीपी की राष्ट्रीय मंत्री एवं डूसू की पूर्व संयुक्त-सचिव शिवांगी खरवाल ने कहा कि अभाविप के नेतृत्व वाले डूसू ने लगातार छात्रों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास किया है और हम इनमें से कई मुद्दों का सफलतापूर्वक समाधान भी कर चुके हैं। एबीवीपी का यह मानना है कि डीयू प्रशासन को शिक्षा के वैश्विक मानकों के साथ तालमेल रखने के लिए उचित कदम उठाने चाहिए और हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने तक अपनी मांगों को आगे बढ़ाते रहेंगे ताकि डीयू के प्रत्येक छात्र एवं महिलाओं के लिए एक सुरक्षित परिसर बनाया जा सके। साथ ही उन प्रशासनिक समस्याओं का समाधान भी किया जा सके जो बड़े पैमाने पर छात्र समुदाय को प्रभावित करती हैं।"

ईडी ने अमानतुल्लाह के खिलाफ नोटिस वापस ली

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय ने समन जारी करने के बाद पेश न होने पर आप विधायक अमानतुल्लाह खान के खिलाफ अपनी शिकायत वापस ले ली है। ईडी ने अमानतुल्लाह खान के खिलाफ समन की अवमानना की शिकायत अतिरिक्त मुख्य महानगर दंडाधिकारी की अदालत में की थी। बुधवार को ईडी की तरफ से पेश लोक अभियोजक ने शिकायत वापस ले ली। इसके बाद अदालत ने मामले को निस्तारित कर दिया। बता दें कि, दिल्ली वक्फ बोर्ड में अनियमितता मामले में ईडी ने खान को समन जारी किए थे। उन्हें तीन सितंबर को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया गया था।

भाजपा के नेता जब तक अपनी अभद्र भाषा के लिए माफी नहीं मांगते तब तक पूरे देश में युवा कांग्रेस प्रदर्शन करेगी: श्रीनिवास बीवी

ऋषि तिवारी

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस ने आज युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी के नेतृत्व में भाजपा नेताओं द्वारा राहुल गांधी को लेकर लगातार किए जा रहे अपमानजनक बयानबाजी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी जी ने कहा कि इखढ के नेताओं ने राहुल गांधी जी को जान से मारने की धमकी दी, हम सब जानते हैं कि स्व. इंदिरा गांधी जी और स्व. राजीव जी ने देश के लिए शहादत दी है। उसके बाद भी वे लोग इस तरह की धमकी दे रहे हैं।

भारत में राजनीति इससे ज्यादा निचले स्तर पर नहीं गिर सकती। इखढ के एक नेता ने नहीं, बल्कि कई नेताओं ने ऐसी बातें कही, लेकिन इखढ ने कोई एक्शन नहीं लिया। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी जी ने यह भी कहा कि श्री राहुल गांधी जी रउ, रळ, डइउ, आदिवासी और अल्पसंख्यक लोगों की बात करते हैं। इसलिए इखढ के लोगों को उनकी बात पसंद नहीं आ रही है। यही वजह है कि वे धमकी दे रहे हैं। लेकिन कांग्रेस पार्टी और युवा कांग्रेस इन सब से डरने वाले नहीं हैं, हम इनके खिलाफ सड़क से लेके संसद तक लड़ाई जारी रखेंगे और जब तक भाजपा के नेता अपने बयानों को लेकर माफी नहीं मांगते तब तक युवा कांग्रेस पूरे देश भर में इनके खिलाफ प्रदर्शन करती रहेगी। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने यह भी कहा कि देश के नेता विपक्ष के खिलाफ ऐसी हिंसक बातों को लोकतंत्र में बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर नरेंद्र मोदी और अमित शाह इन लोगों के खिलाफ एक्शन नहीं लेते हैं तो साफ है- ये उनके इशारों पर ही किया जा रहा है, जो कि बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान प्रदर्शन में युवा कांग्रेस के कार्यकताओं ने भाजपा नेताओं का पुतला जलाया, पुलिस ने बैरिकेडिंग कर युवा कांग्रेस के कार्यकताओं को रोकने का प्रयास किया और कई युवा कांग्रेस के कार्यकताओं को डिटेन कर लिया। इस दौरान प्रदर्शन में युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव मनीष चौधरी, राष्ट्रीय सचिव मो. शाहिद, सत्यवान गहलोत, हरियाणा प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष मयंक चौधरी समेत अनेकों कांग्रेस कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

गाजियाबाद में शिक्षिका के घर 40 लाख की चोरी, पांच टीमें जांच में जुटीं

गाजियाबाद, एजेंसी। शनि चौकी क्षेत्र के राजेंद्रनगर सेक्टर-3 में सेवानिवृत्त शिक्षिका के बंद फ्लैट में गहने समेत 40 लाख की चोरी के मामले में पांच टीमों अलग-अलग एंगल से जांच कर रही हैं। एक टीम पुराने गिरोह के रिकॉर्ड खंगाल रही है जबकि दूसरी जेल से छूटे चोरों की लोकेशन ट्रेस कर रही है। हालांकि, अभी तक टीमों को चोरों का सुराग नहीं मिला है। डीसीपी निमिष पाटिल का कहना है कि चोरों का पता करने के लिए पांच टीमों को अलग-अलग एंगल से जांच में लगाया गया है। सोसायटी में जाने-जाने वाले प्वाइंटों और अन्य जगहों से सीसीटीवी फुटेज कब्जे में ली गई है। इसके अलावा आसपास लोगों से भी संदिग्धों के बारे में जानकारी की गई है। जल्द ही चोरों की पहचान कर उनकी लोकेशन ट्रेस कर घटना का खुलासा किया जाएगा । बता दें कि राजेंद्रनगर के अंगुरी पार्क में सेवानिवृत्त शिक्षिका नीता पाल पांच महीने पहले गुरुग्राम में बेटी के पास रहने गई थीं।

बाइक चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ऋषि तिवारी

नोएडा। लगातार बाइक चोरी करने वाले गैंग की धड़पकड़ जारी है। जो कि बुधवार को नोएडा फेस-1 नोएडा में पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले दो आरोपियों को अपने शिकंजे में लिया है। जिसके बाद पुलिस को इनके ह्यसिंपल प्लानह्न का भी पता चला है। पुलिस का कहना है कि अभी और भी खुलासे हो सकते हैं। एडीसीपी नोएडा मनीष कुमार मिश्र ने बताया कि शहर के मैट्रो स्टेशन, भीड़-भाड़ वाले इलाकों, मार्केट और तमाम जगहों पर ये आरोपी लोगों की नजर बचाकर गाड़ी को ले जाते थे और साइड में कहीं सुरक्षित मालूम दे रही जगह पर खड़ा कर देते थे। जिसके बाद ये बाइक पर नजर बनाए रखते थे। साथ ही ध्यान देते थे कि जैसे ही लोगों का ध्यान हटे और कोई इन पर अंदेशा न करें, तब बाइक लेकर रफू-चक्कर हो जाते थे। चोरी की गाड़ियों को ये अभियुक्त सस्ते दामों में दिल्ली में बेच देते थे। इसी तरह से बाइक चोरी को आरोपियों ने अपना व्यवसाय बना लिया था। पुलिस का कहना है कि दिल्ली में भी इनके चोरी के केस दर्ज हैं। पुलिस अन्य खुलासों के साथ ही चोरी की गाड़ी खरीदने वालों की भी पड़ताल कर रही है। नोएडा की सेक्टर फेज-1 थाना पुलिस ने इनको पकड़ने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को कुल 6 बाइकों से साथ गिरफ्तार किया है। जिसमें से 5 बाइकों की रिपोर्ट दर्ज है और एक बाइक लावारिश बताई गई है। पकड़े गए दोनों अभियुक्तों में एक नाबालिग बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस का कहना है कि वौ 9वीं में फेल है। पुलिस को उम्र में धोखाधड़ी का अंदेशा हैं। वहीं दूसरे अभियुक्त की पहचान नितिश शर्मा के तौर पर हुई है। जोकि मूल रुप से बाराबंकी का रहने वाला है। मौजूदा समय में दिल्ली मायूर विहार में निवास करता था। पुलिस आगे की कार्यवाही कर रही है।

तमिलनाडु सैमसंग प्लांट के हड़ताली कर्मचारियों के समर्थन में सीटू कार्यकताओं ने किया विरोध प्रदर्शन

नोएडा। तमिलनाडु सैमसंग प्लांट के हड़ताली कर्मचारियों के समर्थन में सीटू कार्यकताओं ने किया विरोध प्रदर्शन 5 अक्टूबर 2024 को डीएम कार्यालय सूरजपुर ग्रेटर नोएडा पर किया जाएगा विशाल प्रदर्शन गंगेश्वर दत्त शर्मा नोएडा, मैसेज सैमसंग इंडिया श्री पेटंबदूर तमिलनाडु प्लांट के आंदोलनरत कर्मचारियों का कंपनी प्रबंधकों और पुलिस प्रशासन द्वारा किए जा रहे दमन शोषण उत्पीड़न के खिलाफ सीटू ने पूरे देश में मजदूरों से अपने-अपने संस्थानों और प्रशासनिक कार्यालय पर 17 व 18 सितंबर 2024 को विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान किया था। उक्त आह्वान के तहत आज भी सीटू कार्यकर्ता ने कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन कर सैमसंग तमिलनाडु के हड़ताली कर्मचारियों के साथ एक एकजुटता व्यक्त किया और तमिलनाडु सरकार से उक्त मामले में तुरंत हस्तक्षेप कर गिरफ्तार किए गए सीटू नेता व कर्मचारियों को तुरंत रिहा कर उनकी मांगों/ समस्याओं का समाधान करने की अपील किया। फेस टू नोएडा पर प्रदर्शन को संबोधित करते हुए सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि सैमसंग कंपनी के प्रबंधक श्रम कानूनों की धज्जियां उड़ाकर संस्थानों को चला रहे हैं यदि मजदूर संगठित होकर अपने हक अधिकारों की मांग करते है तो सरकार और प्रशासन को अपने प्रभाव में लेकर मजदूरों का दामन शोषण व उत्पीड़न किया जाता है ऐसा ही नोएडा प्लांट के मजदूरों के साथ भी किया गया और आज भी नोएडा प्लांट को श्रम कानूनों की धज्जियां उड़ाकर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि तमिलनाडु सैमसंग प्लांट के कर्मचारियों की मांगों/ समस्याओं का समाधान शीघ्र नहीं किया गया तो सीटू कार्यकर्ता फेस-2, नोएडा प्लांट का 27 सितंबर 2024 को घेराव कर विरोध प्रदर्शन करेंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि 25 सितंबर 2024 को बैलोसिस कंपनी सेक्टर- 67, नोएडा पर काम से निकाले गए श्रमिकों को कार्य पर भिजवाने की मांग पर प्रदर्शन किया जाएगा। तथा सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों और मजदूर विरोधी लेबर कोड़ों को वापस लेने, न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी एवं विभिन्न संस्थाओं में मजदूरों की चल रही श्रम समस्याओं के समाधान सहित कई मांगों को लेकर 5 अक्टूबर 2024 को जिलाधिकारी कार्यालय सूरजपुर ग्रेटर नोएडा पर विशाल प्रदर्शन कर केंद्र/ प्रदेश सरकार को संबोधित ज्ञापन दिया जाएगा। सीटू जिला महासचिव रामसागर, सीटू नेता मुकेश कुमार राघव, सुनील पंडित, रामस्वारथ, विकास कुमार, हुकम सिंह, अंकुश, भूपेंद्र सिंह आदि ने जनपद के मजदूरों से उक्त होने वाले विरोध प्रदर्शन के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील किया।

कुख्यात गैंगस्टर व पुलिस के मुठभेड़, एक घायल, दूसरा फरार

ऋषि तिवारी

नोएडा। थाना सेक्टर-39 पुलिस ने आज तड़के एक मुठभेड के दौरान एक कुख्यात गैंगस्टर को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली उसके पैर में लगी है। इसके खिलाफ पूर्व में चोरी और गैंगस्टर सहित विभिन्न धाराओं में सात मामले दर्ज हैं। पुलिस ने इसके पास से 22 हजार रुपए नकद, देसी तमंचा, कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त होने वाली मोटरसाइकिल बरामद किया है। इसके कुछ साथी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। एडीसीपी नोएडा मनीष कुमार मिश्र ने बताया कि थाना सेक्टर-39 पुलिस आज तड़के सेक्टर-42 कट के सामने संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। तभी बाइक पर सवार होकर कुछ बदमाश आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने जब चेकिंग के लिए उन्हें रोकने का प्रयास किया तो वे अपनी मोटरसाइकिल मोड़कर वहां से भागने लगे। उन्होंने बताया कि बदमाश सेक्टर-42 के जंगल की तरफ भागे। कच्चे रास्ते पर उनकी मोटरसाइकिल फिसल कर गिर गई। पुलिस ने उन्हें घेर लिया। इसी बीच बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाई। उन्होंने बताया की जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली एक बदमाश आमिर पुत्र शहाबुद्दीन निवासी खजूर कॉलोनी उम्र 26 वर्ष के पैर में लगी है। उन्होंने बताया कि उक्त अपराधी ने पूर्व में अपने साथी शौकत व मनोज के साथ मिलकर चोरी की कई घटनाएं की है।

उन्होंने बताया कि पुलिस इसके अन्य साथियों की तलाश कर रही है। एसीपी ने बताया कि इसके पास से पुलिस ने 22 हजार रुपए नकद, देसी तमंचा, कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद किया है। उन्होंने बताया कि इसके खिलाफ पूर्व में सात मुकदमे दर्ज हैं।

मंदिर के महंत की हत्या की सुपारी देने की सूचना से हड़कंप

गाजियाबाद, एजेंसी। नगर कोतवाली क्षेत्र के दिल्ली गेट स्थित दुर्गा देवी मंदिर के महंत की हत्या की सुपारी देने की सूचना से पुलिस में हड़कंप मच गया। महंत के मुताबिक उनके चालक ने फोन करके बताया कि अज्ञात व्यक्ति ने उनकी हत्या के लिए 20 लाख रुपये और असलहा दिया है। इसके बाद चालक का मोबाइल बं हो गया। पुलिस के मुताबिक जांच में पता चला कि चालक ने शराब के नशे में झूठी सूचना दी।

उसे किसी ने कोई सुपारी नहीं दी थी। दिल्ली गेट स्थित दुर्गा देवी मंदिर के महंत गिरिशानंद गिरी ने नगर कोतवाली में शिकायत दी थी। उनका कहना था कि 16 सितंबर की अपराह्न करीब तीन बजे दूधेश्वरनाथ मंदीर से गणेश विसर्जन की शोभायात्रा निकल रही थी। उसी दौरान शास्त्रीनगर निवासी उनके चालक विक्की का फोन आया। विक्की ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति उसके पास आया है। उसने 20 लाख रुपये तथा अवैध असलहा देकर कहा कि महंत को गोली मारनी है।

किसानों ने वेव सिटी के मेन गेट को घेरा, धरने पर बैठे

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में वेव सिटी बिल्डर के खिलाफ किसानों ने बुधवार को धरना शुरू कर दिया है। किसानों ने वेव सिटी के मेन गेट को घेरकर बंद कर दिया और वहीं धरने पर बैठ गए। एक तरफ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गाजियाबाद के रामलीला ग्राउंड पहुंचे हुए हैं, तो वहीं दूसरी तरफ किसानों के इस हंगामा से पुलिस प्रशासन के हाथ पांव फूले हुए हैं। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद है और किसानों को समझकर गेट खोलने की कोशिश की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, वेव सिटी बिल्डर के खिलाफ लंबे समय से डेढ़ दर्जन गांवों के किसान आंदोलन कर

रहे हैं। लेकिन किसानों की समस्याओं का अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ है, जिससे नाराज किसान बुधवार को वेव सिटी के गेट पर पहुंच गए और रोड जाम करके धरने पर बैठ गए। भारतीय किसान संगठन व किसान संघर्ष समिति के बैनर तले कई गांवों के किसानों ने वेव सिटी के मेन गेट को घेर लिया है। किसानों के धरना प्रदर्शन को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद है। पुलिस के आला अधिकारी किसानों को समझाकर गेट से हटाने की कोशिश कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि बिल्डर ने जो लिखित व मौखिक समझौते किये हैं वो अब से लगभग आठ साल पहले लागू किए जाने थे। लेकिन आज तक उन समझौतों को बिल्डर द्वारा अमल में नहीं लाया गया। सरकार द्वारा बिल्डर को लाइसेंस देकर 20 साल से किसानों को बंधक बना कर रख दिया गया है। किसानों की जमीनों का उचित मुआवजा तय नहीं किया गया है। प्रभावित किसानों को घोषित आठ प्रतिशत प्लॉट नहीं दिए गए हैं। भूमिहीनों को घोषित फ्लैट या प्लॉट नहीं दिए गए।

नोएडा में 9वीं कक्षा का छात्र चल रहा था वाहन चोरी का गैंग, दो गिरफ्तार, 5 बाइक बरामद

नोएडा, एजेंसी। गर्लफ्रेंड के साथ-साथ अपने शौक को पूरा करने के लिए कथित नाबालिग अपने एक दोस्त के साथ एनसीआर क्षेत्र में वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देने लगा। थाना फेस-वन पुलिस ने एक सूचना पर दो वाहन चोरों को गिरफ्तार करके उनके पास से चोरी की पांच बाइक बरामद किया है। गिरफ्तार बदमाशों में एक नाबालिग है। वह कक्षा 9वीं फेल है। इनके गैंग के कुछ लोग फरार हैं। नाबालिग वाहन चोरों का सरगना बताया जा रहा है। नाबालिग के पास से मिले विभिन्न प्रमाण-पत्रों से जन्म तिथि को लेकर पुलिस असमंजस की स्थिति में है कि वह बालिग है या नाबालिग है। पुलिस इस संबंध में भी जांच-पड़ताल कर

रही है। अपर पुलिस उपायुक्त मनीष मिश्र ने बताया किएक सूचना के आधार पर थाना फेस-वन पुलिस ने टकसाल के पास से निखिल शर्मा और एक बाल अपचारी को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इनकी निशानदेही पर पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विभिन्न जगहों से चोरी किए गए पांच दो पहिया वाहन बरामद किया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार बदमाशों ने ज्ञात हुआ कि निगरानी में लिये गये विधि विरूद्ध बालक जो 9वीं कक्षा में फेल हो चुका है तथा वर्तमान में विगत 2 माह से सेक्टर-15 में कम्प्यूटर कोचिंग कर रहा है जिसकी मित्रता अभियुक्त निखिल शर्मा उर्फ सॉफ्टवेयर से जो स्विगी में डिलीवरी बॉय का कार्य करता है उससे हो गयी। अभियुक्तों ने पुलिस को बताया है कि दोनों मोटर साइकिल चलाने व गर्लफ्रेंडों के शौक को पूरा करने के लिये मोटर साइकिल चोरी करते थे तथा जगह बदल-बदलकर कभी पार्किंग में तो कभी मैट्रो स्टेशन के आस पास चोरी की बाइक खड़ी कर दिया।

दीदी की रसोई ट्रस्ट ने जरूरतमंदों को कराया निशुल्क भोजन- गंगेश्वर दत्त शर्मा

नोएडा, जरूरतमंद लोगों की सेवा में रात दिन लगी दीदी की रसोई ट्रस्ट ने आज ट्रस्ट की अध्यक्ष रितु सिन्हा व कोषाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा के नेतृत्व में सेक्टर-8, नोएडा बांस-बल्ली मार्केट पर गरीब जरूरतमंद लोगों को निशुल्क भोजन का वितरण किया। इस अवसर पर दीदी की रसोई ट्रस्ट की अध्यक्ष व समाजसेवीका रितु सिन्हा, ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष व सामाजिक कार्यकर्ता गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि हमारी संस्था लगातार गरीब जरूरतमंद लोगों की सेवा में

लगी रहती है और संस्था की ओर से अलग-अलग स्थानों पर प्रतिदिन गरीब जरूरतमंद लोगों, बच्चों को भोजन का वितरण किया जाता है और हमारा यह प्रयास आगे भी निरंतर जारी रहेगा। भोजन वितरण में टीम की कार्यकर्ता सविता देवी, रमाकांत सिंह, नरेंद्र पांडे, गणेश आदि ने सहयोग किया।

चौकी प्रभारी पर आरोप लगाकर प्रदर्शन किया

मुरादनगर, एजेंसी। हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को डीसीपी ग्रामीण कार्यालय पर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि कस्बा चौकी प्रभारी ने मंच के नगर अध्यक्ष के साथ पुलिस चौकी परिसर में अभद्रता की। डीसीपी ग्रामीण ने एसीपी मसूरी को इस मामले की जांच सौंपी है। हिंदू जागरण मंच के जिलाध्यक्ष नितिन शर्मा, नीरज शर्मा और युवा जिला प्रमुख सुबोध कुमार समेत सैकड़ों कार्यकर्ता बुधवार दोपहर मुरादनगर स्थित डीसीपी ग्रामीण कार्यालय पहुंचे और हंगामा किया। नितिन के मुताबिक मंच के नगर अध्यक्ष अनुभव शर्मा का एक व्यक्ति से विवाद हुआ और कस्बा चौकी पहुंचने पर दोनों में समझौता हो गया। आरोप है कि चौकी प्रभारी ने अनुभव शर्मा के साथ देर रात मारपीट की। उन्होंने चौकी प्रभारी को हटाने की मांग की। डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने लोगों को समझाकर शांत कराया। उन्होंने बताया कि एसीपी मसूरी सिद्धार्थ गौतम को जांच सौंपी गई है। रिपोर्ट आने पर कार्रवाई करेंगे।

एक नजर

फॉल सीलिंग का हिस्सा टूटकर नीचे गिरा

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित गौर सिटी वन के छठें एवेन्यू सोसाइटी के एक टावर की बेसमेंट लॉबी में फॉल सीलिंग का छोटा हिस्सा नीचे गिर गया। इस दौरान कुछ लोग वहां से गुजर रहे थे, जोकि हादसे का शिकार होने से बच गए। निवासियों ने बताया कि बुधवार को सी टावर के बेसमेंट एरिया की लॉबी में अचानक फॉल सीलिंग का कुछ हिस्सा नीचे गिर गया। इस दौरान वहां लिफ्ट से कुछ लोग निकल रहे थे, जो बाल-बाल बच गए। इसको लेकर निवासियों ने एओए की टीम से शिकायत की है। साथ ही सभी टावरों की फॉल सीलिंग के दोबारा से जांच करने की मांग की है।

गाजियाबाद में भारी वाहनों को राजनगर एक्सटेंशन की ओर जाने की जरूरत नहीं

गाजियाबाद, एजेंसी। रैपिड एक्स के स्टेशनों के निर्माण के दौरान दिल्ली-सीमापुरी बॉर्डर से आने वाले वाहनों के लिए राजनगर एक्सटेंशन की ओर किए गए डायवर्जन को अब खत्म किया जाएगा। अब भारी वाहनों को राजनगर एक्सटेंशन की ओर जाने की जरूरत नहीं है। इससे राजनगर एक्सटेंशन के लोगों को भी राहत मिलेगी। अभी तक मेरठ, मुजफ्फरनगर, उत्तराखंड की तरफ जाने वाले वाहन राजनगर एक्सटेंशन से होकर जा रहे हैं। अब ये वाहन राजनगर एक्सटेंशन की तरफ न जाकर जीटी रोड से ही मेरठ तिराहा तक जा सकेंगे। इसके बाद मेरठ रोड और न्यू लिंक रोड का प्रयोग कर आगे जा सकेंगे। इसे लेकर जल्द ही पुलिस नोटिफिकेशन जारी करेगी। पुलिस आयुक्त अजय कुमार मिश्र ने बताया कि रैपिड एक्स के स्टेशनों के निर्माण के दौरान किए गए रूट डायवर्जन को हटाया जा रहा है।

सैनिक बंधु समिति की बैठक आज

नोएडा, एजेंसी। गौतमबुद्ध नगर के जिला अधिकारी की अध्यक्षता में भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं के निस्तारण के लिए 19 सितंबर को दोपहर 01:30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार सूरजपुर में जिला सैनिक बंधु समिति की बैठक की जाएगी। इस बाबत जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी गौतमबुद्ध नगर कर्नल कपिल कत्याल ने भूतपूर्व सैनिकों को जानकारी दी। भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रित बैठक में निर्धारित समय और स्थान पर पहुंचकर अपनी समस्याओं का निस्तारण करा सकते हैं।

गाजियाबाद में एसी मैकेनिक ने 16 साल की किशोरी से किया दुष्कर्म, आरेपी गिरफ्तार

गाजियाबाद, एजेंसी। कौशांबी थाना क्षेत्र में एक कालोनी में एसी मैकेनिक ने 16 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म कर दिया। घटना दो महीने पहले की है। आरोपी काम के बहाने घर में घुसा था और किशोरी को अकेला देखकर वारदात को अंजाम दिया। आरोप है कि गाली-गलौज का विरोध करने पर आरोपी ने किशोरी के पिता पर हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी को आनंद विहार बॉर्डर पर ठेके के पास से गिरफ्तार कर लिया। एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि किशोरी के माता-पिता दोनों दिल्ली में दुकान चलाते हैं। ढाई महीने पहले आरोपी की इंस्टाग्राम पर किशोरी से जान-पहचान हुई थी। कई दिनों तक आरोपी किशोरी को मैसेज करता था। उसने बात करने से मना भी किया लेकिन वह नहीं माना। पिता का आरोप है कि दो महीने पहले आरोपी गली में घूमते हुए किसी बहाने से घर पहुंचा था। उस समय वह पत्नी के साथ दुकान पर गए थे। उनकी बेटी घर में अकेली थी। आरोपी ने इसका अनुचित फायदा उठाकर किशोरी ने दुष्कर्म कर दिया। रात में दंपती घर पहुंचे तो किशोरी ने डर की वजह से कुछ नहीं बताया। आरोपी ने पिछले दिनों किशोरी को फोन पर गाली-गलौज की। उसने पिता को इस बारे में बताया तो वे मैकेनिक की दुकान पर गए। वहां पर आरोपी ने उनके ऊपर हमला कर दिया। पीड़ित पिता ने कौशांबी थाने में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं, एसीपी ने बताया कि आरोपी के मोबाइल में कोई वीडियो या फोटो नहीं मिला है। उसके इंस्टाग्राम अकाउंट की साइबर टीम जांच कर रही है।

मिट्टी भरी बुग्गी पलटने से पिता-पुत्र की मौत

ट्रांस हिंडन, एजेंसी। टीला मोड़ थाना क्षेत्र के निस्तौली गांव में बुधवार तड़के बुग्गी पलटने से पिता-पुत्र की मौत हो गई। बेटे की गर्दन पहिये के नीचे कुचल गई और पिता की मिट्टी में दबने से मौत हो गई। दोनों बर्तन बनाने के लिए मिट्टी लेने गए थे। इस दौरान झाड़ियों से अचानक नील गायों का झुंड बाहर निकलने पर खच्चर बिदक गया। इस कारण बुग्गी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे की सूचना पर पुलिस पहुंची, लेकिन ग्रामीणों ने पोस्टमार्टम न कराने का आग्रह किया। लिखित में देने पर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिए। निस्तौली गांव में रहने वाले ताराचंद प्रजापति के छह बेटे हैं। तीसरे नंबर के दिनेश गांव में पत्नी सरोज व दो बेटों 18 वर्षीय प्रियांशु व 14 वर्षीय दीपांशु के साथ रहते थे। दिनेश मजदूरी करते थे, जबकि उनके बड़े भाई सुरेश मिट्टी के बर्तन बनाते हैं। प्रियांशु 12वीं की पढ़ाई कर रहा था, जबकि दीपांशु आठवीं कक्षा में है।

बुधवार सुबह लगभग साढ़े चार बजे दिनेश अपने बड़े भाई सुरेश के बर्तन बनाने के लिए गांव के जंगल से बुग्गी से मिट्टी लेने प्रियांशु के साथ गए थे। बुग्गी में उन्होंने खच्चर बांधा हुआ था। मिट्टी भरकर लौटते समय जंगल में बड़ी झाड़ियों में से पांच बजे अचानक नील गायों का झुंड निकला। अचानक इतने सारे नील गायों को देखकर खच्चर बिदक गया और वह भी बुग्गी लेकर इधर-उधर दौड़ने लगा। दिनेश ने बुग्गी व खच्चर को नियंत्रित करने का हर संभव प्रयास किया। तभी बुग्गी के ऊपर से गुजरी एक नील गाय की टक्कर सिर में लगने से प्रियांशु गिर गया और उसकी गर्दन से मिट्टी से भरी बुग्गी का पहिया गुजर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके साथ ही अनियंत्रित बुग्गी पलटने से दिनेश भी घायल हो गया और वह बुग्गी की मिट्टी के नीचे दब गया, जिससे उसकी भी मौत हो गई। ग्रामीणों के जंगल जाने पर हादसे का पता चला।

नोएडा में कुख्यात गैंगस्टर व पुलिस के बीच चली गोली, एक घायल, दूसरा फरार

नोएडा, एजेंसी। थाना सेक्टर-39 पुलिस ने आज तड़के एक मुठभेड के दौरान एक कुख्यात गैंगस्टर को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली उसके पैर में लगी है। इसके खिलाफ पूर्व में चोरी और गैंगस्टर सहित विभिन्न धाराओं में सात मामले दर्ज हैं। पुलिस ने इसके पास से 22 हजार रुपए नकद, देसी तमंचा, कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त होने वाली मोटरसाइकिल बरामद किया है। इसके कुछ साथी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। एडीसीपी नोएडा मनीष कुमार मिश्र ने बताया कि थाना सेक्टर-39 पुलिस आज तड़के सेक्टर-42 कट के सामने संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। तभी बाइक पर सवार होकर कुछ बदमाश आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने जब चेकिंग के लिए उन्हें रोकने का प्रयास किया तो वे अपनी मोटरसाइकिल मोड़कर वहां से भागने लगे। उन्होंने बताया कि बदमाश सेक्टर-42 के जंगल की तरफ भागे। कच्चे रास्ते पर उनकी मोटरसाइकिल फिसल कर गिर गई। पुलिस ने उन्हें घेर लिया। इसी बीच बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाई। उन्होंने बताया की जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली एक बदमाश आमिर पुत्र शहाबुद्दीन निवासी खजूर कॉलोनी उम्र 26 वर्ष के पैर में लगी है। उन्होंने बताया कि उक्त अपराधी ने पूर्व में अपने साथी शौकत व मनोज के साथ मिलकर चोरी की कई घटनाएं की है। उन्होंने बताया कि पुलिस इसके अन्य साथियों की तलाश कर रही है। एसीपी ने बताया कि इसके पास से पुलिस ने 22 हजार रुपए नकद, देसी तमंचा, कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद किया है।

संक्षिप्त खबरें

समाजवादी विचारों के धनी थे शिवदयाल चौरसिया अखलाक पप्पू

समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर कार्यकर्त्ता ने समाजवादी विचारों के धनी पूर्व राज्यसभा सांसद स्व.शिवदयाल चौरसिया जी की पुण्यतिथि उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर मनाई प्रवक्ता अखलाक पप्पू ने कहा की चौरसिया जी 18.9.1995 को यशकारी हो होने के बाद एक बड़ा अनसुलझा प्रक्ष छोड़ गए जिसको वह अपने जीवनकाल में पूरा नहीं कर पाए कहा करते थे कि पिछड़ा एससी. एसटी. ओबीसी. अल्पसंख्यक मस. की जातियों को उनकी जनसंख्या के आधार पर न्यायलयों सरकारी नौकरी. आदि में प्रतिनिधित्व कब मिलेंगा उनके बताए रास्ते पै चलना होगा पुण्यतिथि में महिला सभा की जिलाध्यक्ष प्रभा चौधरी. वरिष्ठ नेता डॉ शफीक जाकिर चौधरी राधा सैनी लाल सिंह कश्यप. मौ. अकरम. सुभाष विश्कर्मा मौ दानिश. सलमान मुनवर. आदि मौजूद रहे

योगी सरकार के खिलाफ कांग्रेस ने किया धरना प्रदर्शन

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के निदेर्शानुसार आज दिनांक 18/09/2024 को मेरठ मंडल मुख्यालय पर बिगड़ती कानून व्यवस्था और पुलिसिया उत्पीड़न के विरोध में महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा अध्यक्ष मुकेश यादव के नेतृत्व में प्रदर्शन में दर्जनों कांग्रेसी कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए। मुख्य रूप से शामिल लोगों में महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा अध्यक्ष मुकेश यादव, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य दिनेश अवाना, पूर्व जिलाध्यक्ष गौतमबुधनगर दिनेश शर्मा, पूर्व महानगर अध्यक्ष शहाबुद्दीन, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राम भरोसे शर्मा, दादरी विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष जीतू शर्मा, आरिफ, आसिफ, दीपक यादव, राजेन्द्र, रणवीर भाटी, सन्नी, विनोद, वीरेंद्र व कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राहुल गांधी पर टिप्पणी से भड़के कांग्रेसी, सड़कों पर उतरकर किया प्रदर्शन, कानून-व्यवस्था पर भी घेरा

लखनऊ लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भाजपा नेताओं की अभद्र टिप्पणियों को लेकर कांग्रेसी सड़कों पर उतरे और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। लखनऊ में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया और प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर भी सरकार को घेरा। इस मौके पर अजय राय ने पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। बता दें कि केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू सहित भाजपा के कई नेताओं ने राहुल गांधी पर अमर्यादित टिप्पणी की है। केंद्रीय मंत्री बिट्टू ने राहुल गांधी को आतंकवादी नंबर वन बताया था। जिसके बाद से कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता नाराज हैं और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं ने केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड़, पूर्व विधायक तरविंद्र सिंह को बर्खास्त करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी नेता लोकतंत्र की मयार्दा भूल गए हैं। सांसद राहुल गांधी के खिलाफ केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड़, पूर्व विधायक तरविंद्र सिंह ने अभद्र टिप्पणी की जो गलत है। वह देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी के नेता और जनप्रतिनिधि हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता भ्रष्टाचार में डूबे हैं और विपक्षी नेताओं के खिलाफ गलत बयानबाजी कर रहे हैं। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

यूपी सरकार पर बरसे नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव, बोले- जब दंगाई शासन में आ गए तो दंगा कराएगा कौन

जौनपुर। जौनपुर के सिरकोनी क्षेत्र के विशुनपुर मझवारा गांव में सपा के वरिष्ठ नेता रत्नाकर चौबे के आवास पर मंगलवार की देर शाम को एक निजी कार्यक्रम में शिरकत करने सपा के नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव पहुंचे। उन्होंने सुल्तानपुर में आभूषण व्यवसायी लूटकांड में पुलिस द्वारा एनकाउंटर में मारे गए मंगेश यादव के मामले में कहा कि हम लोग विपक्ष की भूमिका में हैं, जब कोई परेशान होता है तो उसकी सहायता के लिए हम आगे आते हैं।

इसी तरह मंगेश यादव की घटना को लेकर भी हम लोग उसके परिवार की सहायता में हैं। नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव ने कहा कि देश की आजादी के बाद से बीते 64 सालों से देश 56 लाख करोड़ रुपये विदेशी कर्ज में था, जबकि वर्तमान समय में 205 लाख करोड़ रुपये से अधिक विदेशी कर्ज लद गया है। देश के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने देश को बेच दिया है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार बने नौ साल हुआ। अब तक जितना कर्ज 56 सालों में देश में नहीं लिया था, इन्होंने नौ सालों में ले लिया है। कहा कि देश डेढ़ लाख रुपये प्रति व्यक्ति विदेशी कर्ज में डूबा हुआ है। देश को सोने की चिड़िया बताने की बात कह कर लोग अपनी पीठ थप थपा रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी संसदीय क्षेत्र में अब तक कितना विकास हुआ है? कितनी फैक्ट्रियां लगाई गई हैं? कितने विद्युत संयंत्र केंद्र स्थापित किए गए हैं और कितने लोगों को रोजगार मिला है?

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव ने किसी सवाल के जवाब मे कहा कि ओम प्रकाश राजभर की बात मत करिए, उनकी बात का कोई वजूद नहीं है। वह कब कहां कैसे पलट जाएं कोई मतलब नहीं है। कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है, या यूं कहे की प्रदेश जंगल राज पूरी तरह से कायम है। कानून व्यवस्था बिल्कुल ध्वस्त हो चुकी है।

काशी में बाढ़ का कहर: 24 घंटे में 7134 लोग प्रभावित नौ वार्डों और सात गांवों में भरा गंगा का पानी

वाराणसी। उफनाई गंगा में बाढ़ के कहर ने पांच हजार से अधिक परिवारों को अपनी चपेट में ले लिया। जलस्तर में गिरावट के बाद भी बस्तियों में पानी फैलने से बाढ़ का दायरा बढ़ता गटा। बीते 24 घंटे में बाढ़ प्रभावितों की संख्या 4461 से बढ़कर 7134 हो गई है। बाढ़ का पानी शहर के नौ वार्डों और तटवर्ती सात गांवों में प्रवेश करने से बड़ी संख्या में लोग सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए मजबूर हो गए। 16 बाढ़ राहत शिविरों में राहत पैकेट के लिए मारामारी मच गई है। राहत और बचाव के लिए 22 नावें लगाई गई हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी बाढ़ से उत्पन्न स्थिति की अफसरों से जानकारी ली।

मंगलवार को बाढ़ का दायरा बढ़ने से बस्तियों से पलायन शुरू हो गया। 2531 लोगों ने अपने रिश्तेदारों और पड़ोसियों के यहां शरण ली, जबकि 2860 लोगों राहत शिविर में हैं। 1743 किसान प्रभावित हैं। 3.04 हेक्टेयर जमीन कटान में विलीन हो गई है। इस दिन प्रभावित इलाकों में 115 लोगों को सूखा राशन, 5472 को लंच पैकेट, 540 को फल, 482 को दूध, 340 को ओआरएस, 840 क्लोरीन टैबलेट बांटे गए।

प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है। सीर गोवर्धनपुर के बाढ़ पीड़ित राम सिंह यादव कल्लू पीड़ा बताकर भावुक हो उठे। उनका कहना था कि बाढ़ में फंसे लोगों को राहत पैकेट नहीं मिल पा रहे हैं। नायब तहसीलदार को फोन करने के बाद भी राहत सामग्री नहीं पहुंची। राहत सामग्री न पहुंचने यहां बाढ़ में घिरे घरों लोग परेशान हैं।

बाढ़ क्षेत्र में फंसे लोगों को जहरीले जानवरों के घरों में घुसने का भी डर सता रहा है। करोड़ों की लागत से बने भवनों के चारों तरफ से पानी लगने से लोगों ने घरों को खाली कर दिया है। उधर, एडीएम वित्त एवं राजस्व वंदिता श्रीवास्तव के अनुसार राहत और बचाव के लिए 22 नावें लगा दी गई हैं। एनडीआरएफ की एक टीम एवं जल पुलिस की मोटर बोट लगा कर राहत बाढ़ में घिरे लोगों को बाहर निकाला जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि 16 बाढ़ राहत शिविरों में रहने वाले परिवारों के लिए गर्म भोजन, फल, दूध, पेयजल के साथ साथ समस्त मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराई जा रही हैं।

बाढ़ और बारिश ने बढ़ाई लोगों की मुश्किलें...बाढ़ से परेशान लोगों की मुश्किलें बारिश में और बढ़ा दी है। बाढ़ क्षेत्र में फंसे लोगों को लगातार हो रही बारिश की पानी से भी परेशानी होने लगी है। बारिश के पानी से कॉलोनी में पानी का स्तर बढ़ने लगा है। मारुति नगर कॉलोनी में ऋषि पाठक के मकान के पास तक पानी पहुंच गया है। जबकि, सोमवार तक पानी उनके मकान से काफी दूरी पर था। इन कॉलोनी में सैकड़ो की संख्या में परेशान लोग परिवार को घरों पर सुरक्षित पहुंचाकर मकान में बने हुए हैं।

नाले के रास्ते कालोनियों में घुसा बाढ़ का पानी...नगवां नाला से पानी प्रवेश करने से गंगोत्री विहार कॉलोनी के मोड़ से लेकर लेन नंबर एक तक 25 घरों तक पानी पहुंच गया है। संगमपुरी कॉलोनी में रामायण त्रिपाठी के घर से झगड़ु राजभर के घर तक पानी पहुंच गया है। नगवा हरिजन बस्ती के प्रभु राम के घर तक पानी पहुंच गया है। महेश नगर कॉलोनी में अघोर आश्रम तक पानी पहुंच गया है। सामने घाट साई मंदिर के आगे तक पानी धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। ज्ञान प्रवाह नाला पर बने चैनल गेट से पानी भीतर नहीं प्रवेश कर रहा है। जिसके कारण अभी कुछ राहत लोगों को मिल गई है। सीर गोवर्धनपुर से काशीपुरम, मारुति नगर, गायत्री नगर, शिवाजी नगर, रत्नाकर बिहार, पटेल नगर होकर आने वाला नाला ज्ञानप्रवाह के पास मिलता है। यहां सिंचाई विभाग की तरफ से पंपों की संख्या चार से बढ़ाकर 6 कर दी गई है। लगातार पंप चलाने के लिए जनरेटर मंगा कर लगवाया गया।

गंगा के जलस्तर में पांच सेमी प्रति घंटा की दर से गिरावट...केंद्रीय जल आयोग के अनुसार गंगा का जलस्तर मंगलवार की शाम 6 बजे 70.82 मीटर रिकॉर्ड किया गया। इसमें 0.5 सेमी प्रति घंटे की दर से गिरावट दर्ज की जा रही है। गंगा का चेतावनी बिंदु 70.26 मीटर है। खतरे का बिंदु 71.26 मीटर है। हाई फ्लड लेवल 73.90 मीटर है । इस दिन गंगा नदी चेतावनी बिंदु से 56 सेमी ऊपर और खतरे के बिंदु से 44 सेमी नीचे बहती रही। जलस्तर में गिरावट के बाद भी तहसील सदर के नौ वार्ड सलारपुर, सरैया, हुकुलगंज, दानियालपुर, कोनिया, सिकरौल, जैतपुरा, चौकाघाट, डोमरी और सात ग्राम रामपुर ढाब, गोबरहा, लुठा कला, रामचंदीपुर, मोकलपुर, शिवदशा छितौना के लोग प्रभावित हो गए हैं। बाढ़ के चलते रामनगर में घाट पूरा डूब चुका है। घाट किनारे गलियों में जलकुंभी भी बहकर फंस गई हैं।

वरुणा किनारे लाइट बत्ती गुल, सता रही घर की सुरक्षा की चिंता...गंगा में आई बाढ़ से वरुणा में हुए पलट प्रवाह से प्रभावित लोगों को घर की सुरक्षा की चिंता सता रही है। सरैयां के राकेश कुमार ने बताया कि घरों को खाली कर दिया गया है। एहतियात बिजली गुल कर दी गई है। घर पानी में डूबा है। इस बीच वहां सामान चोरी होने का खतरा है। इस नाते नाव के सहारे एक बार वहां जाकर देखरेख करनी पड़ती है।

बाढ़ के चलते बच्चों को छोड़ने और ले जाने जाते अभिभावक...बाढ़ के चलते सामनेघाट, मारुति नगर, ढेलवरिया, सरैंया, चौकाघाट में प्रभावित लोग बच्चों को स्कूल छोड़ने और ले जाने के लिए अभिभावकों को जाना पड़ रहा है। कोई भी वाहन बाढ़ वाले इलाकों में नहीं आ रहे हैं। मारुति नगर के अंजनी ने बताया कि मां बाप को जहां बच्चों की चिंता सता रही है तो वहीं बच्चे घर डूबने की चिंता है। कई परिवार के लोग बच्चों को स्कूल नहीं भेज रहे हैं।

गलियों में घुसा पानी, अंतिम संस्कार कार्य भी प्रभावित...बाढ़ के चलते सड़क से होकर पानी गलियों में घुस चुका है। इसके चलते अंतिम संस्कार कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट पर गलियों में अंतिम संस्कार किए जा रहे हैं। अस्सी पर किनारे बने होटलों में पानी घुसा पर्यटक भी नहीं आ रहे हैं। बाढ़ में फंसने वाले लोग मोटरबोट से सामान ला रहे हैं। यहीं नहीं 24 घंटे घर के बाहर पानी लगने के कारण बच्चे मस्ती कर रहे हैं।

रमना में डूबी सब्जियों की फसलें...रमना इलाके में बाढ़ की चपेट में आने से 70 एकड़ से अधिक किसानों की फसल पानी में समा गई है। रमना के पूर्व तरफ ताल से पानी प्रवेश कर पुराना पीपल तक पहुंच गया है। बाढ़ से सब्जी की तैयार फसल पानी से खराब होने लगी है।

यहां के रहने वाले किसान मेवा पटेल राजेश पटेल विनोद पटेल रामधनी पटेल अमित पटेल ने बताया कि इन लोगों की तैयार बोड़ा, सेम, करेला, नेनुआ, कदुआ, गोभी, टमाटर, फसल पानी में डूब गई है।

ढाब क्षेत्र में हरे चारे की फसलें चढ़ी बाढ़ की भेंट...बाढ़ से चिरईगांव ब्लाक के ढाब क्षेत्र में पशुपालकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। यहां बोई गई हरे चारे की फसलें ज्वार बाजरा बाढ़ की भेंट चढ़ गई। ऐसे में अब पशुपालकों के समक्ष पशुओं के चारे का संकट खड़ा हो गया है। छितौना,जाल्हूपुर अम्बा-मोकलपुर घाट के पास लगभग सौ एकड़ धान व बाजरे की फसलें जलमग्न होने से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें हैं । छितौना गांव के जयगोविंद यादव अम्बा के पंकज सिंह,जाल्हूपुर के सूबेदार ने बताया के सोता किनारे बोई गई लगभग सौ एकड़ धान व हरे चारे की फसलें बाढ़ में डूब गई। गिरावट के बाद भी किसानों को आशंका है कि यदि पुनः पानी बढ़ा तो खरीफ फसलों का भारी नुकसान होना तय है।

आसमान से बरसी आफतः औरैया में मूसलाधार बारिश से गिरे मकान

औरैया औरैया जिले में मंगलवार देर शाम से शुरू हुई बारिश मंगलवार की सुबह तक लगातार देखने को मिली। जनपद भर में 15 कच्चे मकान गिरे। अयाना और फफूंद क्षेत्र के गांवों में गिरे मकानों के मलबे में दबकर किसान समेत दो लोगों की मौत हो गई। मैनपुरी के घिरोर थाना क्षेत्र के नायक कुंड निवासी विजय (20) सात साल से अपने मामा नवाब सिंह के घर पर रह रहा था। मंगलवार रात को वह घर में सो रहा था।

बुधवार तड़के तीन बजे अचानक मकान की दीवार गिरने से विजय व पास में बंधी बकरी दब गई। दीवार गिरने की आवाज सुन लोगों ने उसके मलबे से बाहर निकाल पाते तब तक उसकी मौत हो गई। नवाब सिंह ने बताया कि बहन गुड्डी देवी व बहनोई मुकेश की सात साल पहले मौत हो गई थी। तब से विजय यहीं रहने लगा था। यहां रहकर वह बकरी पालन का काम करता था। घटना की जानकारी पर तहसीलदार अजीतमल जीतेश वर्मा, थानाध्यक्ष विनोद कुमार मौके पर पहुंचे। तहसीलदार जीतेश वर्मा ने बताया कि मृतक की रिपोर्ट मंगवाई गई है। मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता दिलाई जाएगी। फफूंद क्षेत्र के गांव अटा निवासी किसान श्रीप्रकाश मिश्रा उर्फ कल्लू (58) मंगलवार रात हनुमान मंदिर पर हुए कार्यक्रम से लौटकर घर के बाहर पड़े टीन शेड के नीचे आकर सो गए। बुधवार सुबह लगभग छह बजे तेज बारिश के दौरान कच्ची दीवार टीन शेड समेत गिर गई।

बिना नबी से मोहब्बत किए हुए मुसलमान का इमान मुकम्मल नहीं हो सकता : मौलाना सैयद अजहर मदनी

बिजनौर। बिना नबी से मोहब्बत किए हुए मुसलमान का इमान मुकम्मल नहीं हो सकता।

यह बयान 12 रबी उल अव्वल के मौके पर सोमवार को स्थानीय मोहल्ला चाहशीरीं जामा मस्जिद में मुनअकिद किए गए सीरत उल नबी के जलसे में देवबंद से तशरीफ लाए मौलाना सैयद अजहर मदनी ने खिताब करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि रसूल अल्लाह से मोहब्बत करना ही हमारा ईमान है। किसी भी मुसलमान का ईमान तब तक मुकम्मल नहीं हो सकता जब तक की उसके दिल में नबी ए पाक सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की मोहब्बत ना हो सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम से मोहब्बत रखने वाला ही मुसलमान है । उन्होंने कहा कि आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की सुन्नतों पर चलकर जिंदगी को कामयाब बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हम सिर्फ तीन बातों पर अगर अमल करें तो किसी भी मुसलमान के लिए नबी से मोहब्बत करना आसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में रहकर झूठ ना

बोले , अमानतों को ख्याल रखें जो शख्स किसी की अमानत का ख्याल रखकर उसकी अमानत वापस लौटाता है अल्लाह उसे खुश होता है। यह तीसरा अमल यह है कि हर मुसलमान को अपने पड़ोसी चाहे वह गरीब हो,अमीर हो या फिर मुस्लिम हो या गैर मुस्लिम उसके साथ हुस्ने सलूक रखे। इजलास की शुरूआत कारी अब्दुल बासित की कुराने तिलावत से हुई। इजला में नाते पाक मौलाना साकिब उजैर ने पेश की। इजलास को मौलाना महफूजुर रहमान और हजरत मौलाना मुजम्मिल ने भी खिताब करते हुए आप सल्लल्लाहो वाले वसल्लम की सीरत पर रोशनी डाली और सभी से नबी ए पाक सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की सुन्नत को जिंदगी में उतरने का आह्वान किया। कार्यक्रम की सदारत कारी अब्दुल हन्नान तथा निजामत मुफ्ती वकार ने की । इजलास का आयोजन इमाम जामा मस्जिद हकीम कारी वरीस द्वारा किया गया। इजलास में कारी अब्दुल हलीम,कारी रजब अली, जामा मस्जिद के मुतवल्ली व पूर्व चैयरमेन जावेद आफताब एडवोकेट, जीशान अहमद, मास्टर सआदत हुसैन भी मौजूद रहे।

बदायूं में बाढ़: रातभर खेतों में फंसे रहे चार गांव के 60 लोग, पीएसी की टीम ने किया रेस्क्यू

बदायूं । बदायूं जिले में खेत की रखवाली करने के लिए गए चार गांव के 60 लोग सोमवार की रात एकाएक बाढ़ आने से चारों तरफ से पानी से घिर गए। बाढ़ में फंसे करीमगंज के अंकित ने एसडीएम दातागंज को फोन कर रात में ही जानकारी दी। एसडीएम फ्लड पीएसी और पुलिस के साथ ग्रामीणों की तलाश में रात में निकल गए। टीम ने मंगलवार सुबह 11 बजे तक रेस्क्यू करके सभी लोगों को सकुशल निकाला।

सोमवार शाम को दातागंज क्षत्र के गांव करीमगंज, लहडौरा, लहढेरी, शेरा गांव के ग्रामीण अपने-अपने खेतों की रखवाली करने के लिए गए थे। रात में खेतों में छुट्टा पशु घुसने का डर रहता है। बताते हैं कि रात करीब नौ बजे एकाएक रामगंगा में पानी बढ़ने लगा। देखते-देखते पानी खेतों में आ गया। हजारों बीघा खेत चारों तरफ से डूब गए।

ऊंचे टीले पर ली थी शरण...फसल की रखवाली कर

रहे ग्रामीण भी खेतों में फंस गए। खेतों में फंसे किसानों ने पानी आता देख दौड़कर कुछ दूरी पर स्थित टीले (ऊंची जगह) पर शरण ली। इसके बाद गांव में फोन करने की कोशिश करते रहे। कटरी क्षेत्र में नेटवर्क की समस्या की वजह से किसी का कॉल नहीं लगा। बमुश्किल करीमगंज के अंकित का कॉल एसडीएम दातागंज को लग गया।

जानकारी के बाद एसडीएम दातागंज ने पुलिस को भी इसकी जानकारी दी। एसडीएम पुलिस के साथ करीमगंज गांव पहुंचे। इसी बीच फ्लड पीएसी को बुला लिया। रात करीब दो बजे से चला रेस्क्यू अभियान मंगलवार सुबह 11 बजे तक चलता रहा। टीम ने रेस्क्यू कर-के 60 किसानों को बाहर निकाल लिया। इसके बाद किसानों ने राहत की सांस ली।

रात तीन बजे पहुंची फ्लड पीएसी...एसडीएम की जानकारी मिलने के बाद में बदायूं से फ्लड पीएससी रात करीब तीन बजे दातागंज के करीमगंज गांव पहुंचे। इसके बाद में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। पहले फ्लड पीएसी ने अपनी नाव करीमगंज गांव के पास रामगंगा में उतरी पर वह ज्यादा दूर तक नहीं चल सकी। इसके बाद में नाव को पास के गांव सबलपुर ले गए। वहां से फिर से रामगंगा में नाव चलाई गई। इससे लोगों को तलाश किया गया।

खाना देने पहुंचे बच्चे भी फंसे...शाम को खाना देने के लिए कुछ बच्चे खेत पर गए थे। खाना देने के बाद में जब वह निकलने को हुए तो तेजी के साथ में पानी बढ़ने लगा। जिस पर परिजनों ने उनको अपने पास ही रोक लिया। इससे वह भी वहां पर फंस गए।

करीमगंज के ग्रामीण का फोन आया था। उसने बताया कि खेत में चारों तरफ पानी तेजी से बह रहा है। उसके साथ में कई लोग हैं। रात में पीएसी को बुलाया गया। उनकी मदद से ग्रामीणों की तलाश कर सुरक्षित निकाला। करीमगंज के साथ-साथ लहरौडा, शेरा और लहढेरी गांव के भी लोग फंसे हुए थे। कुल 60 लोग थे। सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया है। - धर्मेंद्र कुमार सिंह, एसडीएम दातागंज

अमीन सर्वे के मांग की अर्जी खारिज अदालत बोली- पहले ही हो चुका सर्वे

वाराणसी। भगवान अविमुक्तेश्वर विराजमान के वाद में ज्ञानवापी स्थित आराजी नंबर 9130 के अमीन सर्वे की अर्जी खारिज कर दी गई। सिविल जज (सीनियर डिवीजन) युगल शंभू की अदालत ने कहा कि आवेदन में अमीन से सर्वे का कारण नहीं बताया गया है। मामले की अगली सुनवाई अब 14 अक्तूबर को होगी।

वाद विष्णु गुप्त और अजीत सिंह की तरफ से दाखिल किया गया था। वादी पक्ष की ओर से अदालत में अर्जी देकर मांग की गई थी कि ज्ञानवापी स्थित आराजी नंबर 9130 का अमीन सर्वे कराया जाए। वादी पक्ष के खर्चे पर ही अमीन से फोटोग्राफी भी कराई जाए।

इस पर अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी ने आपत्ति दाखिल की और आवेदन को भ्रामक बताते हुए खारिज करने का अनुरोध किया। अदालत ने दोनों पक्षों की दलील सुनीं और सर्वे की मांग वाली अर्जी खारिज कर दी।

अदालत ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि वादी पक्ष साक्ष्य एकत्र करना चाहता है, जो विधिक रूप से पोषणीय नहीं है। आराजी नंबर 9130 के संबंध में राखी सिंह बनाम स्टेट ऑफ यूपी के मुकदमे में अधिवक्ता आयुक्त का सर्वे हो चुका है। वादी पक्ष अगर चाहे तो उस सर्वे की सत्यापित प्रतिलिपि लेकर अपने वाद में प्रस्तुत कर सकता है।

घर में घुसा भेड़िया: हमलाकर पिता को किया जख्मी, बेटे का हाथ चबाया

बरेली। बरेली जिले में वन्यजीवों के हमले का सिलसिला जारी है। सोमवार रात नवाबगंज तहसील क्षेत्र के गांव भानपुर में भेड़िये ने हमला कर किसान को जख्मी कर दिया। पिता को बचाने आए बेटे का हाथ चबा गया। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम रातभर कॉम्बिंग करती रही, लेकिन भेड़िये का कोई पता नहीं चला। खेतों में पगचिन्हों को देखकर वन विभाग ने सियार होने की बात कही है। एडवाइजरी भी जारी की गई है।

पुष्पेंद्र ने बताया कि सोमवार रात 10 बजे उनके पिता प्रेम सिंह (55) घर के बाहर से लघुशंका करके घर में घुसने जा रहे थे। तभी भेड़िये ने उन पर हमला कर दिया। वह बचने के लिए घर के अंदर भागे तो भेड़िया भी घर में घुस आया और उन्हें आंगन में गिरा दिया। चेहरे और शरीर के कई अन्य हिस्सों पर दांतों

से काटकर उन्हें घायल कर दिया।

भेड़िये का नहीं चला पता...पुष्पेंद्र, पिता को बचाने पहुंचे तो भेड़िया उनका हाथ भी चबा गया। शोर सुनकर मोहल्ले के कई लोग लाठी-डंडे लेकर आ गए। उन्होंने बमुश्किल भेड़िये को खदेड़ा। तब जाकर प्रेम सिंह की जान बच सकी। परिजन किसान को एंबुलेंस से नवाबगंज ले गए। वहां से उनको जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सूचना पर पहुंचे फॉरेस्टर माधो सिंह व अन्य वनकर्मी रातभर भेड़िये की तलाश करते रहे, पर उसका कुछ पता नहीं चला। मंगलवार दोपहर गांव पहुंचे वन विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों को रात में अकेले घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है। उप प्रभागीय वन अधिकारी कमल कुमार ने बताया कि पैरों के निशान के अनुसार सियार प्रतीत हो रहा है। वहीं ग्रामीण भेड़िया होने का दावा कर रहे हैं।

लगातार हो रहे वन्यजीवों के हमलों के देखते हुए वन विभाग ने एडवाइजरी जारी की है।

बिहार एनडीए में सिर फुटौव्वल!

जेडीयू 130 तो एलजेपीआर का 38 पर दावा, कुशवाहा-मांझी अलग तरेर रहे आंखें

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। 'स्लोली स्लोली विन द रेस' बिहार की राजनीति में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कुछ इस अंदाज में एनडीए गठबंधन पर भारी पड़ने की नीति पर चल रहे हैं। अंदाजा यह है कि लोकसभा और राज्यसभा में भाजपा की सुनी तो अब बिहार विधान सभा में जदयू की सुननी पड़ेगी। जदयू जनप्रतिनिधियों और संगठन के पदाधिकारियों की बैठक में मिशन 225 के पीछे जदयू का अपना मिशन भी छुपा है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आगामी विधान सभा चुनाव 2025 जदयू के लिए करो और मरो जैसा है। यह चुनाव दरअसल, राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का लक्ष्य आधारित चुनाव है। इस लक्ष्य के अनुकूल नीतीश कुमार राज्य में न केवल नंबर वन पार्टी बनना चाहते हैं, बल्कि 2010 में मिली 115 सीट के लिमिट को भी पार करना चाहते हैं। जदयू के रणनीतिकारों के अनुसार 2010 में हासिल सीटों से पार करने के लिए कम से कम 120 सीट पर लड़ना जरूरी है। वैसे सूत्रों की माने तो जदयू 130 सीटों पर लड़ने की रणनीति पर काम कर रही है। वह भी इस समझ के साथ कि जिस तरह से भाजपा ने लोकसभा चुनाव में जदयू से एक सीट ज्यादा लेकर बड़े भाई की भूमिका में थी तो राज्य सत्ता के संघर्ष में जदयू नंबर वन की भूमिका यानी बड़े भाई की भूमिका में रहेगी। वैसे भी लोकसभा और राज्यसभा चुनाव में जदयू ने वही किया जो भाजपा नेतृत्व ने चाहा। अब भाजपा से भी यही उम्मीद जदयू भी कर रही है।

जदयू के रणनीतिकारों ने मिशन 130 के लिए ग्राउंड वर्क पूरा किया है। जदयू के रणनीतिकारों ने 130 सीटों पर लड़ने का पूरा आधार बनाया है। उनका पहला तर्क यह है कि लोकसभा चुनाव 2024 में उनका स्ट्राइक रेट भाजपा से ज्यादा है। भाजपा 17 लोकसभा पर चुनाव लड़ी और 12 पर जीत दर्ज की। जदयू 16 सीटों पर लड़कर 12 सीटों पर लड़कर 12 सीटों पर जीती। इस लोकसभा चुनाव में 243 विधान सभा सीटों का आंकलन किया गया तो जदयू 74 विधान सभा सीटों पर आगे थी और भाजपा 68 सीटों पर। इस लिहाज से भी जदयू की दावेदारी 2020 के विधान सभा चुनाव की तरह आधी आधी सीटों पर चुनाव लड़ने की नहीं होने जा रही है। जदयू एनडीए के अन्य गठबंधन दलों को लेकर भी अपना दृष्टिकोण भाजपा के रणनीतिकारों के पास स्पष्ट कर रखा है। जदयू का कहना है कि मेरा गठबंधन भाजपा से है वैसे ही एनडीए में शामिल अन्य दलों का भी गठबंधन भाजपा से है। सो, उनके लिए भाजपा को सोचना है।

नीतीश कुमार के मिशन 130 की चर्चा के साथ एनडीए में शामिल दल अभी से ही सचेत हो गए हैं। लोजपा (आर) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने तो अलग मोर्चा खोल रखा है। लोकसभा में 100 प्रतिशत स्ट्राइक रेट को आधार मानते चिराग पासवान ने पहले ही हर जिले में एक सीट पर चुनाव लड़ने की बात सार्वजनिक कर दी है।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने भी अपना इरादा प्रकट कर दिया है। उपेंद्र कुशवाहा ने तो यह सार्वजनिक मंच से कहा कि विधान सभा में लोकसभा चुनाव का गणित नहीं चलेगा। हम के संस्थापक अध्यक्ष जीतन राम मांझी भी लोकसभा चुनाव में 100 फीसदी स्ट्राइक वाले नेता हैं। हालांकि उनका कोई टारगेट अभी नहीं आया है। अभी वह उप चुनाव में इमामगंज से अपने प्रत्याशी के लिए जीत का गणित गढ़ रहे हैं।

अमित शाह ने कुंद किया तेजस्वी का सबसे बड़ा हथियार

2025 के संग्राम में कौन सा पैंतरा लगाएंगे लालू के लाल?

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। जातीय जनगणना को चुनावी मुद्दा बना कर घूम रहे नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को गृहमंत्री अमित शाह ने करारा झटका दिया है। चुनौती के अंदाज में भाजपा और जदयू पर हमलावर रहे तेजस्वी यादव लगातार जिस जातीय जनगणना पर स्पष्टीकरण मांग रहे थे उसका जवाब बनकर अमित शाह ने भी बिहार की राजनीतिक बिसात पर अपनी चाल चलकर मुद्दा हथियाने के खेल को आगे बढ़ा दिया। जानते हैं अमित शाह ने ऐसा क्या कह दिया, जिससे राजद का खेल बिगड़ता दिखने लगा...।

आगामी विधान सभा चुनावों को ध्यान में रख कर भाजपा अब कोई चूक नहीं करना चाह रही है। जिस ढंग से तेजस्वी यादव जातीय जनगणना का श्रेय लेकर एनडीए के तमाम घटक दलों खासकर भाजपा पर आक्रमक रहे उसका जवाब देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने साफ कहा कि पूरे भारत में जल्द ही जनगणना होने जा रही है। अब यह इंतजार बस खत्म ही होने वाला है। जातिगत जनगणना को लेकर शाह ने कहा कि जब भी हम जनगणना का ऐलान करेंगे, तब सभी जानकारियां सार्वजनिक कर दी जाएंगी। दरअसल, इससे पहले साल 2021 में जनगणना होना था, लेकिन कोरोना वायरस महामारी के चलते प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी थी। जनगणना का पहला चरण 1 अप्रैल 2020 को शुरू किया जाना था, लेकिन इसे कोरोना के कारण टालना पड़ा।

जनगणना की तैयारयां शुरू हो गई हैं और जल्द ही इसे लेकर ऐलान किया जाएगा। 'जनगणना कराने पर काम पहले ही जारी है और इस संबंध में जल्द ही फैसला लिया जा सकता है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार इसलिए भी जातीय जनगणना करना चाहती है कि अभी भी 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर नीतियां बन रही है और सब्सिडी आवंटित हो रही हैं। चर्चा तो यह है कि यह पहली डिजिटल जनगणना होगी, जिसके जरिए नागरिकों को स्वयं गणना करने का अवसर मिलेगा। इसके लिए जनगणना प्राधिकरण ने एक स्व-गणना पोर्टल तैयार किया है, जिसे अभी लॉन्च नहीं किया गया है। स्व-गणना के दौरान आधार या मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से जुटाया जाएगा।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जातीय जनगणना का श्रेय लेते हुए कहा कि सामाजिक न्याय के मसीहा राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने सबसे पहले जातीय जनगणना को लेकर आवाज उठाई थी।। जब वह जनता दल के अध्यक्ष थे तभी से जाति आधारित गणना हम लोगों की मांग रही है। उसी का परिणाम रहा कि जनता दल की संयुक्त मोर्चा सरकार ने 1996-97 में 2001 की जनगणना में जातिगत गणना कराने का निर्णय भी लिया था। परंतु 1999 में भाजपा के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने पर उन्होंने वह निर्णय पलट दिया। यह वही सरकार थी जब राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तब अटल बिहारी वाजपेयी कैबिनेट के सदस्य थे। और अब तो जबसे नेता प्रतिपक्ष बिहार विधान सभा के चुनावी मूड में आ गए हैं तब से विशेष तौर पर पीएम नरेंद्र मोदी और राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जनगणना को लेकर आक्रामक रहे।

एक जनसभा में तेजस्वी यादव ने कहा कि मोदी जी, देख लेना हम आपको जातिगत जनगणना कराने पर मजबूर कर देंगे। जातीय जनगणना को लेकर तेजस्वी यादव राज्य के सीएम नीतीश कुमार पर हमलावर रहते हुए तेजस्वी ने कहा कि भाजपा के प्रभाव में आकर जातीय जनगणना पर अब चुप हैं। हालांकि नीतीश कुमार पर लगे आरोप पर जदयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि नीतीश जी ने तो जातीय जनगणना करा डाला। आपने हर सामर्थ्य है तो गैर भाजपा शासित राज्यों में तो जातीय गणना करा कर दिखाएं। तेजस्वी बताएं कि कर्नाटक ने क्यों जातीय सर्वे को छुपा कर बैठी है? सामर्थ्य है तो दिल्ली और पंजाब में तो जातीय जनगणना करा कर दिखाएं।

दरभंगा : संजय झा बोले,अरविंद केजरीवाल को जमानत मिली है,शराब घोटाले में बरी नहीं हुए

संवाददाता।

दरभंगा। निजी कार्यक्रम में शामिल होने दरभंगा पहुंचे जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी को बहुमत है वह जिनको चाहे मुख्यमंत्री बना सकते हैं। लेकिन मेरे हिसाब से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को तो पहले ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए था, जब उनपर नई शराब नीति में घोटाले आरोप लगे थे।

पुलिस ने कई बार समन भी जारी किया था, वावजूद इसके उन्होंने इस्तीफा देना मुनासिब नहीं(समझा था। अब दिल्ली में वही राम और भरत जैसी कहानी होगी जो वह कह रहे सत्ता उसी हिसाब से चलेगी। मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा अरविंद केजरीवाल को फायदा होने के सवाल पर संजय झा ने कहा की उन्हें नहीं लगता है की दिल्ली में ऐसी कोई परिस्थिति बनेगी। उन्होंने कहा कि अभी तो अदालत से जमानत मिली है। इस मामले में फैसला आना अभी बाकी है। वह कोर्ट ने कई शर्तो के आधार पर उन्हें जमानत दी है।

उन्होंने बिहार के चारा घोटाले का उदाहरण देते हुए कहा कि बिहार में चारा घोटाला के समय भी यही हुआ। उनके आरोपी को पहले जमानत मिली थी बाद में अदालत ने उन्हें सजा सुनाया और वह बाद में दोषी साबित हुए। ऐसे ही अभी केजरीवाल को कोर्ट से जमानत मिली है अभी केस थोड़े न फाइनल हुआ है। अभी इस मामले ट्रायल होना बाकी है। आगे क्या फैसला अदालत से आता है यह देखना होगा। अब तो चार महीने बाद अगले 2025 के जनवरी में दिल्ली में चुनाव होने वाले हैं। चुनाव में आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को अपनी हैसियत पता चल जाएगी।

मुजफ्फरपुर: सरकारी दफ्तर से मिलीं शराब की 135 बोतलें, 7 लोग गिरफ्तार

संवाददाता।

मुजफ्फरपुर। बिहार में सालों से शराबबंदी है, लेकिन फिर भी लोग धड़ल्ले से पी रहे हैं। मुजफ्फरपुर जिले के पारू इलाके में एक सरकारी दफ्तर के परिसर से शराब की बोतलें बरामद की गईं। बिहार सरकार के मद्य निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग के अधिकारियों ने शराब की 135 बोतलें बरामद की।

अधिकारियों ने इस मामले में चिंतामनपुर पंचायत की महिला मुखिया के पति मोती राम और छह अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया। मद्य, निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग के निरीक्षक शिवेंद्र कुमार ने बताया, "गुप्त सूचना के आधार पर अधिकारियों ने मुजफ्फरपुर के पारू क्षेत्र के फंदा गांव में एक सरकारी भवन के परिसर में सोमवार रात्रि छापेमारी कर विदेशी शराब की 135 बोतलें बरामद कीं। उन्होंने बताया कि बोतलों को बोरियों में बंद करके परिसर के एक कोने में रखा गया था। सभी 135 बोतलें जब्त कर लिए गए हैं।

निरीक्षक ने बताया यह परिसर पंचायत विभाग से संबंधित गतिविधियों के लिए था और महिला मुखिया भवन की प्रभारी हैं। बाद में जांच के दौरान मुखिया के पति और गांव के छह अन्य लोगों को राज्य निषेध अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज करने के बाद गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है। बता दें कि बिहार में अप्रैल 2016 में निषेध कानून लागू किया गया था, जिसमें शराब के निर्माण, बिक्री या सेवन पर प्रतिबंध लगाया गया था।

बन्दरा पीएचसी में डिजिटल एक्स-रे जांच की शुरूआत

संवाददाता।

बन्दरा। बन्दरा पीएचसी में बुधवार को डिजिटल एक्स-रे जांच सुविधा की शुरूआत की गई।बन्दरा पीएचसी के क्रियाशील होने के बाद पहली बार डिजिटल एक्स-रे जांच सुविधा उपलब्ध कराए गए हैं। शुरूआत प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर नौशाद अहमद के द्वारा फीता काटकर किया गया। चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि प्राइवेट कार्य एजेंसी के द्वारा यहां मशीन लगाए गए हैं। जिसकी आज शुरूआत की गई है। पहले दिन दो मरीजों की जांच की गई। उन्होंने बताया कि निशुल्क डिजिटल एक्स-रे जांच की सुविधा यहां मरीजों को मिल सकेगी। पीएचसी के निकले कक्ष में व्यवस्था शुरू की गई है।

- **प्रभारी चिकित्सा अधिकारी ने किया उद्घाटन**
- **पहले दिन 2 मरीजों की हुई जांच**

मनरेगा में घपले की अनदेखी: सूचना बोर्ड की जगह दीवारों पर अधूरी जानकारी

संवाददाता।

समस्तीपुर/पूसा। यह तस्वीर समस्तीपुर जिले के पूसा प्रखंड के देवपार पंचायत की है, जो मनरेगा योजना की खामियों की पोल खोलती है। मनरेगा में सूचना बोर्ड लगाने के लिए अलग से बजट दिया जाता है, लेकिन अधिकांश पंचायतों में इसे नजरअंदाज कर दिया जाता है। देवपार पंचायत में कॉलेज की चहारदीवारी पर अधूरी जानकारी पेंट करा दी गई, जिसमें न कार्य प्रारंभ की तिथि है और न ही पूर्णता की।

इस प्रकार के कई मामले सामने आ रहे हैं, जहां सूचना बोर्ड की जगह मंदिर की दीवार, पुलिया के नीचे या अन्य स्थानों पर अधूरी जानकारी छुपाकर लिखवा दी जाती है। यह प्रशासन की उदासीनता और मनरेगा योजना में हो रही अनियमितताओं की स्पष्ट तस्वीर पेश करती है।

सहरसा: चलती कार में 14 साल की लड़की से गैंगरेप, तेज म्यूजिक में दब गई चीखें

संवाददाता।

सहरसा। बिहार में सहरसा जिले के सदर इलाके में चलती कार में तीन लोगों ने एक नाबालिग लड़की के साथ कथित तौर पर गैंगरेप किया। सहरसा के पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा मंगलवार को जारी एक बयान के अनुसार 16 सितंबर को सदर थानाध्यक्ष को एक नाबालिग लड़की के साथ सामुहिक दुष्कर्म होने की सूचना प्राप्त हुई। बयान के मुताबिक पीड़िता का तुरंत मेडिकल टेस्ट कराया गया। हालांकि किसी भी प्रकार ह्यबाहरी जख्मह्ल नजर नहीं आया।

पीड़िता की उम्र 14 साल के आसपास है। शिकायत दर्ज कराते हुए तीन लड़कों पर उसने रेप का आरोप लगाया है। पीड़ित लड़की सदर थाना क्षेत्र की रहने वाली है। उसने बताया कि 14 सितंबर की शाम में वह बकरी चराने के बाद घर आ रही थी। इसी दौरान रास्ते में तीन लड़कों ने बुलाया। मैं गई तो वे लोग कार में बैठने के लिए कहने लगे। जब नहीं बैठ रही थी तो जबरदस्ती बैठाकर बरियाही बाजार के आसपास ले गए और 2 लड़कों ने गाड़ी में ही गलत काम किया।दोनों लड़के गाड़ी का शीशा बंद कर गाना बजाने लगे ताकि आवाज बाहर नहीं जाए। उन दोनों के अलावा एक लड़का गाड़ी चला रहा था। दो लड़कों में एक का नाम बिट्टू और दूसरे का नाम अंकुश है।

बयान के अनुसार इस घटना के आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सदर अनुमंडल पुलिस अधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। इस दल ने एक आरोपी और सदर थाना क्षेत्र निवासी अजित कुमार को गिरफ्तार कर लिया है तथा अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। घटना में प्रयुक्त गाड़ी (स्कॉर्पियो) को बरामद कर लिया गया है। घटना स्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया है। सहरसा के पुलिस अधीक्षक हिमांशु ने कहा, जांचकर्ता सभी एंगल से मामले की जांच कर रहे हैं, जिसमें यह भी शामिल है कि उक्त अपराध बंदूक का भय दिखाकर किया गया था या नहीं। उन्होंने कहा कि जांच जारी है। सहरसा पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बयान में कहा गया है कि पीड़िता एवं आरोपी एक ही मोहल्ले के रहने वाले हैं।

पार्षद की गुंडागर्दी, सिर पर तान दिया पिस्टल पैर पकड़कर गिड़गिड़ाने पर छोड़ी जान

संवाददाता।

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर में वार्ड पार्षद की गुंडागर्दी का वीडियो सामने आया है। पार्षद पर दुकानदार के साथ मारपीट का आरोप लगाया है। पार्षद ने दुकानदार के सिर पर पिस्टल तान दिया। पैर पकड़कर गिरगिड़ाने पर उसकी जान छोड़ी। यह पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। मामला सदर थाना इलाके का है।

जानकारी के अनुसार, मुजफ्फरपुर के गोबरसही स्थित एस के ट्रेडर्स हार्डवेयर दुकानदार की दुकान में घुसकर पार्षद ने जान से मारने की धमकी दिया। नगर निगम वार्ड 10 के पार्षद अभिमन्यु चौहान दुकान में घुसकर दुकानदार को हथियार सटाकर मारपीट किया। गाली गलौज करते हुए धमकाया। दुकानदार ने पैर पकड़कर माफी मांगा तब छोड़ा। मौके पर अफरा तफरी स्थिति बन गई। दुकान में लगे सीसीटीवी में पूरी घटना कैद हो गई।

वीडियो में दिख रहा कि एनएच किनारे दुकान में अपने समर्थक के साथ वार्ड पार्षद दुकान में तमतमाते हुए घुसते ही गाली देते हुए मारपीट करने लगता है। फिर हथियार निकालकर सर में सटाकर मार देने की धमकी देता है। युवक पैर पकड़कर माफी मांगता है। गिरगिड़ाता है उसके बाद भी आग बबूला वार्ड पार्षद गंदी गंदी गाली देते हुए मारपीट करते हुए धमकाता हुए दुकान से निकल जाता है। पीड़ित के भाई जितेंद्र कुमार ने सदर थाना में एफआईआर के लिए आवेदन दिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच कर रही है। बता दें कि समाचार लिखे जाने तक न तो एफआईआर लिखी गई थी और न ही आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई की थी।

पीड़ित परिवार का कहना है कि पुलिस आरोपी पार्षद को गिरफ्तार करे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है उसके बाद दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को नहीं छोड़ा जाएगा।

हत्था पुलिस का एक्शन,किराना एवं चाय दुकान की आड़ में शराब का धंधा चलाने वाले कारोबारी गिरफ्तार

संवाददाता।

मुजफ्फरपुर/बन्दरा। हत्था थाने की पुलिस ने करमैठा में छापेमारी कर किराना दुकान एवं चाय के दुकान की आड़ में अंग्रेजी शराब का धंधा चलाने वाले कारोबारी को गिरफ्तार किया है। हत्था थाना के अध्यक्ष शशि रंजन ने बुधवार की शाम बताया कि 8पीएम गोल्ड 180 एमएल के 45 पीस एवं हायवर्डस 5000 बियर की 500एमएल के 15 पीस के साथ करमैठा में डब्लू कुमार चौधरी उर्फ राकेश कुमार चौधरी एवं उनकी पत्नी निशा कुमारी तथा मुनिया देवी एवं उनका पुत्र सोनू कुमार को गिरफ्तार किया गया।

जिसे न्यायिक हीरासत के बाद जेल भेज दिया गया। थाना अध्यक्ष ने बताया कि डब्लू चौधरी करमैठा में किराना दुकान तथा मुनिया देवी चाय के दुकान की आड़ में अंग्रेजी शराब खरीद-बिक्री का धंधा कर रहा था।गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई।वहीं एक अन्य मामले में संतोष चौधरी(महमदपुर)को भी नशे की हालात में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

- **करमैठा में की गई कार्यवाई**
- **कारोबारी दंपत्ति शराब सहित गिरफ्तार**
- **नशेड़ी भी पकड़ाया**
- **भेजा गया जेल**

टैंक में उतरी पुलिस तो खुला 'पुष्पा' वाला राज!

-अरुणाचल से बिहार आया बंगाल नंबर का ऑयल टैंकर

संवाददाता।

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में उत्पाद विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। मुशहरी थाना क्षेत्र में भारत पेट्रोलियम लिखा एक ऑयल टैंकर को पकड़ा है, फिल्म 'पुष्पा' के स्टाइल में शराब की तस्करी कर रहा था। टैंकर के अंदर तहखाने बनाए गए थे। इनमें शराब छिपाई गई थी। जैसे ही मुजफ्फरपुर पुलिस इस ऑयल टैंकर के अंदर उतरी तो 'पुष्पा' का राज खुल गया। पुलिस टीम ने ऑयल टैंकर से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है। यह शराब अरुणाचल प्रदेश से तस्करी करके लाई गई थी। इसकी कीमत 30 लाख रुपये से ज्यादा बताई जा रही है। घटना मुशहरी थानाक्षेत्र के रघुनाथपुर गांव की है। उत्पाद विभाग को सूचना मिली थी कि एक ऑयल टैंकर में शराब छिपाकर लाई जा रही है। सूचना के आधार पर विभाग की टीम ने रघुनाथपुर गांव के पास छापेमारी की। टीम को देखकर शराब तस्कर भागने में सफल रहे। जांच करने पर पता चला कि ऑयल टैंकर में पांच अलग-अलग तहखाने बनाए गए थे, जिनमें शराब की 250 से ज्यादा पेटी छिपाकर रखी गई थीं। शराब को अनलोड करने के लिए तीन गाड़ियां - एक पिकअप, एक टेंपो और एक बोलरो भी मौके पर मौजूद थीं। उत्पाद विभाग ने टैंकर समेत तीनों गाड़ियों को जब्त कर लिया है। वहीं शराब तस्कर मौके से फरार होने में कामयाब रहे विभाग भागे हुए तस्करों की पहचान करने की कोशिश कर रहा है। बिहार के शराब माफियाओं का प्लान यहां से शराब को अलग-अलग जगह सप्लाई करने का था।

जिला उत्पाद विभाग के निरीक्षक शिवेंद्र कुमार ने बताया, 'गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई है। बंगाल नंबर का एक ऑयल टैंकर जब्त किया गया है। भारी मात्रा में शराब को इसके अंदर बने हुए पांच अलग-अलग चैंबर में छिपाया गया था। शराब धंधेबाजों को चिह्नित कर कार्रवाई की जा रही है। मौके से शराब को अनलोड करने के लिए मंगवाई गए तीन वाहन पिकअप गाड़ी, मालवाहक टेंपो और बोलरो को जब्त किया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।'

पटना-टाटा और गया-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस चालू

संवाददाता।

पटना। बिहार की राजधानी पटना से झारखंड के टाटानगर (जमशेदपुर) के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का नियमित परिचालन 18 सितंबर (बुधवार) से शुरू हो गया। गया से हावड़ा के लिए भी वंदे भारत ट्रेन आज से नियमित चलने लगी। इन ट्रेनों का उद्घाटन 15 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल तरीके से किया था। पटना से टाटानगर ट्रेन का परिचालन मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में 6 दिन होगा। वहीं, गया हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस को भी गुरुवार को छोड़कर हफ्ते में 6 दिन चलाया जाएगा।

पटना से टाटानगर के बीच वंदे भारत ट्रेन बुधवार से रविवार तक सप्ताह में पांच दिन गया, कोडरमा, पारसनाथ, गोमो, बोकारो स्टील सिटी, मुरी, चांडिल जंक्शन होकर चलाई जाएगी। 450 किलोमीटर की दूरी इस ट्रेन के जरिए महज 7 घंटे 15 मिनट में तय की जाएगी। वहीं, हर सोमवार को यह गाड़ी गया से सोन नगर, गढ़वा रोड, डाल्टनगंज, बरकाकाना, मुरी और चांडिल होकर जाएगी। पटना से हर बुधवार से शनिवार तक वंदे भारत ट्रेन दोपहर 2.15 बजे खुलेगी और रात करीब 9.30 बजे टाटानगर पहुंचेगी। हर रविवार को पटना जंक्शन से इसके खुलने का समय शाम 4.45 बजे है और रात 11.55 बजे टाटा पहुंचेगी। सोमवार को पटना से यह ट्रेन दोपहर 1.20 बजे ही रवाना हो जाएगी और रात करीब 11.55 बजे टाटानगर पहुंचेगी। वंदे भारत ट्रेन में पटना से टाटा नगर तक का न्यूनतम किराया एसी चेयर कार में 1505 रुपये प्रति सवारी है। वहीं, एग्जीक्यूटिव क्लास में यात्रा करने के लिए 2570 रुपये खर्च करने होंगे। गया से हावड़ा के बीच वंदे भारत ट्रेन कोडरमा, पारसनाथ, धनबाद, आसनसोल, दुगार्पुर होकर जाएगी। गया से यह ट्रेन गुरुवार को छोड़कर अन्य सभी दिन दोपहर 3.15 बजे खुलेगी और रात 9.05 बजे हावड़ा पहुंचेगी। करीब 458 किलोमीटर की दूरी महज 5.50 मिनट में तय की जाएगी। वहीं, हावड़ा से यह ट्रेन सुबह में 6.50 में रवाना होकर दोपहर में 12.30 बजे गया पहुंचेगी। वंदे भारत ट्रेन में गया से हावड़ा का न्यूनतम किराया एसी चेयर कार में 1300 रुपये है। वहीं एग्जीक्यूटिव क्लास में यात्रा करने के लिए 2365 रुपये खर्च करने होंगे। हावड़ा से गया का किराया एसी चेयरकार में 1355 रुपये और एग्जीक्यूटिव क्लास में 2415 रुपये प्रति सवारी है।

चरण सिंह

विचार

भाजपा में बगावत के बीच मुख्यमंत्री पद के बढ़ रहे दावेदार

हरियाणा में भाजपा की स्थिति भी गजब है। जब भाजपा की सरकार बनने की दूर-दूर तक कोई उम्मीद नहीं है। ऐसे में नायब सैनी के साथ ही अनिल विज और राव इंद्रजीत सिंह ने भी मुख्यमंत्री बनने का दावा ठोक दिया है। अनिल विज ने गृहमंत्री पद पद पर रहते हुए जहां अपनी दमदार छवि बनाई वहीं राव इंद्रजीत सिंह ने विषम परिस्थितियों में गुड़गांव से लोकसभा चुनाव जीता है। अब मोदी सरकार में मंत्री हैं। गुड़गांव के साथ ही रेवाड़ी और महेंद्रगढ़ में उनका अच्छा खासा दबदबा माना जाता है। राव इंद्रजीत सिंह अहीरवाल के नेता माने जाते हैं।

दरअसल हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर की अगुवाई में 2014 में भाजपा की सरकार बनी थी। मनोहर लाल खट्टर न केवल 2019 तक मुख्यमंत्री रहे बल्कि 2019 में भी उनके नेतृत्व में भाजपा ने चुनाव जीता। कांग्रेस में भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी शैलजा और रणदीप सिंह सुरजेवाला के बीच वर्चस्व की लड़ाई का फायदा बीजेपी ने उठाया। फिर भी भूपेंद्र सिंह हुड्डा के प्रभाव के चलते कांग्रेस ने 30 सीटें जीत ली। इन चुनाव में कांग्रेस ने शैलजा और रणदीप सिंह सुरजेवाला को स्पष्ट रूप से कह दिया है कि उन्हें केंद्र की राजनीति करनी है। हरियाणा का चुनाव भूपेंद्र सिंह हुड्डा को फ्री छोड़ दिया है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा अपनी जीत के प्रति इतने आशान्वित हैं कि उन्होंने आम आदमी पार्टी को दस सीटें नहीं दी। आम आदमी पार्टी ने भी 90 सीटों पर अपने प्रत्याशी चुनावी समर में उतार दिये हैं।

आम आदमी पार्टी के 90 सीटों पर चुनाव लड़ने की वजह से बीजेपी हरियाणा में अपनी जीत मानकर चल रही है। भाजपा का मानना है कि आम आदमी पार्टी के साथ ही इनेलो-बसपा और जेजेपी का गठबंधन कांग्रेस का वोट काटेगा। यही वजह है कि अनिल विज के साथ ही राव इंद्रजीत सिंह ने मुख्यमंत्री पद का दावा ठोक दिया है। हालांकि केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बताया है।

देखने की बात यह है कि राव इंद्रजीत सिंह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली पर भी सवालिया निशान खड़ा कर रहे हैं। उन्हें केंद्र में बागी नेता के रूप में माना जा रहा है। अब हरियाणा में भी उन्होंने मुख्यमंत्री पद का दावा ठोक दिया है। कहा तो यहां तक जा रहा है कि आप संयोजक अरविंद केजरीवाल को जमानत मिलने के पीछे भी बीजेपी का हाथ है। विपक्ष का कहना है कि इधर कांग्रेस और आप में सीटों के बंटवारे को लेकर बात नहीं बनी।

उधर केजरीवाल को जमानत मिल गई। आम आदमी पार्टी का सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने के पीछे भी कांग्रेस के वोट काटना माना जा रहा है। हालांकि अभी तक न तो कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी को लेकर कोई बड़ा बयान दिया है और न ही आम आदमी पार्टी की ओर से कांग्रेस के खिलाफ कोई बड़ा बयान आया है।

ब्यूरोक्रेसी को परांठे ने दिया बड़ा संदेश !

-ऋतुपर्ण दवे-

कभी.कभी बहुत मामूली सी बातें न केवल हर कहीं चर्चा का विषय बन जाती हैं बल्कि इतनी भावुक और प्रभावी कर जाती हैं कि पूछिए मत। लेकिन जब मामला विनम्रताए सहजता और गरीब की पोटली में बंधे पराठे खुलवा कर एक टुकड़ा खाने का हो तो दिल को छू ही जाएगी। उसमें भी यदि जिला कलेक्टर और फरियादी का हो तोहर कहीं उदाहरण और चर्चा का विषय बनेगा ही। ऐसा ही एक वाकया उत्तर प्रदेश के औरैया जिले का है जो पूरे देश में सुर्खियां बटोर रहा है। जहां अपने रुतबे और ठसक के लिए आईएएस.आईपीएस पहचाने जाते हैं वहीं औरैया कलेक्टर इन्द्रमणि त्रिपाठी की इससे विपरीत भूरि.भूरि प्रशंसा हो रही है। हो भी क्यों न उनके दफ्तर में डरा.सहमा सा एक ग्रामीण मजदूर अपनी फरियाद लेकर बहुत दूर से आया। दफ्तर में घुसते ही वहां का माहौल उसे असहज करए घबरा रहा था। लेकिन तुरंत कलेक्टर इन्द्रमणि त्रिपाठी ने उसकी मनोदशा भांपीए पूछा कि घर वापस पहुंचने में देर हो जाएगी तो रास्ते में भूख का क्या इंतजाम हैघ् भोले.भाले मजदूर नेहाथ में रखे झोले से पोटली निकाल डरते.डरते दिखाते हुए कहा कि उसकी पत्नी ने कुछ परांठे बांध दिए हैं। इतना सुनते हुए त्रिपाठी ने कहा कि मैं तुम्हारा काम तभी करूंगा जब तुम मुझे अपना परांठा खिलाओगे !यह सुनते ही मैले.कुचैले कपड़े पहना फरियादी असमंजस में पड़ गया और बहुत हिम्मत कर बोला मैं तो छोटा आदमी हूंए आप कहां मेरे पराठे खाएंगेघ्कलेक्टर त्रिपाठी ने तपाक से कहा कि छोटा.बड़ा कुछ नहींए पराठा खिलाओगे तभीकाम करूंगा।फरियादी ने बड़ी ही झिझक से शमार्ते हुए घर से लाई पोटली में बंधे हुए पराठों को कलेक्टर के सामने खोला और दे दिया।उसमें से एक टुकड़ा लेकर कलेक्टर नेखाना शुरू कर दिया। यह देख उनके साथ बैठे सभी मातहत भीअवाक और हक्का.बक्का रह गए। बाद में फरियादीके घर पर जिला प्रशासन की टीम पहुंची। वहां पता चला कि उसके बड़े भाई लकवाग्रस्त हैं। उनके इलाज के लिए पैसे नहीं हैं। इसलिए वह अपने हिस्से की जमीन बेचकर भाई का इलाज कराना चाहता है।जमीन बेचने की बात पर तीन भाइयों में विवाद है।प्रशासनिक अमले ने तीनों को साथ बिठाकर बात कराई। भाई के इलाज के लिए सरकारी मदद की प्रक्रिया भी शुरू कर दी और सभी के आपसी गिले.शिकवे दूर हो गए। फरियादी समस्या के समाधान से ज्यादा इसलिए बेहद खुश और भावुक था कि इतने बड़े अधिकारी ने इतना आत्मीय व्यव्हार कर उसके परांठे खाए।

यकीनन यह घटना कल्पना से परे है। ऐसे नजारे देश में गिने.चुने ही हुए होंगे। जिलाए संभागए तहसील तथा हर सरकारी दफ्तर के अधिकारी सरकार के प्रतिनिधि के रूप में काम करते हैं। लगभग हर कहीं एक तय दिन पर जन सुनवाईए जनता दर्शन जैसे विभिन्न नामों से सरकार की ओर सेदरबार लगते हैं। दूर दराज से ज्यादातर ग्रामीण व ऐसे लोग जिनकी कोई राजनीतिक पकड़ या जुगाड़ नहीं होतीए सीधे अधिकारियों के पास पहुंचते हैं। लेकिन एक बड़ी हकीकत यह भी कि कितने मामले निराकृत होते हैं या लोगों को संतुष्ट करते हैंए सब जानते हैं। कई जगह तो ठीक से फरियाद तक नहीं सुने जाने की सच्चाई भी सामने आती है। अधिकतर अधिकारी निराकरण के नाम पर महज खाना पूर्ति करते हैं। सीएम हेल्पलाइन जैसी सुविधा भी कुछ राज्यों में है। फोन पर आम जनों से शिकायत लेकर पंजीकरण होता है। जिसे संबंधित जिलेए फिर विभाग को भेजा जाता है। अमूमन शिकायतों को ब्यूरोक्रेसी में बेवजह का बवाल तक समझने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। कुछ अन्य राज्यों में तो सीएम हेल्प लाइन या डेस्ककी शिकायतें को बंद कराने के लिए अधिकारियों का दुर्व्यव्हार यहां तक फोन पर धमकाने के भी ऑडियो खूब वायरल हुए। कई जगह बरगला कर झूठे आश्वासन देकर शिकायतें बंद कर दी गईं और जनसाधारण की समस्या वही ढ़ांक के तीन पात जैसी रह गईं। यह सही है कि अधिकारी जनसाधारण के वाजिब काम और समस्याओं को सुनने और उनका निराकरण करने के लिए होते हैं। लेकिन देश में भ्रष्टाचार का दीमक इस कदर हर विभाग में जड़ें जमाए हुए है कि लोगों को अपने काम के लिए बिना लेन.देन सफलता नहीं मिलती। भ्रष्टाचार एक रिवाज बन चुका है। देश में ब्यूरोक्रेसी पूरी तरह से हॉवी है। लोग अपने.अपने काम के लिए दफ्तरों के चक्कर पर चक्कर लगाते हैं और रोजाना भटकते हैंए वहां यह एक मिशाल है। क्या यह रवैया पूरे देश में नहीं हो सकताघ् अवैध चढ़ोत्री के दम पर कई लोगों के हकों पर डाका डालने से लेकर नौकरी से लेकर फर्जी दस्तावेजोंए विकलांगता के झूठे प्रमाण.पत्रों से सुपात्रों के हक छीनने और झूठी जानकारी के चलते जन्म तारीख और जाति बदल कर ऐन.केन.प्रकारेण ऊंची नौकरी तक हथियाने की सच्चाई सामने आ चुकी है। पूजा खेडकर का ताजा मामला सामने है।

-प्रियंका सौरभ

> आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म अक्सर बड़े बजट वाले दलों के विज्ञापनों को अधिक दृश्यता देकर उनका पक्ष लेते हैं, अभियान को अमीर राजनीतिक संस्थाओं के पक्ष में झुकाते हैं, जिससे चुनावी निष्पक्षता कम हो जाती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म विभाजनकारी कंटेंट को बढ़ा सकते हैं, जिससे राजनीतिक विचारों का ध्रुवीकरण हो सकता है एवं अधिक खंडित तथा शत्रुतापूर्ण चुनावी माहौल को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे रचनात्मक बहस कम हो सकती है। चुनावी समानता बनाए रखने के लिए, राजनीतिक दलों द्वारा डिजिटल विज्ञापनों पर खर्च की जाने वाली राशि पर सीमाएँ लगाई जानी चाहिए, जिससे अमीर पार्टियों को डिजिटल क्षेत्र पर हावी होने से रोका जा सके।

चुनावों में डिजिटल अभियान, झूठे-सच्चे वादों का ऐलान

गूगल विज्ञापन पारदर्शिता केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान, राजनीतिक दलों एवं उनके सहयोगियों ने 1 जनवरी से 10 अप्रैल के बीच अकेले गूगल विज्ञापनों पर लगभग ?117 करोड़ खर्च किए। डिजिटल अभियान खर्च में यह वृद्धि चुनावों में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के बढ़ते प्रभाव को उजागर करती है, जबकि राजनीतिक दलों के बीच कंटेंट विनियमन तथा निष्पक्षता के बारे में चिंता बढ़ाती है। आधुनिक चुनावों में डिजिटल अभियान एक शक्तिशाली उपकरण बन गया है, मतदाताओं तक इसकी व्यापक पहुँच है, डिजिटल प्लेटफॉर्म ग्रामीण एवं दूरदराज के क्षेत्रों सहित लाखों मतदाताओं तक पहुँचने की अभूतपूर्व क्षमता प्रदान करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि कोई भी जनसांख्यिकीय अभियान से वंचित न रह जाए। वर्ष 2019 के चुनावों के दौरान व्हाट्सएप के व्यापक उपयोग ने राजनीतिक दलों को पूरे भारत में ग्रामीण मतदाताओं से जुड़ने में मदद की, जिससे चुनाव परिणाम काफी प्रभावित हुए हैं। डिजिटल अभियान पारंपरिक मीडिया की तुलना में कहीं अधिक किफायती हैं, जिससे सीमित बजट वाले छोटे लोगों को भी प्रतिस्पर्धा करने एवं मतदाताओं तक प्रभावी ढंग से पहुँचने की अनुमति मिलती है।

वर्ष 2015 के दिल्ली चुनावों में आप की डिजिटल-संचालित रणनीति जैसे उभरते क्षेत्रीय राजनीतिक दल बड़ी पार्टियों की तुलना में न्यूनतम खर्च के बावजूद सफल साबित हुए हैं। डेटा एनालिटिक्स पार्टियों को विशिष्ट मतदाता वर्गों के लिए अनुरूपित संदेश बनाने में सक्षम बनाता है, जिससे उनके मूल्यों एवं चिंताओं से मेल खाने वाले संदेशों के साथ सही दर्शकों तक पहुँचने की संभावना में सुधार होता है। ब्रेक्सिट सहित वैश्विक चुनावों के दौरान कैम्ब्रिज एनालिटिका की सूक्ष्म-लक्ष्यीकरण रणनीतियों ने दिखाया है कि कैसे लक्षित डिजिटल संदेश मतदाता व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं। सोशल मीडिया मतदाताओं के साथ वास्तविक समय पर बातचीत करने में सक्षम बनाता है, जिससे राजनीतिक नेताओं को चिंताओं को तेजी से संबोधित करने, जनता की राय को आकार देने एवं तत्काल प्रतिक्रिया के आधार पर अभियान रणनीतियों को समायोजित करने की अनुमति मिलती है। प्रधानमंत्री की सक्रिय ट्विटर उपस्थिति ने उन्हें अपने पूरे राजनीतिक जीवन में मतदाताओं के साथ सीधा एवं निरंतर संवाद बनाए रखने की अनुमति दी है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म, विशेष रूप से सोशल मीडिया, युवा मतदाताओं के साथ प्रतिध्वनित होते हैं, जो राजनीतिक कंटेंट का ऑनलाइन उपभोग करने की अधिक संभावना रखते हैं, जिससे महत्वपूर्ण मतदाता आधार के साथ प्रभावी जुड़ाव सुनिश्चित होता है। वर्ष 2024 के चुनावों में राजनीतिक दलों की इंस्टाग्राम रणनीति विशेष रूप से युवा मतदाताओं का ध्यान आकर्षित करने के लिए डिजाइन की गई थी। डिजिटल अभियान, जब जिम्मेदारी से उपयोग किए जाते हैं, तो मतदाताओं को सीधे नीतियों के बारे में सूचित करके, उन्हें सूचित विकल्प चुनने में मदद करके एवं समग्र चुनावी भागीदारी को बढ़ाकर अधिक पारदर्शिता प्रदान कर सकते हैं। वर्ष 2020 के अमेरिकी चुनाव के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति के डिजिटल टाउन हॉल ने महामारी प्रतिबंधों के बावजूद मतदाताओं को उनके साथ सीधे बातचीत करने की अनुमति दी।

आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म अक्सर बड़े बजट वाले दलों के विज्ञापनों को अधिक दृश्यता देकर उनका पक्ष लेते हैं, अभियान को अमीर राजनीतिक संस्थाओं के पक्ष में झुकाते हैं, जिससे चुनावी निष्पक्षता कम हो जाती है। गूगल के विज्ञापन वैश्विक चुनावों के दौरान उच्च-बजट वाली पार्टियों के पक्ष में पाए गए, जिससे उन्हें मतदाता पहुँच में लाभ मिला। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म विभाजनकारी कंटेंट को बढ़ा सकते हैं, जिससे राजनीतिक विचारों का ध्रुवीकरण हो सकता है एवं अधिक खंडित तथा शत्रुतापूर्ण चुनावी माहौल को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे रचनात्मक बहस कम हो सकती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म विभाजनकारी कंटेंट को बढ़ा सकते हैं, जिससे राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ सकता है एवं अधिक खंडित, शत्रुतापूर्ण चुनावी माहौल बन सकता है, जो रचनात्मक बहस को कम कर देता है। 2019 में फेसबुक विज्ञापनों पर राष्ट्रीय पार्टियों का भारी खर्च छोटे क्षेत्रीय दलों के बजट से कहीं अधिक हो गया। डार्क विज्ञापनों एवं अत्यधिक लक्षित राजनीतिक संदेशों के उपयोग से नियामकों तथा जनता के लिए यह ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है कि विशिष्ट मतदाता समूहों को कौन सी जानकारी प्रसारित की जा रही है, जिससे पारदर्शिता कम हो जाती है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म अक्सर पर्याप्त तथ्य-जाँच उपायों को लागू करने में विफल रहते हैं, जिससे झूठे दावे जारी रहते हैं एवं संभावित रूप से गलत या जानबूझकर हेरफेर की गई जानकारी के साथ मतदाताओं को गुमराह किया जाता है। भारत के वर्ष 2019 चुनावों के दौरान फर्जी खबरों को पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं करने के लिए व्हाट्सएप की आलोचना की गई, जिसने मतदाताओं की धारणा को प्रभावित किया। उल्लंघनों के माध्यम से मतदाता डेटा का शोषण राजनीतिक अभियानों को व्यक्तिगत जानकारी के आधार पर लक्षित संदेश भेजकर मतदाताओं को हेरफेर करने की अनुमति दे सकता है, जिससे मतदाता स्वायत्तता से समझौता हो सकता है। कैम्ब्रिज एनालिटिका घोटाले ने उजागर किया कि भारत सहित विश्व भर में चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के लिए मतदाता डेटा का अनैतिक रूप से उपयोग किया गया था।सरकारों एवं चुनाव निकायों को डिजिटल प्लेटफॉर्मों को गलत सूचना के लिए जिम्मेदार ठहराने तथा झूठे कंटेंट के प्रसार के लिए दंड लागू करने के लिए सख्त नियम लागू करने चाहिए। पारदर्शिता सुनिश्चित करने एवं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अनियमित खर्च के माध्यम से प्राप्त अनुचित लाभ को रोकने के लिए राजनीतिक दलों को अपने डिजिटल विज्ञापन व्यय का पूरी तरह से खुलासा करने की आवश्यकता होनी चाहिए।

डिजिटल विज्ञापन खर्च पर विस्तृत रिपोर्ट अनिवार्य करने से चुनाव के दौरान समान अवसर सुनिश्चित हो सकते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म को झूठी सूचनाओं की निगरानी एवं हटाने के लिए स्वतंत्र तथ्य-जाँचकताओं के साथ सहयोग करना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि केवल सटीक राजनीतिक संदेश ही मतदाताओं तक पहुँचें। राजनीतिक कंटेंट की व्यापक कवरेज सुनिश्चित करने के लिए तृतीय पक्ष के तथ्य-जांचकताओं के साथ फेसबुक की मौजूदा साझेदारी का विस्तार किया जा सकता है। चुनावी समानता बनाए रखने के लिए, राजनीतिक दलों द्वारा डिजिटल विज्ञापनों पर खर्च की जाने वाली राशि पर सीमाएँ लगाई जानी चाहिए, जिससे अमीर पार्टियों को डिजिटल क्षेत्र पर हावी होने से रोका जा सके। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एल्गोरिदम को यह सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया जाना चाहिए, कि सभी पार्टियों के राजनीतिक विज्ञापनों को पार्टी के वित्तीय संसाधनों की परवाह किए बिना समान प्रदर्शन मिले। लोकतांत्रिक निष्पक्षता को बढ़ावा देने के लिए गूगल जैसे प्लेटफॉर्म को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि छोटे दलों के विज्ञापनों को बड़े दलों के समान दृश्यता मिले। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर चलने वाले सभी राजनीतिक विज्ञापनों वाला एक केंद्रीकृत डेटाबेस जनता के लिए सुलभ होना चाहिए, जिससे संदेश भेजने में पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके एवं गुप्त अभियानों को रोका जा सके।

-राकेश अचल-

एक राष्ट्र : एक चुनाव की गुपचुप तैयारी

भारत की सरकार में यदि बहुत कुछ पारदर्शी है तो बहुत कुछ ऐसा भी है जिसे आप गोपनीय कह सकते हैं। सरकार के कामकाज के बारे में केवल चार कानों को ही पता रहता है छठे कान को नहीं । लेकिन आजकल खबरें रिसकर आ रहीं हैं कि सरकार देश में जातीय जनगणना के साथ ही एक राष्ट्र,एक चुनाव के मुद्दे पर भी गोपनीय ढंग से काम कर रही है और किसी माकूल वक्त पर इसकी घोषणा कर सकती है। लेकिन इसके पहले सरकार अपने सभी सहयोगी दलों को भी भरोसे में लेना चाहती है ताकि जातीय जनगणना जैसे विवादास्पद मुद्दे को लेकर अड़चनें पेश न आएं।

एक राष्ट्र,एक चुनाव का विचार नया नहीं है। बल्कि वर्ष 1983 में चुनाव आयोग ने पहली बार इसे प्रस्तावित किया था। हालाँकि वर्ष 1967 तक एक साथ चुनाव भारत में प्रतिमान थे।आपको याद होगा कि लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के पहले आम चुनाव वर्ष 1951-52 में एक साथ हुए थे।इसके बाद वर्ष 1957, वर्ष 1962 और वर्ष 1967 में हुए तीन आम चुनावों में भी यह प्रथा जारी रही। लेकिन वर्ष 1968 और वर्ष 1969 में कुछ विधान सभाओं के समय से पहले भंग होने के कारण यह चक्र बाधित हो गया। वर्ष 1970 में लोकसभा को समय से पहले ही भंग कर दिया गया था और वर्ष 1971 में पुनः नए चुनाव हुए थे। इस प्रकार पहली, दूसरी और तीसरी लोकसभा ने पूरे 5 वर्ष के कार्यकाल पूर्ण किये थे।लोकसभा और विभिन्न राज्य विधानसभाओं दोनों के समय से पहले विघटन और कार्यकाल के विस्तार के परिणामस्वरूप लोकसभा तथा राज्यों की विधानसभाओं के अलग-अलग चुनाव हुए हैं और एक साथ चुनाव का चक्र बाधित हो गया।

भाजपा सरकार इस पुराने मुद्दे को एक बार फिर गर्म कर रही है और इसके पक्ष में उसने तमाम तर्क भी खोज रखे है। इस समय देश में प्रत्येक वर्ष कम-से-कम एक चुनाव होता है; दरअसल प्रत्येक राज्य में प्रत्येक वर्ष चुनाव भी होते हैं। भाजपा सरकार में गठित नीति आयोग ने तर्क दिया कि इन चुनावों के चलते विभिन्न प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नुकसान होते हैं।बताया जाता है कि बिहार जैसे बड़े आकार के राज्य के लिये चुनाव से संबंधित सीधे बजट की लागत लगभग 300 करोड़ रुपए है। हालाँकि प्रत्येक चुनाव के दौरान सरकारी तंत्र चुनाव ड्यूटी और संबंधित कार्यों के कारण अपने नियमित कर्तव्यों से चूक जाता है। चुनावी बजट में चुनाव के दौरान उपयोग किये जाने वाले इन लाखों मानव-घंटे की लागत की गणना नहीं की जाती है।एक तर्क ये भी है की चुनावों कि दौरान लागूकी जाने वाली आदर्श आचार संहिता सरकार कि कामकाज को भी प्रभावित करती है, क्योंकि चुनावों की घोषणा के बाद न तो किसी नई महत्त्वपूर्ण नीति की घोषणा की जा सकती है और न ही क्रियान्वयन। सुरक्षा बलों को तैनात करने तथा बार-बार उनके परिवहन पर भी भारी और दृश्यमान लागत आती है। संवेदनशील क्षेत्रों से इन बलों को हटाने और देश भर में जगह बार-बार तैनाती के कारण होने वाली थकान तथा बीमारियों के संदर्भ में राष्ट्र द्वारा एक बड़ी अदृश्य लागत का भुगतान किया जाता है ।

भाजपा को पता है कि एक देश ,एक चुनाव को लागू करना आसान नहीं है लेकिन पार्टी और सरकार इस विषय को लेकर दूसरे ज्वलंत मुद्दों को पीछे ले जाना चाहती है । आमतौर पर सभी दल इस मुद्दे पर एक राय नहीं होते। अनेक दलों का मानना है कि एक साथ चुनावों को लागू करना लगभग असंभव है क्योंकि इसके लिये मौजूदा विधानसभाओं के कार्यकाल में मनमाने ढंग से कटौती करनी पड़ेगी या उनकी चुनाव तिथियों को देश के बाकी भागों हेतु नियत तारीख के अनुरूप लाने के लिये उनके कार्यकाल में वृद्धि करनी पड़ेगी।कुछ दल मानते हैं कि ऐसा कदम लोकतंत्र और संघवाद को कमजोर करेगा।

एक राष्ट्र-एक चुनाव के आलोचकों का कहना है कि एक साथ चुनाव कराने के लिये मजबूर करना लोकतंत्र के विरुद्ध है क्योंकि चुनावों के कृत्रिम चक्र को थोपने की कोशिश करना और मतदाताओं की पसंद को सीमित करना उचित नहीं है। ऐसा माना जाता है कि एक साथ चुनाव से क्षेत्रीय दलों को नुकसान पहुँचेगा क्योंकि एक साथ होने वाले चुनावों में मतदाताओं द्वारा मुख्य रूप से एक ही तरफ वोट देने की संभावना अधिक होती है जिससे केंद्र में प्रमुख पार्टी को लाभ होता है। प्रत्येक 5 वर्ष में एक से अधिक बार मतदाताओं के समक्ष आने से राजनेताओं की जवाबदेहिता बढ़ती है। भाजपा सरकार के लिए एक राष्ट्र,एक चुनाव लागू करना उतना आसान नहीं होगा जितना की पूर्व में जम्मू-कश्मीर से संविधान का अनुच्छेद 370 हटाना आसान बन गया था । अब संसद में भाजपा की ताकत 2014 और 2019 के मुकाबले 2024 में बहुत कम है और इस बात की भी कोई गारंटी नहीं है कि जेडीयू और टीडीपी जैसे दल इस मुद्दे पर आसानी से मान जायेंगे। एक साथ चुनाव की अवधारणा को लागू करने के लिये संविधान और अन्य कानूनों में संशोधन की आवश्यकता होगी। लेकिन यह बहुत आसान काम नहीं है। एक बात और ये भी है कि एक राष्ट्र,एक चुनाव इस बात की कोई गारंटी नहीं देते की देश में फिर मध्यावधि चुनाव नहीं होंगे । इस समय जिस तरह की गठबंधन सरकारें बनाई जा रहीं हैं उनमें किसी भी सरकार के पूरे पांच साल चलने की कोई गारंटी नहीं है। कभी भी कोई भी राजनीतिक दल अपने विरोधी दल की सरकार को अपदस्थ करने के लिए ऑपरेशन लोटस या दलबदल का सहारा ले सकता है। संविधान में किसी भी सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाने का विकल्प है सो अलग।

राजेंद्र शर्मा

केजरीवाल का दांव: अग्निपरीक्षा या गुगली

कहने की जरूरत नहीं है कि आम तौर पर आम चुनाव के और खासतौर दिल्ली की सात सीटों पर चुनाव के नतीजों से, आम आदमी पार्टी ने निश्चित रूप से सबक लिया होगा। उसने खासतौर पर इस तथ्य से सबक तो जरूर लिया होगा कि इन सीटों पर भाजपा के मत फीसद में पिछले आम चुनाव की तुलना में कमी के बावजूद और कांग्रेस तथा आप पार्टी के बीच पूर्ण चुनावी समझौता होने और अरविंद केजरीवाल के विशेष जमानत पर प्रचार के लिए छूटकर, चुनाव प्रचार करने के बावजूद, भाजपा सभी सात सीटों पर जीत दर्ज कराने में कामयाब रही।

सुप्रीम कोर्ट से जमानत पर रिहाई के बाद, आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं से अपने पहले संबोधन में ही, अरविंद केजरीवाल ने उन्हें झंझोड़कर रख देने वाला एलान कर दिया। केजरीवाल ने कहा कि वह दो दिन में मुख्यमंत्री का पद छोड़ देंगे। और उसके बाद मुख्यमंत्री का पद तभी स्वीकार करेंगे, जब जनता उनके ईमानदार होने पर अपने अनुमोदन की मोहर लगा देगी। सुप्रीम कोर्ट ने तो जमानत देकर उनके ईमानदार होने पर कानूनी मोहर लगा दी है, लेकिन उन्हें लगता है कि इतना काफी नहीं है। अब वह जनता के सामने अग्निपरीक्षा देंगे और मुख्यमंत्री पद तभी स्वीकार करेंगे, जब जनता उनके ईमानदार होने पर अपने वोट से मोहर लगाएगी। और अपनी इस त्याग मुद्रा का दायरा बढ़ाकर, इसे आम आदमी पार्टी की ही त्याग की मुद्रा बनाते हुए, केजरीवाल ने अपने इस्तीफे के फैसले के एलान में एक पेच और डाल दिया। उन्होंने एलान किया कि उन्हीं की तरह, व्यापक रूप से सरकार में नंबर-2 माने जाने वाले, उप-मुख्यमंत्री तथा शिक्षा मंत्री, मनीष सिसोदिया भी इस अग्निपरीक्षा की चुनौती स्वीकार करेंगे और जनता के ईमानदार घोषित करने के बाद ही, उप-मुख्यमंत्री तथा शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी संभालेंगे। पुनः इसी प्रसंग को और आगे बढ़ाते हुए, एक और पेच जोड़ते हुए केजरीवाल ने यह मांग भी पेश कर दी कि दिल्ली के विधानसभा चुनाव, जो अगली फरवरी में होने हैं, आगे खिसका कर नवंबर में होने वाले महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव के साथ करा दिए जाएं, ताकि केजरीवाल की अग्निपरीक्षा जल्दी हो जाए।

कहने की जरूरत नहीं है कि दिल्ली की मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा, केजरीवाल की इस गुगली से हतप्रभ रह गयी है। भाजपा के नेता, जो अब तक जेल में रहने के आधार पर केजरीवाल का इस्तीफा मांगते आ रहे थे, अचानक उनके इस्तीफे का एलान करने से समझ नहीं पा रहे हैं कि इसे अपनी कामयाबी मानें या अपनी परेशानी। यह कहने के सिवा कि केजरीवाल ने पहले ही इस्तीफा क्यों नहीं दिया, वे ज्यादा कुछ कह नहीं पा रहे हैं। हां! आखिरकार काफी कसरत के बाद उन्होंने यह नयी मांग जरूर निकाली है कि केजरीवाल और सिसोदिया ही नहीं, पूरे मंत्रिमंडल को इस्तीफा देना चाहिए! बहरहाल, मुख्य विपक्षी पार्टी की प्रतिक्रियाओं से समझना मुश्किल नहीं है कि वह समझ ही नहीं पा रही है कि इस नयी स्थिति से कैसे निपटा जाए। जाहिर है कि चुनाव जल्दी कराने की आम आदमी पार्टी की मांग ने भाजपा को और भी चक्कर में डाल दिया है।

उसकी चुनाव जल्दी कराने में शायद ही कोई दिलचस्पी होगी, लेकिन चुनाव जल्दी कराए जाने का विरोध वह पार्टी कैसे कर सकती है, जो इसके दावे करती नहीं थकती है कि दिल्ली की जनता केजरीवाल की पार्टी से विश्वास उठ चुका है। बहरहाल, चुनाव जल्दी कराने के मुद्दे पर भाजपा, अपने हितों की रक्षा के लिए चुनाव आयोग पर भरोसा कर सकती है, जो वैसे भी केजरीवाल मनमुताबिक फैसला क्यों लेना चाहेगा? भाजपा के लिए इस मामले पर चुप लगाना ही काफी होगा। वैसे केजरीवाल ने भी विधानसभा भंग करने की सिफारिश नहीं करने और मंत्रिमंडल से जल्दी चुनाव कराए जाने का प्रस्ताव पारित नहीं कराने के जरिए, इसका इशारा कर दिया है कि वह भी जल्दी चुनाव की आम मांग को प्रचार के स्तर पर ही रखने जा रहे हैं, उससे आगे नहीं बढ़ाने जा रहे हैं।

अग्निपरीक्षा के जरिए अपना "सत" साबित करने का केजरीवाल का फैसला, एक राजनीतिक मास्टर स्ट्रोक साबित होता है या नहीं, इसका फैसला तो सबसे बढ़कर दिल्ली के चुनाव में होगा। लेकिन, केजरीवाल की गुगली ने भाजपा के लिए उसके खिलाफ अपने प्रचार की बैटिंग में रन बनाना, बहुत मुश्किल बना दिया है। दिल्ली शराब घोटाले के पूरे केस में कोई सचाई होने या नहीं होने से अलग, इससे इंकार करना मुश्किल है कि इस केस में एक के बाद एक, आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं की गिरफ्तारी तथा लंबे अर्से तक उन्हें जेल में बंद रखे जाने का, आम तौर पर इस पार्टी की छवि पर और खासतौर पर उसकी भ्रष्टद्दाचार-विरोधी योद्धा की छवि पर, कुछ न कुछ असर जरूर पड़ा है। याद रहे कि यही छवि, मध्यवर्ग के बीच आप पार्टी के समर्थन का मुख्य आधार है। इसके साथ, दस साल से अधिक के शासन से पैदा हुईं लोगों की निराशाएं जुड़कर, आप पार्टी के चेहरे पर बदहवासी की न सही, चिंता की रेखाएं लाती ही थीं। केजरीवाल ने इस दांव से एक ही झटके में, इसी गिरावट को थामने की कोशिश की है।

कहने की जरूरत नहीं है कि आम तौर पर आम चुनाव के और खासतौर दिल्ली की सात सीटों पर चुनाव के नतीजों से, आम आदमी पार्टी ने निश्चित रूप से सबक लिया होगा। उसने खासतौर पर इस तथ्य से सबक तो जरूर लिया होगा कि इन सीटों पर भाजपा के मत फीसद में पिछले आम चुनाव की तुलना में कमी के बावजूद और कांग्रेस तथा आप पार्टी के बीच पूर्ण चुनावी समझौता होने और अरविंद केजरीवाल के विशेष जमानत पर प्रचार के लिए छूटकर, चुनाव प्रचार करने के बावजूद, भाजपा सभी सात सीटों पर जीत दर्ज कराने में कामयाब रही। इससे साफ था कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा आप सरकार के रास्ते में बाधाएं खड़ी किए जाने से लेकर, आप नेताओं के साथ उसके अत्याचार तक की सारी शिकायतें भी, दिल्ली के मतदाताओं को पर्याप्त रूप से प्रभावित नहीं कर पा रही थीं। इस अपर्याप्तता ने ही केजरीवाल को इस्तीफे की गुगली फेंकने के लिए प्रेरित किया लगता है, ताकि केंद्र में सत्ता में बैठी भाजपा के खिलाफ अपनी आलोचनाओं को और तीखी धार दे सके।

केजरीवाल की इस्तीफे की गुगली के पीछे एक और भी कारण है। दिल्ली में, जहां उप-राज्यपाल के जरिए, केंद्र सरकार ने निर्वाचित सरकार के हाथ-पांव पहले ही बहुत ज्यादा बांध दिए हैं, केजरीवाल की जमानत पर रिहाई के साथ लगायी गयीं राज्य सचिवालय नहीं जाने से लेकर किसी फाइल पर दस्तखत नहीं करने तक की शर्तें, व्यवहार में उनके लिए मुख्यमंत्री के रूप में काम करना ही बहुत कठिन बना देती थीं। ऐसे में चुनाव से चंद महीने पहले, लगातार उप-राज्यपाल से खींचतान में फंसी सरकार चलाने में उलझे रहने के मुकाबले में, केजरीवाल को यही ज्यादा फायदे का सौदा लगा होगा कि मुख्यमंत्री के पद पर अपने किसी ऐसे उत्तराधिकारी को बैठा दिया जाए, जिसके काम करने पर उतने बंधन नहीं होंगे और इसलिए चुनाव से पहले, दिल्लीवासियों के लिए हित के कुछ काम हो रहे होंगे। और खुद वह स्वतंत्रता के साथ जनता के बीच जाकर, भाजपा के विरुद्ध अभियान चलाने की स्थिति में होंगे। फिर भी, केजरीवाल के लिए यह गुगली फेकना भी कोई आसान नहीं था। सबसे बड़ी बात यह है कि आम आदमी पार्टी जिस तरह की चंद नेताओं पर ही केंद्रित पार्टी है, जिसके केंद्र में केजरीवाल हैं और जिसका वैचारिक आधार ज्यादा मजबूत नहीं है, संघ-भाजपा के बहुसंख्यकवादी सांप्रदायिक अभियान के सामने खासतौर पर वेध्य है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**

समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

आयुष्मान लाभार्थियों का इलाज बंदः पंजाब सरकार ने नहीं किया 600 करोड़ बकाया राशि का भुगतान

जगरांव पंजाब के प्राइवेट अस्पतालों और नर्सिंग होम में आयुष्मान लाभार्थियों को मुफ्त इलाज की सुविधा नहीं मिलेगी। यह घोषणा निजी अस्पतालों व नर्सिंग होम का प्रतिनिधित्व करने वाली प्राइवेट हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम एसोसिएशन (पीएचएएनए) की है। एसोसिएशन ने आयुष्मान भारत योजना के तहत सभी कैशलेस सेवाओं को रोकने का एलान किया है। इसकी वजह यह है कि सरकार की तरफ से एसोसिएशन को 600 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया गया है।

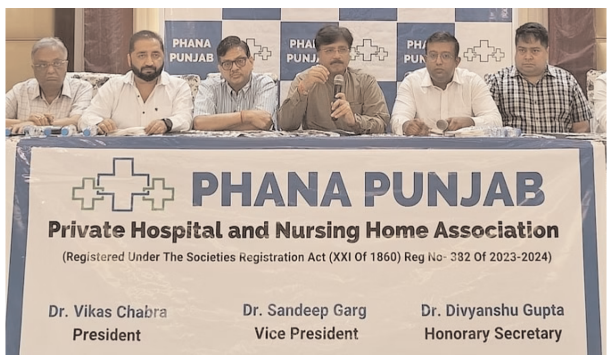

डॉ. दिवांशू ने बताया कि सरकार ने कई महीनो से लंबित राशि भुगतान नहीं किया है। बीते छह महीने से लगभग 600 करोड़ रुपये की राशि बकाया है। बकाया भुगतान न मिलने के कारण एसोसिएशन कर्ज में डूब रही है। पीएचएएनए पंजाब के प्रतिनिधियों ने पहले भी राज्य स्वास्थ्य एजेंसी (एसएचए) पंजाब के सीईओ और स्वास्थ्य मंत्री से बकाया भुगतान के मुद्दों को हल करने के लिए बातचीत की थी। सरकार की तरफ से बार-बार केवल राशि का भुगतान करने का आश्वासन ही मिला, लेकिन अभी तक राशि का भुगतान नहीं किया गया है। इसलिए एसोसिएशन ने निजी अस्पतालों व नर्सिंग होम्स में आयुष्मान भारत योजना के तहत सभी कैशलेस सेवाओं को बंद करने का फैसला लिया है।

पीएचएएनए का कहना है कि एसएचए ने समझौता ज्ञापन (एमओयू) का उल्लंघन करते हुए भुगतान में देरी की है। ऐसे में अस्पतालों पर सेवाओं से इनकार करने पर कार्रवाई करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। लगभग 300 ईमेल भेजने के बावजूद एसएचए के सीईओ ने अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश जारी किए हैं, जिससे निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के प्रति प्रतिशोधी रवैया प्रकट होता है।

उन्होंने कहा कि अब स्थिति ऐसी आ गई है कि अस्पतालों को दिवालिया हो रहे हैं, क्योंकि राज्य सरकार जो अपनी वित्तीय संकट का सामना कर रही है, बिना पर्याप्त फंड के मुफ्त स्वास्थ्य योजनाओं को बढ़ावा दे रही है। यह योजना उन मरीजों के लिए भी है जो निजी इलाज का खर्च उठा सकते हैं। इससे अस्पतालों पर बोझ बढ़ गया है और सबसे गरीब लोगों इलाज से वंचित हो रहे हैं।

एसोसिएशन पदाधिकारियों ने कहा कि योजना की एक बड़ी खामी यह है कि कुछ प्रमुख उपचार पैकेज, जैसे पित्ताशय की पथरी की सर्जरी, हर्निया सर्जरी, आघात सर्जरी और घुटने की रिप्लेसमेंट, विशेष रूप से सरकारी अस्पतालों के लिए आरक्षित हैं। पड़ोसी राज्यों में निजी अस्पतालों को आयुष्मान भारत के तहत ये सेवाएं प्रदान करने की अनुमति है, जिससे मरीजों को अपनी पसंद की स्वास्थ्य सेवा सुविधा चुनने का अधिकार मिलता है। पंजाब में योजना के तहत लगाए गए प्रतिबंध लोगों के लिए देखभाल प्राप्त करने में बाधा डाल रहा है। सरकार को आयुष्मान भारत योजना के बजट को बढ़ाना चाहिए या इसे पूरी तरह से बंद कर देना चाहिए।

चंडीगढ़ निगम में अब इंप्लॉयमेंट एक्सचेंज से होगी कर्मचारियों की भर्ती, मेयर ने बनाई योजना

चंडीगढ़ चंडीगढ़ नगर निगम में भर्ती के नाम पर लाखों रुपये की वसूली का खेल पिछले कई वर्षों से चल रहा है। यही कारण है कि निगम में नियमित कर्मी कम और आउटसोर्स कर्मचारियों की संख्या तीन गुना ज्यादा है। पिछली सदन की बैठक में यह मुद्दा जोरशोर से उठा और कई पार्षदों ने अधिकारियों पर आरोप लगाया। अब मेयर कुलदीप कुमार ने मंगलवार को कहा कि भर्ती के इस खेल को खत्म करने के लिए यूटी प्रशासन के इंप्लॉयमेंट एक्सचेंज के माध्यम से ही निगम में कर्मचारियों की भर्ती की योजना बनाई जा रही है।

भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने की योजना...कुलदीप कुमार ने कहा कि अकसर देखा गया है कि नगर निगम में आउटसोर्सिंग पर जो भर्तियां होती हैं, उसमें शहर के लोगों की संख्या कम होती है और अधिकतर लोग बाहरी होते हैं। ऐसे में भर्ती पर सवाल उठते हैं और भ्रष्टाचार के भी आरोप लगते रहे हैं। मेयर ने कहा कि वह चाहते हैं कि इस भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता आए, इसलिए उन्होंने योजना बनाई है कि नगर निगम में अगर किसी विभाग को कर्मचारियों की जरूरत होगी तो वह यूटी प्रशासन के रीजनल इंप्लॉयमेंट एक्सचेंज को इसकी जानकारी देंगे। वहां पर जिन युवाओं ने नौकरी के लिए आवेदन किया होगा, उन्हें नगर निगम में भर्ती में प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि 26 सितंबर को होने वाली आगामी सदन की बैठक में इस एजेंडे को पार्षदों की मंजूरी के लिए रखा जाएगा।

प्रशासक को भेजा पत्र...बता दें कि मेयर ने नगर निगम में आउटसोर्सिंग पर भर्ती कर्मचारियों की संख्या को लेकर पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाबचंद कटारिया को भी पत्र दिया है और इस मामले में जांच की मांग की है।

एक साल में 1645 आउटसोर्स कर्मचारी अचानक बढ़े....2023-24 के नगर निगम के बजट के अनुसार एमसी में 2425 नियमित कर्मचारी काम कर रहे थे और 3161 नियमित पद खाली पड़े थे। उसी वर्ष, एमसी में कुल 5891 पदों के मुकाबले 5527 आउटसोर्स कर्मचारी काम कर रहे थे। हालांकि, 2024-2025 के बजट अनुमानों में एमसी में पहले से काम कर रहे आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की संख्या चिंताजनक रूप से बढ़कर 7172 हो गई, जबकि स्वीकृत आउटसोर्स कर्मचारियों के पदों का कोई विवरण नहीं दिया गया था। बजट अनुमानों में यह भी कहा गया है कि 5589 कुल नियमित पदों के मुकाबले केवल 2362 पद भरे हुए हैं और 3227 पद खाली पड़े हैं। आंकड़ों के अनुसार, इस वित्तीय वर्ष में 1645 आउटसोर्स कर्मचारियों को अतिरिक्त रूप से काम पर रखा गया।

पहले इंप्लॉयमेंट एक्सचेंज के माध्यम से हुई थी भर्ती...निगम के कुछ पुराने कर्मचारियों ने बताया कि पहले निगम में इंप्लॉयमेंट एक्सचेंज के माध्यम से भर्ती होती थी। वर्तमान में इंफोर्समेंट विंग के सात सब-इंस्पेक्टर भी इंप्लॉयमेंट एक्सचेंज से रखे गए थे। अगर ऐसा होता है तो भर्ती के लिए लाखों रुपये का खेल भी खत्म हो सकता है और प्रशासन के इंप्लॉयमेंट एक्सचेंज की भी दशा भी सुधर जाएगी। क्योंकि बीते पांच साल में रीजनल इंप्लॉयमेंट एक्सचेंज में 9697 युवाओं ने आवेदन दिया है, जिसमें से महज 1043 युवाओं को रोजगार मिला है।

गांव बोसवाल पहुंचे पूर्व मंत्री अनुराग ठाकुर बोले- हुड्डा राज में होता था दलितों का उत्पीड़न

फतेहाबाद । पूर्व केंद्रीय मंत्री और हिमाचल से सांसद अनुराग ठाकुर बुधवार को रतिया विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी सुनीता दुग्गल के प्रचार में गांव बोसवाल में पहुंचे। यहां वह ट्रैक्टर पर सवार होकर जनसभा स्थल तक आए। जनसभा को संबोधित करते हुए अनुराग ठाकुर ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर निशाना साधा और उनके राज में हुई दलित उत्पीड़न की घटनाओं को याद दिलाते हुए मतदाताओं को साधने का प्रयास किया। अनुराग ठाकुर ने कहा कि क्या भूपेंद्र सिंह हुड्डा जी और उनके समर्थक कुमारी शैलजा को बहन मानते है, नेता या अपना सांसद मानते हैं। क्या उनके मन में किसी दलित महिला के लिए सम्मान है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा की सरकार में दलितों पर जो अत्याचार हुआ है उसे हरियाणा प्रदेश आज तक नहीं भूला है। 2010 में हुई मिर्चपुर की घटना को याद करो। वहां बस्ती में कुत्ते भोंक पड़े तो 18 परिवारों के घरों को जलाने का काम हुड्डा सरकार में ही हुआ था। दलितों की आवाज को कुचलने का काम किया गया था। साथ लगते प्रदेश राजस्थान में भी दलित समाज की बेटियों के साथ अत्याचार, दुष्कर्म और हत्या की घटनाएं भी कांग्रेस के राज में हुई।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि 10 साल तक केंद्र में कांग्रेस की सरकार रही उसे दौरान सेवा के फौजी कहते रहे लड़ाकू विमान दे दो, लेटेस्ट हथियार, बुलेट प्रूफ जैकेट दे दो, लेकिन कांग्रेस के लोग दलाली खाने में मस्त थे। खरीदारी नहीं कर पाए। फौजियों की हत्या होती रही। मगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 3,70,000 करोड़ रुपए से बढ़ाकर रक्षा बजट को 7 लाख करोड़ रुपए कर दिया। पहले दुनिया की ओर देखते थे, लेकिन आज रक्षा के मामले में भारत आत्मनिर्भर बन चुका है।

सीएम नायब सिंह सैनी का कांग्रेस और आप पर हमला, मुख्यमंत्री आतिशी को दी बधाई

हरियाणा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस केवल सपने देख रही है, लेकिन जनता उनके भ्रष्टाचार और शासनकाल के दौरान किए गए कुप्रबंधन को भली-भांति जानती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में लोगों को एलपीजी सिलेंडर जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए तीन-तीन दिन तक लाइनों में खड़ा रहना पड़ता था। उन्होंने विश्वास जताया कि इस बार कांग्रेस का सफाया हो जाएगा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तीसरी बार सरकार बनाएगी। सीएम सैनी ने कहा कि कांग्रेस जनता को खुश नहीं करती, वे अपने दामाद को खुश करते हैं। उनकी सरकार में केवल भ्रष्टाचार और निजी हितों को प्राथमिकता दी जाती थी, जिसे जनता अब अच्छी तरह से समझ चुकी है।

कांग्रेस के अंदरूनी कलह के आरोपों पर पलटवार...कांग्रेस द्वारा भाजपा में अंदरूनी कलह के आरोपों पर मुख्यमंत्री सैनी ने जवाब दिया कि कांग्रेस खुद अंदरूनी कलह से जूझ रही है। भाजपा में कोई परेशानी नहीं है, हम सभी पार्टी के चिन्ह 'कमल' के लिए एकजुट होकर काम कर रहे हैं। भाजपा के अंदर कोई मतभेद नहीं है, और हमारी पार्टी मजबूती से चुनावों की तैयारी कर रही है।

आप नेता आतिशी को दी बधाई...दिल्ली की प्रस्तावित मुख्यमंत्री और आप की नेता आतिशी के बारे में नायब सिंह सैनी ने कहा कि मैं उन्हें बधाई देना चाहता हूं। मैं उनसे यह भी कहना चाहता हूं कि उन्हें दिल्ली के लोगों के हित में फैसले लेने चाहिए, न कि केवल अरविंद केजरीवाल के हित में। जनता की भलाई के लिए काम करना ही असली नेतृत्व है।

बीजेपी के इशारे पर वोटकाटू पार्टियां व आजाद उम्मीदवार मैदान में उतरे

कोसली, रेवाड़ी। हरियाणा के रेवाड़ी के कोसली में रोहतक सांसद दीपेंद्र हुड्डा कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व मंत्री जगदीश यादव की रैली में लोगों को संबोधित करने के लिए पहुंचे। इस दौरान हुड्डा ने कहा कि बीजेपी के इशारे पर वोट काटू पार्टियां व आजाद उम्मीदवार मैदान में उतरे हैं, मतदाता सावधान रहें।

आजाद या अन्य दलों के प्रत्याशियों का कोई भरोसा नहीं की चुनाव के बाद वे कहां जाएंगे। बीजेपी ने इनेलो, जेजेपी, हलोपा समेत आजाद उम्मेदवारों से वोट काटू के रूप में समझौता कर लिया है और इन्हें अपनी बी-टीम बनाकर हरियाणा की जनता को फिर से धोखा देने की साजिश रची है। बीजेपी जनभावना का सौदा करने वाली पार्टी है। हरियाणा में कांग्रेस का मुकाबला बीजेपी से और जेजेपी, इनेलो व आजाद उम्मीदवारों का मुकाबला नोटा से होगा। 10 साल में बीजेपी ने प्रदेश को विकास की पटरी से उतारा, केवल होर्डिंग लगाने से विकास नहीं होता है। आगे कहा कि गत लोकसभा चुनाव में जेजेपी और इनेलो का मुकाबला नोटा से था और ये दोनों पार्टियां नोटा से भी हार गई थी।

विनेश फोगाट का सरकार पर तीखा हमला

जींद हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार और पहलवान से नेता बनीं विनेश फोगाट ने भाजपा सरकार पर जोरदार हमला बोला है। जुलाना विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस की उम्मीदवार विनेश फोगाट ने अपने नामांकन के बाद भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के 'हाथ' का चुनाव चिन्ह 5 अक्तूबर को भाजपा सरकार पर एक थप्पड़ की तरह काम करेगा। विनेश ने कहा कि हमारे कांग्रेस के हाथ का चिन्ह इस बार एक थप्पड़ की तरह भाजपा को मारेगा। 5 अक्तूबर को यह थप्पड़ भाजपा सरकार को सत्ता से बाहर कर देगा। उन्होंने भाजपा सरकार पर हरियाणा के लोगों का सम्मान न करने का आरोप लगाया और कहा कि ऐसी सरकार की जरूरत नहीं है,

जो अपने लोगों का सम्मान न करे।

विनेश ने बेरोजगारी और सम्मान की कमी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि हम पिछले 10 सालों से चली आ रही बेइज्जती और बेरोजगारी का बदला लेना चाहते हैं। हम अपने सम्मान की रक्षा के लिए अपनी जान की बाजी लगाने को तैयार हैं, लेकिन भाजपा सरकार ने हमारे सम्मान का ध्यान नहीं रखा। ऐसी सरकार का क्या फायदा, जो हमारे सम्मान की रक्षा नहीं कर सकती।

फगवाड़ा में मेडिकल स्टोर पर लूट के दो आरोपी गिरफ्तार, चार दिन बाद चढ़े पुलिस के हत्थे

कपूरथला कपूरथला के फगवाड़ा शहर की पॉश कॉलोनी गुरु हरगोबिंद नगर में शनिवार को एक मेडिकल स्टोर पर लूट की वारदात को अंजाम देने वाले दो शातिर लूटेरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शातिरों ने दिन के उजाले में वारदात को अंजाम दिया था। घटना के चार दिन बाद पुलिस आरोपियों तक पहुंची और दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान मुन्ना कुमार उर्फ रावण निवासी जगत राम सूंढ कॉलोनी व अमित कुमार उर्फ अंबा निवासी पलाही गेट फगवाड़ा के रूप में हुई। एसपी फगवाड़ा रूपिंदर कौर भट्टी ने बताया कि शनिवार को गुरु हरगोबिंद नगर में दिनदहाड़े सेठी मेडीकोज से नगदी लूटी थी।

थाना सिटी एसएचओ जितेंद्र कुमार ने पुलिस पार्टी सहित बंगा रोड बसरा पैलेस के निकट नाकाबंदी के दौरान दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपी मुन्ना और अमित कुमार ने मिलकर मेडिकल स्टोर पर घटना को अंजाम दिया। मुन्ना के खिलाफ थाना सिटी में चोरी और नशा तस्करी सहित कुल चार मुकदमें दर्ज हैं। आरोपी अमित कुमार कुछ समय से मुन्ना कुमार के साथ शामिल हुआ था। उन्होंने बताया कि आरोपियों का स्थानीय अदालत से पुलिस रिमांड लिया गया है और पूछताछ में और भी खुलासे होने की संभावना है।

जगरांव में PNB के एटीएम से 17 लाख की लूट, चार नकाबपोशों ने कटर से काटा

जगरांव जगरांव-रायकोट रोड पर स्थित गांव लम्मे में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) एटीएम में मंगलवार की देर रात को लुटेरों ने लाखों रुपये की लूट की घटना को अंजाम दिया। घटना का पता बुधवार की सुबह उस समय लगा जब गांव के एक व्यक्ति ने एटीएम बूथ को टूटा देखा। इसके बाद उसने बैंक मैनेजर फोन पर सूचना दी।

बैंक अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना की सूचना पुलिस को दी। जगरांव रायकोट व हठूर की पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का जायजा लिया। पुलिस ने वहां लगे सीसीटीवी खंगाले तो पता चला कि दो बाइक्स पर आए चार लुटेरों ने पहले एटीएम के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों पर स्प्रे मारा। फिर एटीएम का शटर कटर से काट कर अंदर घुसे। इतना ही नहीं लुटेरों ने अंदर घुसते ही एटीएम में लगे कैमरो पर स्प्रे मार कर एटीएम को कटर से काटा।

सूत्रों के मुताबिक एटीएम से लुटेरे 17 लाख रुपये लेकर फरार हो गए। लुटेरे अपने साथ लाया गैस कटर का सिलेंडर भी एटीएम में छोड़ गए। लुटेरों ने अपने चेहरे ढके हुए थे। कुछ दिन पहले भी लुटेरों ने पक्खोवाल रोड पर एटीएम लूटने की कोशिश की थी लेकिन हूटर बजने पर लुटेरे मौके से फरार हो गए थे।

वहीं मामले को लेकर बैंक मैनेजर रेशव अग्रवाल ने बताया कि लुटेरों ने कैमरो पर स्प्रे मारने के साथ साथ सिक्योरिटी सिस्टम को भी बद कर दिया था। जिस कारण हटूर नहीं बजा। उन्होंने कहा कि लुटेरों ने नकदी लुटने के साथ एटीएम को भी पूरा काट दिया और सिक्योरिटी सिस्टम भी खत्म कर दिया। वहीं डीएसपी रछपाल सिंह ढीढ़सा ने कहा कि पुलिस हर एंगल से मामले की जांच करने के साथ साथ कैमरे खंगाल रही है जल्द ही लुटेरों को पकड़ लिया जाएगा।

डॉग स्क्वायड व फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य...पुलिस के अलावा घटना स्थल पर डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। फॉरेंसिक टीम ने मौके से सबूत जुटाए हैं। टीम ने लुटेरों के हाथों के निशान लिए हैं ताकि किसी जगह पर आरोपियों के निशान मैच कर सकें।

शाम रेकी कर रात को दिया वारदात को अंजाम...मंगलवार को देर रात को एटीएम लूटने की वारदात को अंजाम देने वाले लुटेरों ने मंगलवार की शाम को पहले पूरे गांव समेत एटीएम संबंधी रेकी की थी। इस सबंधी गांव के लोगों ने बताया कि मंगलवार की शाम को दो युवक एटीएम को लेकर पूछताछ कर रहे थे। युवकों ने पूछा कि गांव में और कहीं एटीएम लगा है। बाइक सवार गांव के रास्ते देखते हुए निकल गए जिसको लेकर अब पुलिस सोमवार से लेकर मंगलवार की सीसीटीवी कैमरो की रिकार्डिंग चेक कर रहे है।

टिकट आवंटन से नाराज पूर्व विधायक बख्शीश विर्क भाजपा छोड़ कांग्रेस में हुए शामिल

चंडीगढ़। टिकट आवंटन से नाराज होकर पूर्व सीपीएस व असंध से पूर्व विधायक सरदार बख्शीश सिंह विर्क मंगलवार को भाजपा का साथ छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए। विर्क के साथ भाजपा किसान मोर्चा के प्रधान संजय दूहन, महामंत्री दिलावर मान, हरको बैंक निदेशक हरप्रीत सिंह समेत कई गांवों के

सरपंचों, पार्षदों, चेयरमैन व कार्यकताओं ने भी कांग्रेस का हाथ थामा। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा और प्रदेशाध्यक्ष चौधरी उदयभान ने पटका पहनाकर सभी का स्वागत कर पार्टी में पूरा मान-सम्मान देने का भरोसा दिलाया।

जजपा-हलोपा भाजपा की बी टीम...हुड्डा ने कहा कि बख्शीश सिंह विर्क के कांग्रेस में आने से ना सिर्फ असंध बल्कि कई विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी को बढ़त मिलेगी। उन्होंने कहा कि इनेलो, जजपा और हलोपा भाजपा की बी टीम हैं। सिरसा में इनकी जुगलबंदी सार्वजनिक भी हो चुकी है। कांग्रेस विरोधी पार्टियां ड्रामा करके एक-दूसरे की मदद कर रही हैं। भाजपा की साजिश नहीं चलेगी और प्रदेश की 36 बिरादरी कांग्रेस को प्रचंड बहुमत से सत्ता में लाने का मन बना चुकी है।

मुफ्त बिजली, एक लाख नौकरियों का किया वादा...हुड्डा ने वादा किया कि सरकार में आने पर एक वर्ष में एक लाख पक्की नौकरियां और 300 यूनिट बिजली मुफ्त देंगे। साथ ही बुजुर्गों को 6 हजार रुपये महीना पेंशन और 500 रुपये में घरेलू गैस सिलिंडर भी मिलेगा।

झज्जर पुलिस की कार्रवाई: बेरी में अपहरण की झूठी सूचना

झज्जर ।बेरी में अपहरण की सूचना फर्जी निकली। दरअसल, रील बनाने के चक्कर में युवकों ने अपहरण की झूठी घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने इस मामले में सात युवकों को गिरफ्तार किया है। एसीपी अनिल कुमार ने बताया कि 17 सितंबर को पुलिस को सूचना मिली थी कि बेरी चौक से एक लड़के का अपहरण कर लिया गया है। अपहरणकताओं ने अपने चेहरे ढके हुए थे, जिससे मामला गंभीर प्रतीत हो रहा था।

पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कई टीमों का गठन किया और सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। फुटेज में अपहरण में इस्तेमाल की गई स्कॉर्पियो गाड़ी बेरी की ओर जाते हुए दिखाई दी। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर नाकाबंदी की और दुबलधन की ओर से आ रही गाड़ी को रोका। गाड़ी में ड्राइवर साहिल और अन्य युवकों अमन, हरि ओम, रविंद्र, और कुनाल को पकड़ा गया।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि ये युवक यूट्यूब चैनल के लिए अपहरण का वीडियो शूट कर रहे थे, जिससे वे पैसे कमा सकें। इस झूठी घटना से बेरी शहर में दहशत फैल गई थी, जिसके चलते पुलिस ने युवकों की गाड़ी को इंपाउंड कर लिया है और उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर लिया गया है। एसीपी अनिल कुमार ने बताया कि बिना परमिशन के इस तरह की वीडियो या कोई अन्य एक्टिविटी करना कानूनन गलत है और भविष्य में अगर कोई ऐसा करता है तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बठिंडा में गद्दा फैक्टरी में लगी भीषण आग, तीन मजदूर जिंदा जले

बठिंडा बठिंडा के डबवाली रोड पर गांव गहिरी बुट्टर में गद्दा फैक्टरी हेरिटेज इडस्ट्रीज में रात करीब 10 बजे भीषण आग लग गई। आग में तीन मजदूरों की जिंदा जलने से मौत गई। आग इतनी भयानक थी कि इसकी लपटें दूर से दिखाई दे रही थी। आग की सूचना पाकर बठिंडा फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, लेकिन आग तेजी से फैल रही थी और फैक्टरी का शैड गिर गया था। हालात बेकाबू होते देख बठिंडा के प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और श्री गुरु गोविंद सिंह रिफाइनरी और हरियाणा के डबवाली से फायर टेंडर बुलाए गए। बड़ी संख्या में विभिन्न पुलिस स्टेशनों की पुलिस भी मौके पर तैनात की गई। फैक्टरी में काम करने वाले बलकार सिंह ने बताया कि वह पांच लोग स्लैब लगा रहे थे। इसी दौरान आग लग गई। वह तो अपने साथी के साथ भाग कर फैक्टरी से बाहर आ गया लेकिन उसके तीन साथी लखवीर सिंह, निंदर सिंह और विजय सिंह फंस गए। मौके पर पहुंचे एडीसी नरिंदर सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन ने आग पर काबू पाने के लिए बठिंडा के साथ-साथ अन्य जिलों से भी दमकल की गाड़ियां बुलाई। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन इस हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई है। जांच की जा रही है कि आग कैसे लगी।

पंजाब की पहली कृषि नीति का ड्राफ्ट जारीः 15 डार्क जोन में धान की बुआई पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश

चंडीगढ। पंजाब सरकार ने प्रदेश की पहली कृषि नीति-2023 का ड्राफ्ट जारी कर दिया है। इस पर प्रदेश के किसान जत्थेबंदियों से जोकि स्टेकहोल्डर हैं, उनसे सुझाव मांगे गए हैं। ड्राफ्ट जारी करने के साथ ही खेती में बदलाव और सुधार के लिए कुछ सिफारिशें भी की गई हैं। पंजाब राज्य किसान आयोग के अध्यक्ष व कृषि वैज्ञानिक डॉ. सुखपाल सिंह ने प्रदेश में 15 डार्क जोन में धान की बुआई पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की है। उन्होंने कहा कि ये वो डार्क जोन हैं जहां भू-जलस्तर 400 से 500 फीट तक नीचे जा चुका है।

धान की बुआई के कारण यहां बड़े स्तर पर जल संकट के साथ ही खराब पैदावार से किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। इससे बेहतर है कि इन जोन में किसानों को दूसरी फसलों की तरफ जाना चाहिए।

साथ ही कहा है कि कृषि क्षेत्र में सब्सिडी के रूप में खर्च हो रही बिजली सब्सिडी को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। दरअसल प्रदेश में 14 लाख कृषि पंपसेट हैं जोकि निःशुल्क बिजली प्राप्त कर रहे हैं। इन्हें सालाना दी जाने वाली 10 हजार करोड़ की बिजली सब्सिडी को खत्म करने की ओर इशारा किया गया है। इसके अलावा पंचायती जमीन पर धान की खेती न करने को भी कहा गया है। साथ ही कहा है कि ज्यादा पानी वाली फसलों के अलावा वैकल्पिक फसलें बोई जानी चाहिए और सभी पर एमएसपी दिया जाना चाहिए।

एमएसपी और वास्तविक मूल्य के अंतर के लिए एक हजार करोड़ का विशेष कोष...नीति के तहत राज्य सरकार को सुझाव दिया है कि वह केंद्र से संपर्क करे और सुनिश्चित करे कि किसानों को न केवल एमएसपी बल्कि उचित मूल्य भी दिया जाए। अगर फसलों पर एमएसपी नहीं है तो एमएसपी और वास्तविक मूल्य के बीच के वित्तीय अंतर को भरने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का एक कोष बनाया जाना चाहिए। किसानों और खेत मजदूरों की आय बढ़ाई जानी चाहिए।

जीरकपुर और मोहाली मार्केट हब के रूप में विकसित होगा...चंडीगढ़-जयपुर कॉरिडोर को कांडला बंदरगाह से जोड़ने के उद्देश्य से जीरकपुर और मोहाली को पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और अन्य राज्यों के फलों और सब्जियों के विपणन के लिए मार्केट हब के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।

ऑपरेशन बिलो द बेल्ट: लेबनान के पेजर में धमाकों के लिए बनाई गई खास रणनीति, किस्का-3 ने हिजबुल्ला पर बरपाया कहर

लेबनान। लेबनान में हुए तेज धमाको को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। दुनिया भर की बड़ी खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी के मुताबिक पेजर में हुए धमाकों के लिए ऑपरेशन 'बिलो द बेल्ट' नाम दिया गया था। यही नहीं पेजर के माध्यम से हिजबुल्ला पर हमला करने वाली एजेंसी ने बाकायदा ताइवान की बैटरियों को एक बड़े शिपमेंट के दौरान बदल दिया था। जो बैटरी इस दौरान बदली गई वह एक विशेष लैब में तैयार की गई थी। इसके लिए पांच महीने पहले ही धमाका करने वाली एजेंसी में लेबनान की ओर से निकाले गए एक टेंडर के बाद इस तरीके की रणनीति बनाई थी।

फिलहाल दुनिया भर के रक्षा विशेषज्ञ और खुफिया एजेंसियों के लिए अब इस तरीके से हुआ हमले को एक बड़ी चुनौती मान रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, इस्राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने इस पूरे ऑपरेशन को अंजाम देने की पांच महीने पहले रणनीति बनाई थी। खुफिया एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक, पांच महीने पहले लेबनान की ओर से ताइवान की अपोलो गोल्ड कंपनी के पेजर में बैटरी बदलने का टेंडर निकाला गया था।

इस टेंडर को लेबनान ने बी एंड एच फोटो के नाम से निकाला था। लेबनान में हिजबुल्ला के आतंकी पेजर का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए इस्राइल ने इस टेंडर के आधार पर आगे की रणनीति बनाने का बड़ा प्लान तैयार किया। दुनिया भर की तमाम खुफिया एजेंसियों को मिले इनपुट के आधार पर पता चला है कि जिस बैटरी का टेंडर ताइवान की कंपनी को हिजबुल्ला के आतंकियों के लिए बनाकर भेजना था। ठीक उसी स्पेसिफिकेशन की बैटरियों को इस्राइल की खुफिया एजेंसियों ने एक लैब में तैयार किया। इंटरनेशनल खुफिया एजेंसीज के पास जो सूचनाएं आई है उसमें पता चला है कि इस्राइल खुफिया एजेंसी ने लैब में तैयार की गई बैटरी में 'किस्का 3' नाम का एक विस्फोटक पदार्थ लगाया। जिसको अलग-अलग तारों के माध्यम से हिजबुल्ला के पेजर में लगाई जाने वाली बैटरी में पैबस्त कर दिया गया। उसके बाद इंतजार यह किया गया कि कब यह शिपमेंट ताइवान से चलकर लेबनान की ओर पहुंचने वाला है।

जानकारी के मुताबिक, जैसे ही हिजबुल्ला के आतंकियों के पेजर में लगाए जाने वाला बैटरी वाला शिपमेंट हवाई रास्ते से जाने के लिए निकला तो इस्राइल की खुफिया एजेंसियों ने उसको रोक लिया। रोकने के दौरान खुफिया एजेंसी ने खुद को विदेश से आने वाले सामान को चेक करने वाली एजेंसी के तौर पर पेश किया और बाद में इन बैटरियों के शिपमेंट को सीज कर दिया। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान ताइवान से आ रही 5000 बैटरियों की जगह पर अपनी लैब में तैयार की गई बैटरी से बदल दिया गया। खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्र बताते हैं कि इस पूरे ऑपरेशन को इस्राइल की खुफिया एजेंसी ने 'बिलो दी बेल्ट' नाम दिया था। दरअसल, इस ऑपरेशन का नाम 'बिलो द बेल्ट' दिए जाने के पीछे भी एक बड़ा मकसद था। खुफिया सूत्रों के मुताबिक, पेजर ज्यादातर लोगों की जेब में रहता है।

ऐसे में मकसद यही था कि विस्फोट के समय यह पेजर कमर के नीचे जेब में ही ब्लास्ट करेगा। जिससे शरीर के निचले हिस्से के अंग सबसे ज्यादा क्षतिग्रस्त हो सके। यही वजह है कि इस धमाके में ज्यादातर लोगों के निचले हिस्से समेत चेहरे और आंखों पर चोट लगी। खुफिया एजेंसियों से जुड़े सूत्रों का मानना है कि हमला करने वाली एजेंसी ने बिलो द बेल्ट नाम भी इसी वजह से दिया था कि उनके कमर के निचले अंगों को ज्यादा से ज्यादा क्षतिग्रस्त किया जा सके। खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, सिर्फ इस्राइल की एजेंसी ने हिजबुल्लाह के पेजर की बैटरियां ही नहीं बदली] बल्कि उसकी फ्रीक्वेंसी को भी हैक कर लिया था।

पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने PM मोदी को बताया शानदार व्यक्ति कहा- अमेरिका दौरे के दौरान होगी उनसे मुलाकात

वॉशिंगटन पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने अगले तीन दिवसीय अमेरिकी दौरे के दौरान उनसे मुलाकात करेंगे। रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ट्रंप ने आयात शुल्क के मुद्दे पर भारत की आलोचना की, वहीं पीएम मोदी को उन्होंने 'शानदार व्यक्ति' बताया। पीएम मोदी 21 से 23 सितंबर तक अमेरिका के दौरे पर रहेंगे। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अगले हफ्ते अमेरिका में उनसे मिलेंगे। यह जानकारी उन्होंने मिशिगन में एक टाउन हॉल बैठक के दौरान दी। डोनाल्ड ट्रंप ने भारत द्वारा आयात पर उच्च शुल्क लगाने की बात दोहराई। इस मुद्दे को लेकर उन्होंने भारत को 'गलत व्यवहार' करने वाला बताया।

व्यापार और आयात शुल्क से जुड़े सवालों पर ट्रंप ने कहा, वे बहुत तेज दिमाग वाले लोग हैं। वे थोड़ा भी पीछे नहीं है। आप उनके हाव-भाव से जानते हैं कि वे अपने खेल में शीर्ष पर हैं और वे इसका इस्तेमाल हमारे खिलाफ करते हैं। भारत और ब्राजील सख्त हैं। चीन सबसे ज्यादा सख्त है। उन्होंने कहा, हम समान व्यापार करने जा रहे हैं। अगर कोई हम पर 10 सेंट, 2 डॉलर का शुल्क लगाता है, तो हम भी उतना ही शुल्क लगाएंगे। अगर वे 100 फीसदी या 250 फीसदी शुल्क लगाते हैं, तो हम भी वहीं करेंगे।

और क्या होगा? सब कुछ खत्म हो जाएगा और हम फिर से शुल्क मुक्त व्यापार कर पाएंगे। वहीं, ट्रंप के बयान पर विदेश मंत्रालय ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। पीएम मोदी अपनी यात्रा की शुरूआत क्वाड नेताओं के सम्मेलन से करेंगे, जिसकी मेजबानी राष्ट्रपति जो बाइडन डेलावेयर के विलमिंगटन में करेंगे। इस सम्मेलन में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा भी शामिल होंगे। इसके बाद मोदी न्यूयॉर्क जाएंगे और 22 सितंबर को लॉन्ग आइलैंड में एक बड़े सामुदायिक कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इकके अगले दिन वह संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में 'समिट ऑफ द फ्यूचर' कार्यक्रम में वैश्विक नेताओं को संबोधित करेंगे।

मोदी की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब दो महीने बाद ही देश में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। इन राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं। अमेरिका में आम चुनाव पांच नवंबर को होंगे।

जलखारिया गांव में नहीं पहुंच पाता है एंबुलेंस खटिया पर लादकर अस्पताल पहुंचाए जाते हैं मरीज

संवाददाता।

जमुई। जमुई जिले के चकाई प्रखंड के जलखारिया गांव में आज तक विकास नहीं पहुंचा है। गांव वालों को बुनियादी सुविधाएं भी नहीं मिल रही हैं। उन्हें अपनी जान जोखिम में डालकर जीना पड़ता है। बीमार होने पर मरीजों को खटिया पर लादकर अस्पताल ले जाना पड़ता है।

जलखारिया गांव, जमुई जिले के चकाई प्रखंड के पेटरपहाड़ी पंचायत में स्थित है। यह गांव आज भी विकास से वंचित है। यहां के लोगों को मूलभूत सुविधाएं भी नसीब नहीं हैं। उनका जीवन कठिनाइयों और संघर्षों से भरा है। किसी भी आपात स्थिति में उन्हें अपनी जान हथेली पर लेकर कदम उठाना पड़ता है। स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति इतनी दयनीय है कि अगर कोई बीमार पड़ जाए तो उसे खटिया पर लादकर अस्पताल ले जाना पड़ता है।

गांव वालों का जीवन कठिनाइयों से भरा है। उन्हें हर दिन कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। गांव की हालत इतनी खराब है कि यह देखकर कोई भी हैरान रह जाएगा। सबसे बड़ी समस्या पक्की सड़क का अभाव है। लोगों को साल भर कच्चे रास्ते से आना-जाना पड़ता है। बारिश के मौसम में यह रास्ता कीचड़ में तब्दील हो जाता है। गांव पहुंचने के लिए एक नदी भी पार करनी पड़ती है जो बारिश में उफान पर होती है। लोग अपनी जान जोखिम में डालकर इस नदी को पार करते हैं। लगभग छह महीने तक गांव वालों को भगवान भरोसे ही रहना पड़ता है। गांव में एम्बुलेंस तो दूर छोटी गाड़ी भी ठीक से नहीं पहुंच पाती है। ऐसे में अगर कोई अचानक बीमार हो जाए तो उसे खटिया पर लादकर अस्पताल ले जाना पड़ता है। हाल ही में ऐसा ही एक मामला सामने आया जब गांव के 50 वर्षीय अनिल कुमार दास जंगल में बेहोश हो गए। ग्रामीणों ने उन्हें खटिया पर लादकर अस्पताल पहुंचाया लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।

अगर अनिल कुमार दास को समय पर इलाज मिल जाता तो शायद उनकी जान बच सकती थी। यह घटना गांव में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली को उजागर करती है। गांव वालों को उम्मीद है कि सरकार उनकी समस्याओं पर ध्यान देगी और जल्द ही उनके गांव में विकास की किरण पहुंचेगी।

जनसुराज का करवा बढ़ रहा है गांव की ओर : डा.कोदो हवारी

पश्चिम चम्पारण/योगापट्टी। जनसुराज के पश्चिम चंपारण के संगठन नई योजना जनसुराज गांव की ओर को प्रबलता से बढ़ाते हुए आज योगापट्टी प्रखंड के अन्तर्गत दुबौलिया नगर पंचायत में जनसुराज का संवाद किया गया ' जिसमे दुबौलिया नगर पंचायत के बूढ़े, बुजुर्ग, नौजवानों ने चढ़बढ़कर भाग लिए ' इस सभा के अध्यक्षता मो.नुरैन तथा संचालन डा.कोदो हवारी ने किए ' वही इस सभा को जिला अध्यक्ष कृष्णा बिंद,युवा प्रदेश कार्यवाहक समिति सदस्य किशोर कुशवाहा, जिला प्रवक्ता ई.सिकंदर चंद्रा, सुनील मुखिया, जिला उपाध्यक्ष ई.इस्तेयाक शोला, ई.शमशाद शोला,प्रखंड संयोजक अमित तिवारी, स्थानीय सरपंच एवम सह संयोजक ललन साह,प्रखंड

महासचिव संजीव कुमार,अनिल यादव , कृष्णा कुमार,ने संबोधित किए ' सभा को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष कृष्णा बिंद ने कहा की जनसुराज बिहार के गरीबों की पार्टी है और बिहार की बदतर हालत को बदलने के लिए 2025 की विधान सभा चुनाव में 243 सीटो पर लड़ने जा रही है और बिहार में अपनी सरकार बनाने जा रही है ' वही जिला प्रवक्ता ई.सिकंदर चंद्रा ने संबोधन के दौरान बताए की 2 अक्टूबर को जनसुराज अभियान पार्टी के रूप ले लेगी और यह पहली पार्टी होगी जो एक करोड़ से अधिक संस्थापक सदस्य के साथ पार्टी बनेगी ' वही प्रखंड अध्यक्ष मो.नुरैन ने संबोधित करते हुए कहा की बिहार की बदहाली से मुक्ति दिलाने के लिए जनसुराज को मजबूत करने के हमलोग को जाती धर्म से ऊपर उठकर साथ देने की जरूरत है '

पटना : कई इलाकों में फैला गंगा के बाढ़ का पानी

संवाददाता।

पटना। बिहार के पटना जिला में मोकामा प्रखंड के कुछ क्षेत्र में गंगा नदी का पानी आने लगा है। गंगा नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि होने पर प्रशासन ऐक्शन मोड में आ गया है। मोकामा सीओ ने बताया कि स्थिति पर प्रशासन की कड़ी नजर है।

मोकामा के बीडीओ कुमारी पूजा और सीओ मोहम्मद इंकेसाफ आलम ने संयुक्त रुप से कहा कि दियारा, बरहपुर, शिवनार समेत कई गांवों का दौरा किया और जीरो ग्राउंड का अवलोकन किया। मोकामा जंजीरा दियारा से लोगों का पलायन होने लगा है। मोकामा के प्रखंड क्षेत्र कसहा दियारा में गंगा नदी का पानी कुछ भाग में प्रवेश करने लगा है।

गंगा नदी का जलस्तर बक्सर से लेकर मुंगेर तक राइजिंग ट्रेंड में है। गंगा नदी के जलस्तर में हुई वृद्धि से निचले इलाकों में पानी फैल गया है। खासकर दियारा के इलाकों में फिर से लोगों की मुश्किलें बढ़ने लगी है।

गया पितृपक्ष मेला : डीएम-एसएसपी ने स्वयं वाहनों पर रेट चार्ट की जांच की

संवाददाता।

गया । वरीय पुलिस अधीक्षक गया एवं जिला पदाधिकारी गया द्वारा पितृपक्ष मेला 2024 में यात्री वाहनों के लिए निर्धारित रेट चार्ट को सभी वाहनों पर चिपकाया गया है या नहीं एवं निर्धारित रेट चार्ट का अनुपालन हो रहा है या नहीं, इसकी जाँच की गई। इस दौरान, विष्णुपद मंदिर से प्रेतशिला जाने वाले मार्ग में यात्री वाहनों को रोककर पितृपक्ष मेला 2024 में आए तीर्थ यात्रियों,श्रद्धालुओं से लिए जा रहे किराया के बारे में पूछताछ की गई। इसके साथ ही निर्धारित रेट चार्ट से अधिक किराया लेने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया गया।

मुंगेर : स्मार्ट मीटर का विरोध किया तो पूरे गांव की काटी बिजली

रात होते ही छाता है अंधेरा

संवाददाता।

मुंगेर। मुंगेर जिला के असरगंज प्रखंड के मकवा पंचायत अंतर्गत नया बदरखा में बिजली उपभोक्ताओं ने प्रीपेड मीटर लगाने का विरोध किया तो बिजली विभाग ने भी उन्हें इसकी सजा दे दी। बिजली विभाग ने इस गांव में विद्युत आपूर्ति ही बंद कर दी है। जिसकी वजह से लोगों की परेशानी बढ़ गयी है। बिजली नहीं रहने के कारण पीने का पानी, मोबाइल चार्जिंग समेत अन्य समस्याएं लोगों के सामने उत्पन्न हो गई। वहीं रात होते ही इस टोले में अंधेरा छाया रहने लगा है।

मालूम हो कि नया बदरखा मोहल्ले में लगभग 75 विद्युत उपभोक्ता साधारण मीटर से अबतक बिजली का उपयोग कर रहे हैं। प्रीपेड मीटर का इन लोगों ने विरोध कर दिया और स्मार्ट मीटर नहीं लगने दिया। जिसके बाद मोहल्ले की बिजली ही काट दी गयी। गांव की बुजुर्ग महिला कुंती देवी ने बताया कि बिजली नहीं रहने से रात भर गर्मी में हम लोग परेशान रहते हैं। हाथ पंखा से समय गुजारना पड़ता है। गांव की एक अन्य महिला ने बताया कि प्रीपेड मीटर में ज्यादा बिल आने की शिकायत है। हम लोग मजदूरी करके गुजारा करते हैं। हमलोग प्रीपेड स्मार्ट मीटर से बिजली नहीं जला पाएंगे।

सासाराम : काम के बदले रु 20-40 की घूस ले रहा चकबंदी कार्यालय का कर्मचारी

बिहार जमीन सर्वे कार्य, रोहतास जिले का मामला

संवाददाता।

सासाराम। बिहार में भूमि सर्वेक्षण के दौरान रिश्वतखोरी का एक और मामला सामने आया है। रोहतास जिले के सासाराम में चकबंदी कार्यालय का एक कर्मचारी काम के बदले पैसे लेते हुए वीडियो में कैद हुआ है। वीडियो में दिख रहा है कि कर्मचारी 20 और 40 रुपये लेकर लोगों का काम कर रहा है। घटना 18 सितंबर, 2024 की है। वीडियो सामने आने के बाद उप निदेशक (चकबंदी) सह अपर समाहर्ता व अपर जिला दंडाधिकारी ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। जांच दल में सहायक चकबंदी पदाधिकारी सासाराम और काराकाट को शामिल किया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब से भूमि सर्वेक्षण का काम शुरू हुआ है, तब से सरकारी दफ्तरों में रिश्वतखोरी का बोलबाला हो गया है। लिपिक और कर्मचारी स्तर के लोग खुलेआम पैसे मांग रहे हैं।

इससे पहले भी रोहतास जिले के दिनारा में चकबंदी कार्यालय का एक कर्मचारी रिश्वत लेते हुए वीडियो में कैद हुआ था। उस मामले में कर्मचारी को निलंबित कर दिया गया था। चकबंदी कार्यालय के उप निदेशक चंद्रशेखर प्रसाद सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच की जा रही है। जांच दल को जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है।

गौरतलब है कि बिहार में इन दिनों भूमि सर्वेक्षण का काम जोरों पर है। लोग अपनी जमीन के कागजात बनवाने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। ऐसे में रिश्वतखोरी के मामलों से लोगों में नाराजगी है।वायरल वीडियो में दिख रहे कर्मचारी ने क्या कहा, इसका पता नहीं चल सका है। 'द न्यूज फिफ्टिन' इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

गया : विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला का भव्य उद्घाटन

दीपक/धीरज।

गया। विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष महासंगम 2024 का भव्य उद्घाटन उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा और बिहार के मंत्री एवं सांसद,विधायक ने दीप प्रज्वलित कर किया । इस दौरान तर्पण नामक पुस्तक का विमोचन भी किया गया।इस मौके पर बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार, जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी, लघु जल संसाधन मंत्री संतोष कुमार सुमन, बिहार सरकार के मंत्री सह प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, औरंगाबाद सांसद अभय कुशवाहा, विधायक विनय कुमार यादव, ज्योति मांझी, अनिल कुमार, एमएलसी कुमुद वर्मा, जिला परिषद अध्यक्ष नैना देवी,मगध आईजी क्षत्रनील सिंह, गया डीएम डॉक्टर त्यागराजन एसएम , एस एस पी आशिष भारती, डीटीओ गया जिला,भाजपा जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश चिंटु,धनराज शर्मा, जैनेन्द्र कुमार, कमलेश सिंह,हम के जिलाध्यक्ष, केन्द्रीय मंत्री सांसद प्रतिनिधि आदि मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि आज बड़ा ही गौरव का दिन है, जहां एक तरफ अनंत चतुर्दशी है, वहीं दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन भी है और वहीं, विश्वकर्मा पूजा भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भगवान विश्वकर्मा के बेटा बनकर देश के चहुमुंखी विकास में लगे हुए हैं। अवध और काशी की तर्ज पर गया का भी विकास हो रहा है। कॉरिडोर बनाया जा रहा है। पितृपक्ष मेला का आज उद्घाटन हुआ है।इस बार विष्णुधाम में तीर्थ यात्रियों को गंगाजल का उपहार मिलेगा।गया में तीर्थ यात्रियों को गंगाजल का उपहार के लिए लगातार पैकेजिंग हो रही है। बड़े पैमाने पर गंगाजल की पैकेजिंग हो चुकी है। गया धाम में यह पहली बार होगा, जब तीर्थ यात्री पितृपक्ष मेले में यहां से गंगाजल उपहार के तौर पर लेकर जाएंगे। आगे बताया जा रहा है कि 200 एमएल के पैक बन में रहा गंगाजल तीर्थ यात्रियों को उनके घर लौटने के वक्त दिया जाएगा। गंगाजल का उपहार इस बार गया धाम से दिया जाएगा।

बाबा खगेश्वरनाथ में गरुड़ की नई प्रतिमा स्थापित

राजस्थान से मंगाई गई संगमरमर की प्रतिमा, अनन्त चतुर्दशी पर हुई स्थापना एवं प्राण-प्रतिष्ठा पूजन

दीपक तिवारी।

मुजफ्फरपुर। अनंत चतुर्दशी के मौके पर क्षेत्र के अति प्राचीन बाबा खगेश्वर नाथ मंदिर मतलुपुर में संगमरमर से निर्मित गरुड़ की नई प्रतिमा का स्थापना किया गया है। प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा पूजा के बाद इसे प्रतिस्थापित किया गया। पूजा के दौरान मौजूद अमृतेश कुमार एवं अन्य लोगों ने बताया कि राजस्थान से यह प्रतिमा मंगाई गई है। संगमरमर से यह निर्मित है। उन्होंने बताया कि आज अनंत चतुर्दशी है। भगवान विष्णु का वाहन गरुड़ है और आज विशेष तिथि में भगवान विष्णु के अनंत स्वरूपों की पूजा अर्चना की जाती है। लिहाजा बाबा खगेश्वर नाथ के दरबार में गरुड़ के नए स्वरूप में नए प्रतिमा का स्थापना किया गया है। उन्होंने बताया कि गरुड़ की प्राचीन प्रतिमा पहले से स्थापित है, लेकिन किसी कारण से वह खंडित हो गई है। लिहाजा नई प्रतिमा का स्थापना किया गया है। संगमरमर की नई प्रतिमा राजस्थान से मंगाई गई है।उन्होंने बताया कि पंडित परमानंद झा के द्वारा पूजन के बाद काशी प्रसाद मेहता एवं रामनरेश मेहता(मुरौल नगर मुख्य पार्षद)के द्वारा प्रतिमा स्थापित कराया गया।मौके पर पूर्व कुलपति डॉ गोपाल जी त्रिवेदी,अमृतेश कुमार,संजय त्रिवेदी,मनोज त्रिवेदी,ललन त्रिवेदी,राजन झा आदि भी थे।

पाकिस्तान के बैलिस्टिक प्रोजेक्ट पर अमेरिका ने जताई चिंता, पिछले हफ्ते चीनी संस्थानों पर लगाया था प्रतिबंध

वॉशिंगटन। अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को लेकर चिंता व्यक्त की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि परमाणु हथियार किसी के लिए भी ठीक नहीं है, इसके प्रसार पर लगाम लगाने के लिए अमेरिका प्रतिबद्ध है। मंगलवार को एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मिलर ने कहा कि पिछले हफ्ते अमेरिका ने छह चीनी संस्थानों और एक बेलारूसी इकाई के खिलाफ कार्रवाई की, जिन्होंने पाकिस्तान के मिसाइल कार्यक्रम की आपूर्ति के लिए काम किया।

पाकिस्तान के बैलिस्टिक कार्यक्रम के आपूर्तिकर्ताओं पर लगा प्रतिबंध...अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक कार्यक्रम के आपूर्तिकर्ताओं पर प्रतिबंध लगाया है। इस प्रतिबंध पर अमेरिका की चिंता को लेकर मिलर से सवाल किया गया। उन्होंने इससे जुड़ी गतिविधियों का समर्थन करने वाले नेटवर्कों के खिलाफ कार्रवाई करने की प्रतिबद्धता जताई। मिलर ने कहा, ऐसे खतरनाक हथियार किसी के लिए बेहतर विकल्प नहीं हैं। इसके खिलाफ कार्रवाई करके अंतरराष्ट्रीय अप्रसार व्यवस्था को मजबूत करने पर हमारा फोकस है। पिछले हफ्ते छह पीआरसी संस्थाओं और एक बेलारूसी संस्था के खिलाफ हमने कार्रवाई की, जो सदियों से पाकिस्तान की मिसाइल कार्यक्रम में आपूर्ति के लिए काम कर रहे थे। मैथ्यू मिलर ने कहा, "पाकिस्तान के लंबी दूरी के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को समर्थन देने से इनकार करना अमेरिका की नीति रही है।

18 घंटे काम के बाद बाइक पर झपकी लेने के दौरान डिलीवरी एजेंट की मौत

बीजिंग चीन में फूड डिलीवरी करने वाले एक 55 वर्षीय व्यक्ति की 18 घंटे काम करने के बाद बाइक में झपकी लेने के दौरान मौत हो गई। यह घटना इस महीने की शुरूआत में दक्षिणी चीन के झेजियांग प्रांत के हांग्जो में घटी। इस घटना का वीडियो चीनी सोशल मीडिया साइट पर वायरल हो रहा है, जिसके बाद देश भर में डिलीवरी एजेंटों के कल्याण और कानूनी अधिकारों को लेकर चर्चा शुरू हो गई। एक गवाह ने बताया कि फूड डिलीवरी वाला व्यक्ति अपने वाहन पर रात के नौ बजे से अगले दिन दोपहर के एक बजे तक वहीं लेटा हुआ था। एक दूसरे डिलीवरी एजेंट ने उसे देखा। मृतक की पहचान युआन के तौर पर की गई है। वह अपने काम के लिए मशहूर था, लोग उसे ऑर्डर किंग के नाम से जानते थे। युआन दिनभर में 500 से 600 युआन (5000-7000 रुपये) तक कमाता था। बारिश के दिनों में वह 700 युआन कमाता था।

झपकी लेने के दौरान चली गई जान...एक व्यक्ति ने बताया कि ऑर्डर किंग कभी-कभी सुबह के तीन बजे तक काम करता था और सुबह के छह बजे उठकर फिर से काम में लग जाता था। जब उसे थकान महसूस होती तो

वह अपनी बाइक पर थोड़ी देर झपकी ले लेता था। इसके बाद वह फिर से अपने काम में लग जाता। युआन के एक सहकर्मी ने बताया कि मौत से एक महीने पहले 55 वर्षीय ऑर्डर किंग का एक दुर्घटना में पैर फ्रैक्चर हो गया था। 10 दिन आराम करने के बाद वह अपने काम पर लौट गया था और दो हफ्ते बाद ही उसकी मौत हो गई।

सहकर्मी ने बताया कि युआन कमाने के लिए यहां आए थे। इसके साथ वह अपने 16 वर्षीय बेटे की मदद के लिए काम कर रहे हैं। युआन का बेटा हांगझू में पढ़ाई कर रहा है। उसका एक बड़ा बेटा भी है, जिसकी शादी हो चुकी है। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए युहांग जिले में जियानलिन उप-जिला कार्यालय ने एक बयान जारी किया। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि इमरजेंसी उपचार के बावजूद युआन की मौत हो गई। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद आलोचना होने लगी।

संक्षिप्त खबरें

क्या एमपीसी की अगली बैठक के दौरान रेपो रेट में कटौती का फैसला होगा? एसबीआई चेयरमैन ने जताया ये अनुमान

नई दिल्ली। खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों को देखते हुए इस बात की संभावना नहीं है कि भारतीय रिजर्व बैंक 2024 में रेपो रेट में कटौती करे। भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन सी. श्रीनिवासुलु शेट्टी ने बुधवार को एक साक्षात्कार के दौरान यह अनुमान जताया। पीटीआई से बातचीत में शेट्टी ने कहा, "ब्याज दरों पर केंद्रीय बैंक स्वतंत्र फैसला लेते हैं। हालांकि, फेड का निर्णय उन्हें प्रभावित करेगा, लेकिन ब्याज दरों में कटौती के किसी फैसले से पहले आरबीआई खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों को ध्यान में रखेगा।

अमेरिका में नीतिगत दरों में कटौती का अनुमान, पर भारत में होगी देरी

हाल ही में भारतीय स्टेट बैंक की कमान संभालने वाले स्टेट बैंक के चेयरमैन की ब्याज दरों पर टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ओर नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद की जा रही है। फेड की दो दिवसीय बैठक फिलहाल जारी है। 2020 के बाद पहली बार बाजार का अनुमान है कि फेड ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती कर सकता है। अगर फेड ब्याज दरों में कटौती का फैसला लेता है तो कई अन्य दूसरे केंद्रीय बैंक भी उसका अनुसरण कर सकते हैं।

खाद्य पदार्थों की महंगाई को देखते हुए ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम

एसबीआई के चेयरमैन ने कहा कि हमारे अनुमान के अनुसार चालू कैलेंडर वर्ष में रेपो रेट में कटौती की उम्मीद कम है। संभवतः किसी भी कटौती के लिए हमें चालू वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2025) का इंतजार करना पड़ सकता है। आरबीआई ब्याज दरों में कटौती का फैसला तब तक टालने की कोशिश करेगा, जब तक खाद्य पदार्थों की महंगाई संतोषजनक स्तर पर न पहुंच जाए।

7 से 9 अक्तूबर के बीच होनी है आरबीआई एमपीसी की बैठक

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 7 से 9 अक्तूबर के बीच होगी। इस बैठक में नीतिगत ब्याज दरों पर फैसला लिया जाएगा। एमपीसी ब्याज दरों पर अपने फैसले के लिए खुदरा महंगाई दर को ध्यान में रखता है, अगस्त में मामूली रूप से बढ़कर 3.65% पर पहुंच गई है। जुलाई में महंगाई दर 3.54% थी। हालांकि, अगस्त में महंगाई का आंकड़ा केंद्रीय बैंक के औसत लक्ष्य 4% के नीचे है, लेकिन खाद्य पदार्थों के मामले में यह आंकड़ा 5.66% रहा, जिस पर केंद्रीय बैंक की नजर बनी हुई है।

फरवरी 2023 के बाद ब्याज दरों नहीं हुआ है कोई परिवर्तन

अगस्त महीने में हुई बैठक में एमपीसी ने खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों को देखते हुए रेपो रेट को 6.5% पर अपरिवर्तित रखा था। लगातार नौवीं बार नीतिगत ब्याज दरों को स्थिर रखने का फैसला लिया गया था। भारतीय रिजर्व बैंक ने नीतिगत ब्याज दरों में फरवरी 2023 के बाद से कोई परिवर्तन नहीं किया है। पिछली बैठक के दौरान मौद्रिक नीति समिति के छह सदस्यों में से चार ने ब्याज दरों को यथावत रखने के पक्ष में वोट दिया था। वहीं दो बाहरी सदस्यों ने इसमें कटौती की वकालत की थी। पिछले ही हफ्ते आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि ब्याज दरों में कटौती का फैसला महंगाई के दीर्घकालिक रुख पर निर्भर करेगा, न कि मासिक आंकड़ों पर।

रेल मंत्रालय की पूंजीगत व्यय योजना की समीक्षा, वित्त मंत्री बोलीं- यात्रियों की सुरक्षा-सुविधा पर हो फोकस

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय की पूंजीगत व्यय योजना की समीक्षा करते हुए मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अधिकारियों से यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से कवच प्रणाली (भारत की स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली) के कार्यान्वयन में चरणबद्ध तरीके से तेजी लाने और निर्धारित समय सीमा में आवंटित पूंजीगत व्यय लक्ष्य को पूरा करने को भी कहा है।

'यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा पर हो फोकस'

रेल मंत्रालय के अधिकारियों ने केंद्रीय वित्त मंत्री को बताया कि कवच से संबंधित कार्य वर्तमान में दिल्ली-हावड़ा और दिल्ली-मुंबई खंडों पर 3000 आरकेएम (मार्ग किमी) से अधिक में प्रगति पर हैं। वित्त मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है, नागरिकों के लिए 'जीवन की सुगमता' प्रदान करने पर सरकार के फोकस को रेखांकित करते हुए, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रेल मंत्रालय के अधिकारियों से क्षमता वृद्धि, यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

इसमें मौजूदा रेलवे पटरियों का दोहरीकरण और विद्युतीकरण और केंद्रीय बजट में प्रावधानित पूंजीगत व्यय के अनुसार देश भर में नई रेलवे लाइनें बिछाना शामिल है। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि रेल मंत्रालय को यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और आराम को बढ़ाने के लिए अंतरिम बजट 2024-25 में घोषित 40,000 सामान्य रेल बोगियों को वंदे भारत मानकों के अनुरूप परिवर्तित करने में तेजी लानी चाहिए।

'पूंजीगत व्यय लक्ष्य को समयबद्ध तरीके से किया जाए हासिल'

वित्त मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि वित्त मंत्री ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पूंजीगत व्यय लक्ष्य को समयबद्ध तरीके से हासिल किया जाए और इस सरकार के पहले 100 दिनों में हासिल की गई गति को आगे बढ़ाया जाए। बता दें कि ये बैठक केंद्रीय बजट में महत्वपूर्ण पूंजीगत व्यय वाले मंत्रालयों/विभागों के साथ निर्धारित समीक्षा बैठकों की श्रृंखला का एक हिस्सा है।

आने वाले दिनों में बढ़ सकते हैं टमाटर के दाम, रोग और सरपेन्टाइन लीफ माइनर लार्वा ने बढ़ाई?समस्या

नई दिल्ली। टमाटर आने वाले समय में लोगों की जेब ढीली कर सकता है। इसकी वजह टमाटर की फसल में कीटों और रोगों का लगना है, जिसने महाराष्ट्र के नासिक जिले में निफाड के किसानों को परेशान कर दिया है। टमाटर में सरपेन्टाइन लीफ माइनर (पत्ती सुरंगक) की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। यह एक छोटी मक्खी (लिरियोमाइजा ब्रासिका) का लार्वा है, जो टमाटर और अन्य सब्जियों की फसलों को नुकसान पहुंचाता है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की समीक्षा रिपोर्ट में बताया गया है कि नासिक जिले में निफाड क्षेत्र में टमाटर में कीटों और रोगों की तीव्रता आर्थिक सीमा स्तर (इकनॉमिक थ्रेशहोल्ड लेवल यानी ईटीएल) से ऊपर पहुंच गई है। ईटीएल वह बिंदु है, जिस पर किसी रोग या कीट की आबादी एक निश्चित स्तर पर पहुंच जाती है, जहां आर्थिक नुकसान को रोकने के लिए नियंत्रण उपाय शुरू किए जाने चाहिए। लेकिन, चेतावनी के बावजूद ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

बुवाई में पिछड़ गया महाराष्ट्र

महाराष्ट्र टमाटर बुआई में पिछड़ गया है। नासिक जिले में टमाटर की औसत खेती करीब 21,000 हेक्टेयर में होती है और उत्पादन प्रति हेक्टेयर 30 टन होता है। नासिक के अंतर्गत आने वाले पिंपलगांव से दिल्ली, मध्य प्रदेश, असम और हरियाणा जैसे बाजारों में टमाटर की आपूर्ति होती है। बांग्लादेश व पाकिस्तान को निर्यात भी होता है। र

किसानों के लिए 24475 करोड़ रुपये की सब्सिडी को मंजूरी, चंद्रयान-4 मिशन पर कैबिनेट ने लिया यह फैसला

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में हुए फैसलों का एलान किया। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की कैबिनेट ने किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए एक के बाद एक योजनाओं को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा, "आज एनपीके उर्वरकों के लिए 24,475 करोड़ रुपये की सब्सिडी आवंटित करने को मंजूरी दी गई है। पूरी दुनिया में आपूर्ति शृंखला और वैश्विक कीमतों में जो व्यवधान चल रहा है उससे किसानों को अछूता रखने के लिए सरकार ने बड़े निर्णय लिए हैं। खासकर मध्य पूर्व और रूस-यूक्रेन में संघर्ष से पैदा हुई चुनौतियों से किसानों को अप्रभावित रखने के लिए कैबिनेट ने पोषक तत्व आधारित सब्सिडी आवंटित करने का यह निर्णय लिया है।" केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मंत्रिमंडल ने पीएम अन्नदाता आय संरक्षण अभियान- पीएम-आशा के लिए 35,000 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। वहीं, प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के तहत आदिवासी कल्याण के लिए 79, 156 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी गई है।

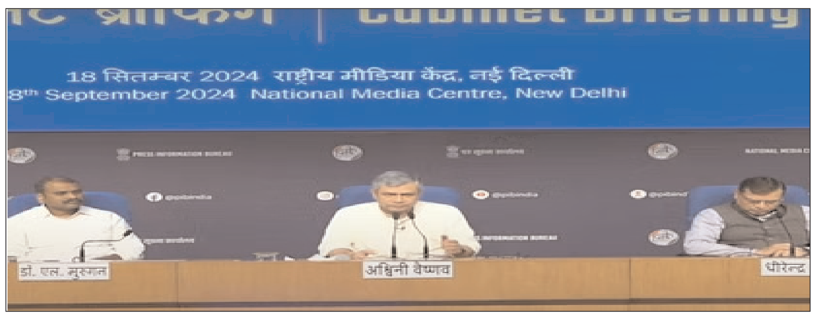

कैबिनेट के फैसलों पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, "चंद्रयान-4 मिशन में और अधिक तत्वों को जोड़ने के लिए विस्तारित किया गया है। अगला कदम चंद्रमा पर मानव मिशन भेजना है। इसके लिए सभी प्रारंभिक कदमों को मंजूरी दे दी गई है। वीनस ऑर्बिटर मिशन, गगनयान फॉलो-ऑन और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन तथा अगली पीढ़ी के लॉन्च व्हीकल विकास को भी मंजूरी दी गई है।" केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट की ब्रीफिंग के दौरान बताया कि चंद्रयान 4 के विस्तारित मिशन पर 2,104 करोड़ रुपये के खर्च को मंजूरी दी गई है। चंद्रयान 4 के विस्तारित मिशन के तहत अंतरिक्ष यात्रियों का एक दल चांद पर जाकर वापस आएगा। केंद्रीय कैबिनेट ने वीनस ऑर्बिटर मिशन और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के पहले माड्यूल को भी मंजूरी दी।

शेयर बाजार में रिकॉर्ड बढ़त पर लगाम; सेंसेक्स 131 अंक टूटा

नई दिल्ली। शेयर बाजार में बीते दो दिनों से जारी बढ़त पर बुधवार को लगाम लग गई। आईटी, फार्मा, मेटल और एफएमसीजी शेयरों में गिरावट के कारण फेड के फैसले के पहले प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स कमजोर पड़ गए।

हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स 131.43 (0.15%) अंकों की गिरावट के साथ 82,948.23 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 41.00 (0.16%) अंक फिसलकर 25,377.55 पर पहुंच गया। क्लोजिंग से पहले सेंसेक्स और निफ्टी अपने सर्वकालिक उच्च स्तर क्रमशः 83,326.38 और 25,482.20 पर पहुंचने में सफल रहे।

निफ्टी में बुधवार के कारोबारी सत्र के दौरान 200 अंकों के दायरे में कारोबार होता दिखा। इस दौरान, इंडिया वीआईएक्स इंडेक्स 6.2% बढ़कर 13.37 पर पहुंच गया। निफ्टी के शेयरों की बात करें तो 33 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। वहीं, 17 शेयर हरे निशान पर बंद हुए। श्रीराम फाइनेंस, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, नेस्ले इंडिया और एचडीएफसी बैंक के शेयर निफ्टी के टॉप गेनर्स रहे। वहीं, टीसीएस, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा और विप्रो टॉप लूजर्स की श्रेणी में रहे।निफ्टी बैंक का प्रदर्शन बुधवार को बढ़िया रहा, और यह एक प्रतिशत की बढ़त के साथ 52,750.40 पर बंद हुआ। क्षेत्रवार देखें तो निफ्टी में केवल बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर इंडेक्स में ही तेजी दिखी।

त्योहारों के लिए नए कलेक्शन पेश कर बिक्री बढ़ाने पर होगा जोर, वैश्विक ब्रांड कर रहे तैयारी

मुंबई। त्योहारी सीजन के आगमन के साथ ही अपैरल ब्रांड्स ने भी अपनी तैयारी शुरू कर दी हैं। इसमें नए स्टोर खोलने के साथ ही नए कलेक्शन और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के साथ साझेदारी कर रहे हैं। इससे पहले देश में चुनाव और अत्यधिक गर्मी होने की वजह से सभी सेगमेंट में बिक्री प्रभावित हुई थी, अब इस सुस्ती के बाद उद्योग को वृद्धि के मजबूत संकेत मिल रहे हैं। शॉपर स्टॉप, रिलायंस रिटेल, आदित्य बिरला फैशन बड़े त्योहारी सीजन की तैयारी में जुट गए हैं, जिसमें नए कलेक्शन के साथ ग्राहकों को काफी कुछ नया अनुभव देने के लिए अपनी रणनीति तैयार कर रहे हैं। वहीं वैश्विक लक्जरी ब्रांड घरेलू बाजार में नए स्टोर खोलने और उच्च स्तरीय संग्रहों के साथ बड़े त्योहारी सीजन की तैयारी कर रहे हैं। घड़ी का लक्जरी ब्रांड हब्लोट और बैकारेट ने भी भारतीय त्योहारों के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है।

नए कलेक्शन से बिक्री बढ़ाने पर रहेगा जोर...शॉपर्स स्टॉप ने त्योहारी सीजन के लिए नए कलेक्शन पेश किए हैं, कंपनी इसके जरिए बिक्री बढ़ाने पर फोकस कर रही है। कंपनी का कहना है आजकल के युवा ऐसे परिधान की तलाश करते जिसमें वे पारंपरिक लगने के साथ वस्टर्न लुक भी उनके पहनावे में दिखाई दे। इसलिए हमने अपने त्योहारी कलेक्शन में बंदेया कलेक्शन पेश किया जो आधुनक एथनिक स्टाइल का और उसे पुरुषों के लिए तैयार किया गया है।

वहीं महिलाओं के लिए कशिश का फेस्टिवल कलेक्शन आजकल की महिलाओं के लिए पेश किया गया है। आदित्य बिरला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड ने त्योहारी सीजन के देखते हुए हाथ से बने हुए कलेक्शन जैपोर को विशेषकर महिलाओं के लिए पेश किया है। आदित्य बिरला के एथनिक बिजनेस सीईओ सूरज भट्ट का कहना है, इस सेगमेंट में बिक्री बढ़ाने के लिए यह कलेक्शन पेश किया है, यह डिजाइनर कलेक्शन भारत की सांस्कृति धरोहर को दर्शाता है। वहीं रिलायंस रिटेल और डेनिम परिधान के अंतरराष्ट्रीय डेल्टा गैलिक इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने साझेदारी की है।

अगले दो दशकों में भारत वैश्विक ऊर्जा मांग में 25% का योगदान देगा : हरदीप पुरी

नई दिल्ली। भारत के ऊर्जा मंत्री हरदीप पुरी ने ह्यूस्टन में विश्व की ऊर्जा जरूरतों पर विचार-विमर्श के लिए आयोजित एक बहुराष्ट्रीय सम्मेलन में कहा कि अगले दो दशकों में भारत वैश्विक ऊर्जा मांग में 25 प्रतिशत का योगदान देगा। 52वीं गैसटेक प्रदर्शनी और सम्मेलन मंगलवार को जॉर्ज आर ब्राउन कन्वेंशन सेंटर में भारत सहित विश्व के पांच प्रमुख ऊर्जा मंत्रियों की रणनीतिक अंतर्दृष्टि के साथ शुरू हुआ। 'विजन, नवाचार और कार्रवाई के माध्यम से ऊर्जा में परिवर्तन' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में वैश्विक ऊर्जा स्थिरता और तीव्र डीकार्बोनाईजेशन की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया गया।

अपने मुख्य भाषण में केन्द्रीय पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में भारत की बढ़ती प्रभावशाली भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "यदि वैश्विक मांग एक प्रतिशत बढ़ रही है, तो हमारी मांग तीन गुना तेजी से बढ़ रही है। अगले दो दशकों में भारत ऊर्जा मांग में वैश्विक वृद्धि में 25 प्रतिशत का योगदान देगा।" उन्होंने भारत की चुनौती को "ऊर्जा त्रिविधता" के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने उपलब्धता, सामर्थ्य और सफल हरित परिवर्तन के बीच संतुलन स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। पुरी ने कहा, "हमें हरित परिवर्तन को प्रबंधित करने और इसमें सफलता प्राप्त करने की अपनी क्षमता पर पूरा भरोसा है।"

सम्मेलन के उद्घाटन मंत्रिस्तरीय पैनल में अमेरिका, भारत, मिस्र, नाइजीरिया और तुर्की के अधिकारी शामिल थे, जिन्होंने महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक और उद्योग चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। अमेरिका के ऊर्जा संसाधन मामलों के सहायक विदेश मंत्री जेफ्री पायट ने वैश्विक ऊर्जा प्रवाह को स्थिर करने और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने में संयुक्त राज्य अमेरिका की भूमिका पर जोर दिया। पियाट ने कहा, "अमेरिका की अभूतपूर्व ऊर्जा प्रचुरता के साथ हम अपने अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर काम करते हुए एक केंद्रीय वैश्विक भूमिका निभाने की स्थिति में हैं।"

मिस्र के मंत्री करीम बदावी ने एक प्रमुख ऊर्जा प्रवेशद्वार के रूप में अपने देश की रणनीतिक स्थिति के बारे में बात की तथा निवेश-अनुकूल वातावरण बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। नाइजीरिया के पेट्रोलियम संसाधन राज्य मंत्री माननीय एकपेरिकपे एकपो ने अफ्रीकी राष्ट्र के अद्वितीय प्राकृतिक गैस अवसरों को रेखांकित किया। शेवरॉन के सीईओ माइक विर्थ और चेनियर एनर्जी के सीईओ जैक फुस्को सहित उद्योग जगत के नेताओं ने वैश्विक रणनीतियों पर भारत की ऊर्जा नीतियों के प्रभाव पर चर्चा की।

विर्थ ने ऊर्जा भविष्य पर संवाद का आह्वान किया, जबकि फुस्को ने उभरती ऊर्जा मांगों और जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अनुकूलनीय व्यवसाय मॉडल की आवश्यकता पर बल दिया। चर्चा प्राकृतिक गैस और एलएनजी पर भी केंद्रित रही, जिसमें भारत के महत्वपूर्ण निवेश वैश्विक आर्थिक परिदृश्य को आकार दे रहे हैं।

कोनोकोफिलिप्स के सीईओ रयान लांस ने आर्थिक विकास और तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देने में प्राकृतिक गैस की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। हाइड्रोजन सम्मेलन और जलवायु तकनीक व एआई सम्मेलन ने हाइड्रोजन और नवीन ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में भारत के बढ़ते प्रभाव को प्रदर्शित किया।

क्रूड ऑयल पर विंडफॉल टैक्स घटकर शून्य

नई दिल्ली। सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) पर अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) को घटाकर प्रति टन 'शून्य' कर दिया है। यह निर्णय 18 सितंबर से प्रभावी है।

यह कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाता है और दो सप्ताह के अंतराल पर यानी हर पखवाड़े औसत तेल कीमतों के आधार पर इसकी समीक्षा की जाती है। इस दर का आखिरी संशोधन 31 अगस्त को हुआ था, जब कच्चे पेट्रोलियम पर अप्रत्याशित कर 1,850 रुपये प्रति टन निर्धारित किया गया था। डीजल, पेट्रोल और जेट ईंधन या एटीएफ के निर्यात पर भी एसएईडी को 'शून्य' पर बरकरार रखा गया है। मंगलवार को जारी एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया कि नई दरें 18 सितंबर से प्रभावी होंगी। भारत ने पहली बार 1 जुलाई 2022 को अप्रत्याशित लाभ पर कर लगाया था, और इस प्रकार वह उन देशों में शामिल हो गया था जो ऊर्जा कम्पनियों के असाधारण लाभ पर कर लगाते हैं।

गूगल को बड़ी राहत, अदालत ने यूरोपीय कमीशन की ओर से लगाए गए 1.5 अरब यूरो के जुर्माना पर लगाई रोक

नई दिल्ली। विज्ञापन से जुड़े एंटीट्रस्ट केस में अदालत से गूगल को बड़ी राहत मिली है। आईटी कंपनी ने बुधवार को यूरोपीय संघ की ओर से पांच साल पहले लगाए गए 1.49 बिलियन यूरो के जुमाने के खिलाफ दाखिल केस जीत लिया है। यूरोपीय कमीशन के जनरल कोर्ट ने गूगल के मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि वह यूरोपीय संघ की ओर से 2019 में लगाए गए जुमाने को खारिज कर रहा है।

गूगल की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि न्यायालय ने आयोग के निर्णय को पूरी तरह से रद्द कर दिया। आयोग का निर्णय गूगल के विज्ञापन व्यवसाय के एक सीमित हिस्से पर लागू होता है।

क्या है पूरा मामला?...नियामकों ने गूगल पर आरोप लगाया था कि कंपनी ने थर्ड पार्टी साइट्स के साथ अपने समझौतों में खास तौर पर एक शर्त जोड़ी कि वे साइट्स गूगल की प्रतिद्वंदी कंपनियों की ओर से जारी विज्ञापन नहीं चलाएंगे। गूगल पर जुर्माना इसलिए लगाया गया क्योंकि उसकी शर्त के कारण वेबसाइट मालिकों और विज्ञापनदाताओं के पास बहुत सीमित विकल्प बचे थे। इसके कारण उन्हें ऊंची कीमतें चुकानी पड़ी जिसका भार अंततः उपभोक्ताओं पर पड़ा।

हालांकि जनरल कोर्ट ने गूगल को राहत देने वाले अपने फैसले में कहा कि कमीशन ने उक्त शर्त का मूल्यांकन करने में त्रुटि की। कमीशन यह साबित करने में विफल रहा कि गूगल की शर्त के कारण नवाचार प्रभावित हुआ, उपभोक्ताओं को नुकसान पहुंचा और इससे कंपनी (गूगल) को अपना एकाधिकार मजबूत करने में मदद मिली।

उद्योग जगत ने भारत में चीन के स्टील की डंपिंग होने पर जाहिर की चिंता

नई दिल्ली। अगस्त 2024 के लिए भारत के आयात-निर्यात से जुड़े जो आंकड़े सामने आए हैं उस पर बाजार ने मिली-जुली प्रतिक्रिया दी है। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) ने निर्यात में भारत के लचीलेपन की प्रशंसा की। चैंबर ने अप्रैल से अगस्त 2024 के बीच कुल निर्यात में सालाना आधार पर 5.3 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि को अहम बताया। इस अवधि के दौरान माल और सेवाओं के निर्यात का संचयी मूल्य 374.3 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया, जो 2023 की इसी अवधि में 350.1 बिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक है।

पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने इस वृद्धि का श्रेय इलेक्ट्रॉनिक सामान, चाय, कॉफी, मसालों और अनाज के बढ़ते निर्यात को दिया। उन्होंने भारत की आपूर्ति शृंखलाओं के मजबूत होने के साथ निर्यात में निरंतर मजबूती का आने का अनुमान जताया। अग्रवाल ने कहा, "हम चालू वित्त वर्ष में एक शानदार निर्यात वृद्धि की उम्मीद करते हैं।

जैसे-जैसे भारत की आपूर्ति शृंखलाएं मजबूत होती जाती हैं, वैसे-वैसे चालू वित्त वर्ष में निर्यात भी बढ़ने की उम्मीद है।"

हालांकि, फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन ने अगस्त के माल निर्यात आंकड़ों से जुड़ी अधिक सतर्क तस्वीर पेश की। अगस्त में सालाना आधार पर देश का निर्यात 9 प्रतिशत से अधिक घटकर 34.71 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया।

FIEO के अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने इस तीव्र गिरावट के पीछे का कारण वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, कमोडिटी की गिरती कीमतों और रसद चुनौतियों को बताया है। उन्होंने यह भी बताया कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में व्यवधानों के साथ-साथ कच्चे तेल और धातु की कीमतों में गिरावट ने माल निर्यात को नुकसान पहुंचाया है। इसके अतिरिक्त, उच्च माल ढुलाई लागत और शिपिंग से जुड़ी कठिनाइयों ने कुछ निर्यातकों को घरेलू बाजारों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मजबूर किया है। कुमार ने कहा, "कच्चे तेल और धातु की कीमतों में गिरावट के साथ-साथ चल रहे अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवधानों ने भी निर्यात के मूल्य को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।"

इंजीनियरिंग क्षेत्र की ओर से आंकड़ों पर आशावादी प्रतिक्रिया आई। इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (ईईपीसी) इंडिया के चेयरमैन अरुण कुमार गरोडिया ने बताया कि अगस्त 2024 में इंजीनियरिंग निर्यात में 4.36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, और यह 9.44 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। कुल मिलाकर, अप्रैल-अगस्त की अवधि के लिए इंजीनियरिंग वस्तुओं का का निर्यात 46.41 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जिसमें सालाना आधार पर 4.22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, गरोडिया ने कहा कि अगर लोहा और इस्पात निर्यात में गिरावट नहीं होती, तो समग्र प्रदर्शन मजबूत हो सकता था, इसका कारण उन्होंने चीन से प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण, भू-राजनीतिक संघर्षों और अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख बाजारों में संरक्षणवादी नीतियों को दिया।

उन्होंने कहा कि, एफटीए का फायदा उठाकर सस्ते चीनी स्टील को भारत में डंप किया जा रहा है, इससे देश के कारोबारियों की चिंता बढ़ रही है। उन्होंने एफटीए मार्गों के माध्यम से भारत में चीनी स्टील के प्रवेश से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की समीक्षा का भी आग्रह किया। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार भारत के निर्यात क्षेत्र के लिए आगे का रास्ता वैश्विक बाजार की स्थितियों और घरेलू नीति हस्तक्षेप दोनों पर निर्भर करता है।

बेहतर करियर बनाने का स्कोप है रबर टेक्नोलॉजी

आम तौर पर विद्यार्थी इंजीनियरिंग की कॉमन ब्रांचेज को ही चुनते हैं लेकिन यह फील्ड इतनी विस्तृत है कि इसकी हर ब्रांच में आगे बढ़ने और बेहतर करियर बनाने का स्कोप है। इंजीनियरिंग की ऐसी ही एक ब्रांच है, रबर टेक्नोलॉजी। इसमें नेचुरल रबर, लेटेक्स और सिंथेटिक रबर से उपयोगी उत्पाद बनाए जाते हैं। अगर आप भी इंजीनियरिंग में कुछ अलग करने की सोच रहे हैं, तो रबर टेक्नोलॉजी आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन है।

किसी रबर प्रोडक्ट को इस्तेमाल करने से पहले आपने शायद ही सोचा होगा कि यह फील्ड इंजीनियरिंग की उन चुनिंदा ब्रांचेज में से एक है, जिन्हें इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी का भविष्य माना जाता है। गार्मेंट्स से लेकर टॉयज तक और फुटवियर से लेकर स्टेशनरी व एक्सेसरी तक आज हर चीज में रबर का इस्तेमाल किया जाता है। यही कारण है कि इस ब्रांच का स्कोप भी बहुत ज्यादा है। अगर आप भी इंजीनियरिंग करने की सोच रहे हैं, तो रबर टेक्नोलॉजी में बढ़िया करियर बना सकते हैं।

क्या है रबर टेक्नोलॉजी?

रबर टेक्नोलॉजी विज्ञान की एक स्पेशलाइज्ड फील्ड है, जिसमें रबर के ट्रांसफॉर्मेशन के साथ-साथ इलास्टोमर्स को उपयोगी उत्पादों में परिवर्तित किया जाता है। इसमें नेचुरल रबर, लेटेक्स और सिंथेटिक रबर की प्रोसेसिंग की जाती है और उनसे अलग-अलग उत्पाद बनाए जाते हैं। इस फील्ड को पॉलिमर टेक्नोलॉजी के लिए भी स्पेशलाइज्ड ब्रांच माना जाता है।

कौन-से कोर्स?

इस फील्ड में करियर प्लान करने के लिए 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स जैसे विषय होने जरूरी हैं। इसके बाद आप बीटेक या बीई इन रबर टेक्नोलॉजी, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रबर टेक्नोलॉजी, एमटेक या एमई इन रबर टेक्नोलॉजी, डिप्लोमा इन रबर टेक्नोलॉजी और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मॉलिक्युलर साइंस एंड रबर टेक्नोलॉजी जैसे कोर्स कर सकते हैं।

कैसी है वर्क प्रोफाइल?

आप इस फील्ड से जुड़ी कंपनीज में इन पदों पर काम कर सकते हैं -

टेस्टिंग टेक्नोलॉजिस्ट या टेक्नीशियन - ये सिस्टम को एनालाइज करते हैं और प्रोडक्शन टेस्ट्स की मदद से यह देखते हैं कि इक्विपमेंट्स क्वॉलिटी कंट्रोल एरेना के हिसाब से ठीक काम कर रहे हैं या नहीं।

प्रोडक्शन इंजीनियर्स - इनका बेसिक काम प्रोडक्शन, प्रोडक्ट क्वॉलिटी, क्वॉन्टिटी, स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ ऑपरेशन और मेंटेनेंस का खयाल रखना होता है।

पॉलिमर स्पेशलिस्ट्स - इनका काम मटेरियल के गुणों और बनावट की डीटेल्स जानने के लिए रिसर्च करना है ताकि इसका इस्तेमाल नए प्रोडक्ट बनाने में किया जा सके।

मटेरियल टेक्नोलॉजिस्ट्स - ये वेयरहाउसिंग गतिविधियों के लिए जिम्मेदार होते हैं, जैसे शिपिंग एंड रिसीविंग, सामान के परिवहन का मैनेजमेंट आदि।

भविष्य की संभावनाएं

आप रबर इंडस्ट्री के साथ-साथ ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में भी जॉब कर सकते हैं। इस फील्ड में सरकारी संस्थानों में भी काम करने के अवसर हैं। गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड रबर टेक्नोलॉजी प्रोफेशनल्स को हायर करती है। इस फील्ड में विदेशों में जाकर रिसर्च करने का भी बहुत स्कोप है।

जरूरी स्किल्स

यह फील्ड उन लोगों के लिए है, जिन्हें टेक्नोलॉजी के साथ-साथ उन प्रणालियों में भी रुचि हो, जिनसे रबर की प्रोसेसिंग की जाती है। आपको मेन्युफैक्चरिंग प्रिंसिपल्स और टेक्निक्स की अच्छी जानकारी होनी चाहिए। इसके अलावा आपमें बेहतरीन लीडरशिप क्वॉलिटी, आत्मविश्वास, परिश्रमी रवैया और अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स होनी जरूरी हैं।

सैलरी कितनी?

इस फील्ड में शुरुआत 15 से 20 हजार रुपए की सैलरी से होती है। अनुभव प्राप्त करने के बाद आपका वार्षिक पैकेज 5-7 लाख रुपए के बीच होगा।

प्रमुख संस्थान

- गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, गांधीनगर
- इंडियन रबर इंस्टीट्यूट, कोलकाता
- हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, चेन्नई
- आईआईटी, खड़गपुर
- कोचिन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, केरल
- रबर रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, केरल
- मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई
- यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कोलकाता
- हरिशंकर सिंघानिया इलास्टोमर एंड टायर रिसर्च इंस्टीट्यूट, राजस्थान

क्या आप प्रोफेशनल कोर्स करना चाहते हैं

आज बारहवीं के बाद ही युवा कॅरियर निर्धारित करने लगे हैं। आज से कुछ सालों पहले तक यही सोच थी कि पहले पढ़ाई पूरी कर लें, बाद में नौकरी के बारे में सोचेंगे। अधिकतर स्टूडेंट्स यह सोचते हैं कि यदि परंपरागत प्रोफेशनल कोर्स जैसे इंजीनियरिंग, मेडिकल, सीए, सीएस आदि में एडमिशन नहीं मिल पाया तो उसके बाद प्रोफेशनल और एकेडमिक कोर्स में से क्या बेहतर होगा।

पहले ये सोचें

प्रोफेशनल कोर्स में जाने से पहले आपको कुछ सवालों के जवाब खुद तलाशनें होंगे। क्या आपको अपनी परिस्थितियों और पारिवारिक समस्याओं के चलते जॉब की सख्त आवश्यकता है? क्या आपका परिवार आर्थिक रूप से इतना सक्षम है कि प्रोफेशनल शिक्षा के खर्च का वहन कर सके? अधिकतर स्टूडेंट्स पारिवारिक और आर्थिक समस्याओं के चलते प्रोफेशनल कोर्स का चयन करते हैं, ताकि कुछ वर्षों की पढ़ाई करने के बाद नौकरी का बेहतर विकल्प मिल सके। लेकिन कुछ कोर्स की फीस काफी अधिक होती है। इस कारण आपके लिए बेहतर होगा कि कोर्स चुनने से पहले उसकी फीस, कैंपस प्लेसमेंट और घर की आर्थिक स्थिति से भलीभांति अवगत हो जाएं।

क्या है रूचि

कोई भी कोर्स खराब नहीं होता है, क्योंकि सभी क्षेत्रों में सभी तरह के लोगों की मांग रहती है। इस कारण सबसे पहले अपना लक्ष्य निर्धारित करें कि हमें यह कोर्स करना है। कोर्स का चयन करते समय कुछ बातों को ध्यान रखेंगे, तो आप सही और बेहतर कोर्स चुनने में सफल हो सकते हैं। सही कॅरियर चुनने से पहले आप अपनी रुचि, आर्थिक स्थिति और आनेवाले समय में इनकी मांगों को अवश्य देखें। अब कॅरियर के क्षेत्र में मिलने वाले अवसरों का वर्गीकरण कुछ इस तरह से हो गया है कि हर किसी के पास अपनी क्षमताओं, रुचियों व रुझानों के मुताबिक कई तरह के कॅरियर ऑप्शन हैं। प्रोफेशनल कोर्स ने छात्रों को ढेरों विकल्प दिए हैं।

पढ़ाई पहले

अक्सर स्टूडेंट्स किसी संस्थान में इस कारण एडमिशन ले लेते हैं कि उसका नाम काफी है। अन्य संस्थानों की अपेक्षा काफी पैसे भी देने के लिए राजी हो जाते हैं, लेकिन उन्हें पछतावा तब होता है, जब उस संस्थान में अपेक्षा के अनुरूप पढाई नहीं होती है। उस समय स्टूडेंट्स के पास कोई अन्य विकल्प नहीं होता है। आप यदि किसी संस्थान में किसी तरह का कोर्स करना चाहते हैं, तो सबसे पहले उस संस्थान के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर लें। जानकारी प्राप्त करने का बेहतर तरीका यह है कि आप उस संस्थान में पढ रहे स्टूडेंट्स से पढ़ाई और फैकल्टी मेंबर्स के बारे में सही जानकारी लें। वहां के स्टूडेंट्स आपको सही बात बता देंगे। कुछ स्टूडेंट्स संस्थान के प्रोस्पेक्टस के आधार पर ही कैंपस प्लेसमेंट को सही मान लेते हैं। आपके लिए बेहतर होगा कि आप पिछले वर्ष पास किए गए स्टूडेंट्स की संख्या और नौकरी प्राप्त करने वाले स्टूडेंट्स को देखकर ही कोई निर्णय लें।

जॉब के दौरान करना ही पड़ेगा चुनौतियों का सामना

अगर आप खुद को काबिल समझते हैं, तो आगे बढ़कर इसका नमूना भी पेश करें। यह न सोचें कि आपकी काबिलियत के बारे में मैनेजमेंट को सपना आएगा और वह चलकर आपके पास आएगा।

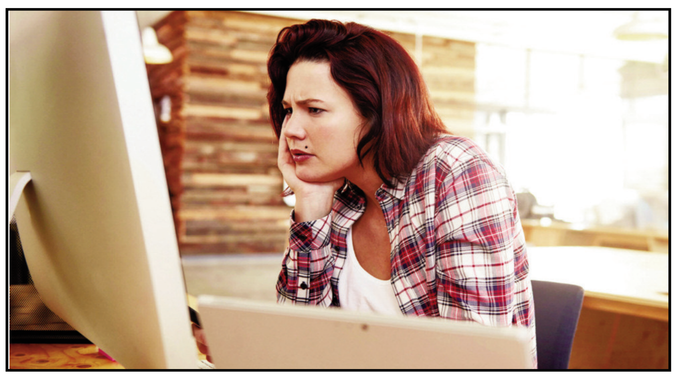

अनिकेत सक्सेना एक प्रतिष्ठित संस्थान में जिम्मेदार पद पर काम करता है। उसे संबंधित इंडस्ट्री में काम करते हुए दो दशक से ऊपर हो चुके हैं। इस दौरान एक- दो बार उसे पिंक स्लिप भी थमा दी गई। इससे उसे झटका तो लगा, पर उसने इसके पीछे के कारणों को जानने-समझने और उन्हें दूर करने की कभी परवाह नहीं की। एक बार नौकरी मिलने के बाद वह बस, मशीन की तरह काम करता जाता था। माना कि वह विनम्र और अनुशासित रहा है पर वह जिस तरह के पेशे में है, उसमें शायद ही वह कभी इनोवेटिव आइडियाज की पहल करता है। जबकि उसके प्रोफेशन में यह सबसे ज्यादा जरूरी होता है। वर्तमान संस्थान में नौकरी उसे काफी मशक्कत के बाद मिली, लेकिन यहां भी उसने खुद को साबित करने और अलग पहचान बनाने की दिशा में कोई खास प्रयास नहीं किया। यहां भी उसके सामने कई बार मुश्किलें आईं, पर उसने इन्हें समझने ओर खुद को सुधारने की जेहमत नहीं उठाई। हालांकि उसे लगता है कि वह बहुत काबिल है और इसके लिए उसे तरक्की भी मिलनी चाहिए, पर अपनी काबिलियत को दिखाने के लिए वह कभी टीम लीडर के रोल में आने की पहल नहीं करता। ऐसे में उसके सामने बार-बार मुश्किल आती है, पर वह कभी भी हकीकत को समझने के लिए तैयार नहीं होता।

अगर आपके साथ भी यही स्थिति है, तो समय रहते खुद को सुधार लें। इस मुगालते में न रहें कि आप बहुत प्रतिभावान हैं, बस बाकी लोग या मैनेजमेंट इसे समझना नहीं चाहते। अगर आप खुद को काबिल समझते हैं, तो आगे बढ़कर इसका नमूना भी पेश करें। यह न सोचें कि आपकी काबिलियत के बारे में मैनेजमेंट को सपना आएगा और वह चलकर आपके पास आएगा।

पहल के लिए रहें तत्पर

आज के समय में किसी भी संस्थान में मैनेजमेंट की निगाह में आप तभी आ सकते हैं, जब आप खुद को लीडर की भूमिका में पेश करेंगे। इसके लिए आपको खुद को सक्रिय भूमिका में लाना होगा। अगर आप मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं और अपनी तरफ से कोई नई पहल नहीं करते या अपनी टीम या विभाग के सदस्यों को उत्साहित नहीं कर पाते, तो आप इस भूमिका में नहीं आ सकते।

जगाएं आत्मविश्वास

टीम लीडर बनकर प्रमोशन और पहचान पाना चाहते हैं, तो खुद आगे बढ़कर नई चुनौतियों का सामना करने का साहस दिखाना होगा। इसके लिए सबसे पहले अपना आत्मविश्वास जगाना होगा और हर काम को पॉजिटिव नजरिए से पूरा करने के लिए दृढ़ता दिखानी होगी। कोई भी नया काम सामने आने पर अगर आप यह कहकर उसे करने से मना कर देंगे कि आपने तो कभी उस तरह का काम किया ही नहीं, तो यह आपके करियर के लिए नकारात्मक हो सकता है। इसके बजाय यह कहें कि यद्यपि मैंने यह काम नहीं किया है लेकिन मुझे मौका मिला, तो मैं इसे करने का पूरा प्रयास कर सकता हूं।

सीखें हर पल

आज के समय में आगे वही बढ़ता है, जो हर समय, हर किसी से कुछ-न-कुछ सीखने के लिए तत्पर रहता है। जिसने यह मान लिया कि वह तो सब कुछ जानता है, उसके लिए सीखने को कुछ बचा ही नहीं, उसके लिए तरक्की का रास्ता भी बंद हो जाता है। सब कुछ जानने की ठसक ही उसके आगे बढ़ने का मार्ग अवरुद्ध कर देती है। याद रखें, अगर आप अपने आंख, कान और दिमाग खुले रखेंगे, तो हमेशा कुछ-न-कुछ नया दिखेगा।

शिकायतों से बचें

कुछ लोगों को दूसरों से हमेशा शिकायतें रहती हैं। अपना काम अच्छी तरह से न कर पाने का ठीकरा भी वे दूसरों के सिर ही फोड़ना चाहते हैं। इससे बचकर रहें। ध्यान रखें, हमेशा आगे की ओर वही बढ़ता है, जो दूसरों को नहीं, खुद को देखता है। दूसरे क्या कर रहे हैं या क्या नहीं कर रहे हैं, इस पर ध्यान देने के बजाय वह अपने काम को सही तरीके से करने का प्रयास करता है।

करें कुछ अलग

नौकरी के दौरान आठ घंटे का समय बिता देने से पहचान नहीं मिलती। पहचान मिलती है कुछ नया और इनोवेटिव करने से। अपने टैलेंट का विश्लेषण करें। इस बारे में सोचें कि आप क्या और कैसे नया कर सकते हैं। खुद को अपडेट करें, तराशें। अपने प्रोफेशन से जुड़ी नवीनतम चीजों के बारे में जानें। थोड़े दिन के अभ्यास के बाद आपको हर दिन कुछ नया लगने लगेगा। एक बार यह आदत बन जाने के बाद आपको नया और चुनौतीपूर्ण करने में आनंद महसूस होने लगेगा।

एफआईएच हॉकी स्टार्स अवार्ड:

हरमनप्रीत और पीआर श्रीजेश एफआईएच हॉकी वार्षिक पुरस्कार के लिए नामित

नई दिल्ली, एजेंसी। कप्तान हरमनप्रीत ने इस ओलंपिक में सबसे ज्यादा 10 गोल किए थे। वह इस ओलंपिक में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। इस पुरस्कार की दौड़ में हरमनप्रीत के अलावा थिएरी ब्रिंकमैन (नीदरलैंड), जोएप डी मोल (नीदरलैंड), हेंस मुलर (जर्मनी) और जैच वालेस (इंग्लैंड) शामिल हैं।

भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामित किया है। वहीं, पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के पुरस्कार के लिए नामित किया है। दोनों ने पेरिस ओलंपिक में भारत के शानदार अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और टीम को कांस्य पदक दिलाया था। कप्तान हरमनप्रीत ने इस ओलंपिक में सबसे ज्यादा 10 गोल किए थे। वह इस ओलंपिक में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। इस पुरस्कार की दौड़ में हरमनप्रीत के अलावा थिएरी ब्रिंकमैन (नीदरलैंड), जोएप डी मोल (नीदरलैंड), हेंस मुलर (जर्मनी) और जैच वालेस (इंग्लैंड) शामिल हैं।

अपने आखिरी टूर्नामेंट में खेलते हुए अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार गोलकीपिंग की थी। भारत ने स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया था। वहीं, श्रीजेश का मुकाबला पिरमिन ब्लैक (नीदरलैंड), लुइस कैलजाडो (स्पेन), जीन-पॉल डैनबर्ग (जर्मनी), टॉमस सैंटियागो (अर्जेंटीना) है।

एफआईएच ने अपनी वेबसाइट पर इस सूची को जारी करते हुए कहा-नामांकन हासिल करने वालों का चयन एक विशेष समिति द्वारा किया गया है जिसमें प्रत्येक महाद्वीपीय संघ द्वारा चुने गए खिलाड़ी, कोच और अधिकारी शामिल हैं। इस सूची को अंतिम रूप देने से पहले विशेषज्ञ समिति को 2024 में आयोजित सभी अंतरराष्ट्रीय मैचों के मैच डेटा मुहैया कराए गए थे। इसमें टेस्ट मैच, एफआईएच हॉकी प्रो लीग, एफआईएच हॉकी नेशंस कप, एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर और पेरिस ओलंपिक 2024 के मुकाबले शामिल थे।

राष्ट्रीय संघों (उनकी संबंधित राष्ट्रीय टीमों के कप्तानों और कोचों द्वारा प्रतिनिधित्व), प्रशंसकों, खिलाड़ियों, कोचों, अधिकारियों और मीडिया के लिए मतदान प्रक्रिया 11 अक्टूबर तक जारी रहेगी। एफआईएच ने आगे कहा- विशेषज्ञ समिति के मतों को 40 प्रतिशत महत्व मिलेगा जबकि राष्ट्रीय संघो, प्रशंसकों एवं अन्य खिलाड़ियों और मीडिया के मतों को 20-20 प्रतिशत महत्व मिलेगा।

लीजेंड्स लीग में प्रदर्शन के लिए फॉर्म में रहना जरूरी है: रैना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना का मानना है कि लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) जैसे प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए खिलाड़ियों को शीर्ष फॉर्म में रहना होता है। एलएलसी का तीसरा सत्र 20 सितंबर से शुरू होगा जिसमें शिखर धवन और दिनेश कार्तिक जैसे हाल ही में क्रिकेट को अलविदा कहने वाले खिलाड़ी भी भाग लेंगे। रैना ने कहा कि एलएलसी काफी प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट है।

आप अलग अलग जगहों पर अलग अलग विकेटों पर खेल रहे हैं। इसमें कई सुपरस्टार हैं। आपको इरफान पठान, युसूफ पठान, क्रिस गेल, अंबाती रायुडू, रॉबिन उथप्पा और मुझे खेलते देखने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि छक्का लगाने के लिये फिट होना जरूरी है। गेंदबाज को चार अच्छे ओवर डालने हैं। किसी के लिए ऐसी लीग में खेलना आसान नहीं है। ऐसा नहीं है कि आप रिटायर हुए और इसमें खेलने आ गए। अब इसके लिए भी काफी प्रतिस्पर्धा है। रैना ने इस दौरान बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज पर भी बात की। उन्होंने कोहली की वापसी पर बात करते हुए कहा कि डब्ल्यूटीसी में भारत लगभग 10 मैच खेलेगा और मेरा मानना है कि विराट इस टेस्ट चक्र में ढेर सारे रन बनाएंगे। रैना बोले- टीम इंडिया के रोहित शानदार कप्तान हैं।

उन्होंने इसे तब साबित किया जब भारतीय टीम ने टी2ओ विश्व कप ट्रॉफी जीती। लेकिन ध्यान विराट कोहली की रेड-बॉल क्रिकेट में वापसी पर होगा। उन्हें टेस्ट मैच पसंद हैं और वे उन्हें बहुत सम्मान देते हैं।

वनडे प्रारूप को अब भी फेवरेट मानते हैं एडम जंपा

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पिनर एडम ज़म्पा को लगता है कि वनडे क्रिकेट का भविष्य अनिश्चित बना हुआ है। भले ही फ्रेंचाइजी क्रिकेट में वृद्धि हुई है लेकिन ऑस्ट्रेलिया में युवाओं में अभी भी यह प्रारूप लोकप्रिय है। इस साल वर्ल्ड क्रिकेटर्स एसोसिएशन के एक सर्वेक्षण किया जिसमें देखने को मिला कि टी20 विश्व कप के कारण वनडे विश्व कप की वैल्यू कम हो रही है। सर्वेक्षण के अनुसार 50 प्रतिशत ने वनडे संस्करण का समर्थन किया, जबकि 35 प्रतिशत ने टी20ई संस्करण को चुना।

ज़म्पा जोकि गुरुवार को ट्रेंट ब्रिज में इंग्लैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना 100वां वनडे खेलेंगे, ने इसपर कहा कि एकदिवसीय प्रारूप के बारे में बहुत सारे सवाल हैं और यह आगे कैसा दिखता है। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने और उस ड्राइव के संदर्भ में, मुझे लगता है कि आने वाला हर युवा अभी भी सोचता है कि यही सब कुछ है और सब कुछ है। जम्पा ने कहा कि फ्रैंचाइजी क्रिकेट के संदर्भ में स्पष्ट रूप से अन्य अवसर भी हैं और यह अच्छा है कि यह एक संतृप्त बाजार है, लेकिन ये सभी अलग-अलग प्रतियोगिताएं अन्य लोगों को अवसर देती हैं। उन्होंने अपने रुख की पुष्टि की कि टी20 फ्रेंचाइजी क्रिकेट के बजाय ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलना उनकी प्राथमिकता है और वनडे क्रिकेट खेलते रहने की इच्छा व्यक्त की। जंपा ने कहा कि भले ही लोग बीबीएल या ब्लास्ट खेले लेकिन उनके लिए देश के लिए खेलना अभी भी प्राथमिकता है।

मुझे नहीं पता कि अगले कुछ वर्षों में क्या होगा। खास तौर पर वनडे प्रारूप के साथ लेकिन मुझे लगता है कि वनडे क्रिकेट अभी भी एक प्राथमिकता है। यह अच्छा प्रारूप है। मैं अब भी इसे खेलने का आनंद लेता हूं, और मुझे लगता है कि बहुत से युवा इसे अपने देश के लिए खेलने का एक अच्छा अवसर मानते हैं। बता दें कि 32 वर्षीय स्पिनर जंपा ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 2021 टी20 विश्व कप की खिताबी जीत में 13 विकेट लिए थे। 2023 वनडे विश्व कप में उन्होंने 23 विकेट लिए थे। जंपा ने कहा कि अपने देश के लिए खेलने और फिर भी अपने देश के लिए जीतने की भावना फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने और फ्रेंचाइजी क्रिकेट जीतने से बेहतर है।

मैंने हंड्रेड में खेला। यह अच्छा है। मुझे इसे खेलना पसंद था और अंत में जीतना एक बोनस है। लेकिन यह अलग तरह से प्रभाव डालता है, जब आप अपने देश के लिए खेलते हैं, जब आप विश्व कप जीतते हैं, तब भी उनमें और भी बहुत कुछ जीतने की प्रेरणा होती।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब किंग्स के मुख्य कोच बने रिकी पोंटिंग

मोहाली, एजेंसी। पंजाब किंग्स ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग को आईपीएल 2025 सीज़न के लिए अपनी टीम का प्रमुख कोच बनाया है। इससे पहले वह

पिछले सात साल तक दिल्ली कैपिटल्स के कोच थे और दो महीने पहले ही दोनों की राहें जुदा हुई थीं। जानकारी के अनुसार पोंटिंग ने पंजाब किंग्स के साथ एक से अधिक साल का क़रार किया है और अब वह ही अपने कोचिंग स्टाफ़ के अन्य सदस्यों का चयन करेंगे। फ़िलिहाल पंजाब के कोचिंग स्टाफ़ में ट्रेवर बेलिस (मुख्य कोच), संजय बांगर (क्रिकेट सुधार प्रमुख), चार्ल लैंग्वेल्ट (तेज़ गेंदबाज़ी कोच) और सुनील जोशी (स्पिन गेंदबाज़ी कोच) हैं। अब देखना होगा कि इन्हें पोंटिंग की नई टीम में जगह मिलती है या नहीं। पंजाब किंग्स ने 2024 में 9वें स्थान पर अपने अभियान को समाप्त किया था। 2014 से पंजाब किंग्स की टीम प्लेऑफ़ के लिए क्वालिफ़ाई नहीं कर पाई है। पोंटिंग की पहली चुनौती उन खिलाड़ियों का चयन करना होगा, जो इस साल बड़ी नीलामी से पहले रिटेन किए जाएंगे। इसके बाद बड़ी नीलामी उनकी दूसरी चुनौती होगी। शिखर धवन के संन्यास लेने के बाद कप्तान का चुनाव भी पोंटिंग के लिए एक और सिरदर्द होगा।

कुलदीप यादव पहली बार खेल सकते हैं लगातार 5 टेस्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम पर 19 सितंबर से खेले जाने वाले मैच से होगी। भारत की नजरें दो टेस्ट मैच की सीरीज जीतकर घरेलू

सरजमीं पर अपने दबदबे को बरकरार रखने और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत करने पर टिकी होंगी। भारतीय क्रिकेट टीम 10 टेस्ट के सीजन की सकारात्मक शुरुआत करना चाहेगा, जिससे उसका डब्ल्यूटीसी फाइनल का दावा मजबूत बना रहे। दोनों टीमों के बीच पिछली टेस्ट सीरीज में भारत ने बांग्लादेश का सूपड़ा साफ कर दिया था। चेन्नई की पिच पर भारत को दो स्पिनर्स के रूप में रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा के साथ खेलने की अनुमति मिल सकती है। बीसीसीआई की घरेलू सीजन में तेज गेंदबाजों को रोटेट करने की योजना को देखते हुए 2-3 संयोजन के साथ बने रहने की संभावना है।

400 टेस्ट विकेट हासिल करने के राह पर टिम साउदी

गॉल, एजेंसी। न्यूजीलैंड के कप्तान टिम साउदी को लगता है कि टेस्ट प्रारूप में 400 विकेट का आंकड़ा छूना आसान नहीं है। 380 विकेट ले चुके साउदी को इस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए 20 विकेट ही चाहिए।

ऐसा कर वह टेस्ट फॉर्मेट में 400 विकेट लेने वाले 18वें और रिचर्ड हेडली के बाद न्यूजीलैंड के दूसरे गेंदबाज बन जाएंगे। हालांकि 35 वर्षीय साउदी को लगता है कि 400 विकेट की उपलब्धि अभी भी उनसे कुछ दौरे दूर है, खासकर एशिया का दौरा, जहां स्पिनर लाल गेंद वाले क्रिकेट पर हावी होने के लिए पसंदीदा हैं।

साउथी ने पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा कि हर खेल में आप बाहर जा रहे हैं और अपनी भूमिका निभाने और अपनी टीम के लिए कुछ विकेट लेने की कोशिश कर रहे हैं, और यह अच्छा होगा यदि आप उन मील के पत्थर को हासिल करते हैं। मुझे लगता है कि समय के साथ, जब आप लंबी अवधि के लिए खेलते हैं, तो मुझे लगता है, आप उसके करीब पहुंचने में सक्षम होते हैं, लेकिन फिर भी 20 विकेट दूर रहने के मतलब अभी आपके सामने बहुत सारे दौरे हैं।

कैरेबियन प्रीमियर लीग 2024

दुनिया का सबसे भारी-भरकम क्रिकेटर ने रचा कीर्तिमान

बारबाडोस, एजेंसी। वेस्टइंडीज में इस समय कैरेबियन प्रीमियर लीग 2024 की धूम मची हुई है। वेस्टइंडीज ही नहीं दुनियाभर के क्रिकेटर इस लीग में अपना जलवा बिखेर रहे हैं। इस लीग का 29 अगस्त से आगाज हुआ था जिसमें अब तक 18 मुकाबलें खेले जा चुके हैं।

17 सितंबर को बारबाडोस रॉयल्स और सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के बीच केंसिंग्टन ओवल में एक रोमांचक मुकाबला खेला गया जिसमें एक भारी भरकम गेंदबाज ने इतिहास रच दिया। ये गेंदबाज कोई और नहीं बल्कि वेस्टइंडीज के मशहूर बॉलर रहकीम कॉर्नवाल हैं जिन्होंने एक ऐसा कारनामा कर दिखाया है जो आज से पहले सीपीएल के इतिहास में पहले कभी देखने को नहीं मिला था।

6 फुट 6 इंच लंबे और 140 किलो वजनी रहकीम कॉर्नवाल ने सीपीएल में नया कीर्तिमान बनाया।

सीपीएल में बना नया इतिहास

दरअसल, बारबाडोस रॉयल्स के गेंदबाज रहकीम कॉर्नवाल ने सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की और आधी टीम को अकेले ही निपटा दिया। उन्होंने 4 ओवर में महज 16 रन देकर 5 विकेट अपने नाम किए और सीपीएल में नया इतिहास रचा। रहकीम का टी-20 क्रिकेट में ये सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है।

रहकीम कैरेबियन प्रीमियर लीग के इतिहास में 5 विकेट चटकाने वाले दुनिया के 10वें और वेस्टइंडीज के महज चौथे गेंदबाज बन गए हैं।

पुरुषों के बराबर होगी महिला टी:20 वर्ल्डकप की इनामी राशि

134 प्रतिशत की हुई बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली, एजेंसी। बीसीसीआई सचिव जय शाह के आईसीसी के चेयरमैन का पद संभालने से पहले ही बदलाव की शुरुआत हो गई है। क्रिकेट की अंतरराष्ट्रीय संस्था आईसीसी ने मंगलवार को बड़ा ऐलान किया। आईसीसी ने बताया कि अगले महीने यूएई में होने वाले महिला टी20 वर्ल्ड कप की इनामी राशि इस साल हुए पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के बराबर होगी। यह रकम बीते साल हुए महिला वर्ल्ड कप से दोगुनी है। इसे दोनों वर्ग के बीच समानता के तौर पर देखा जा रहा है।

महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में हारने वाली टीम भी मालामाल हो जाएगी। आईसीसी के ऐलान के मुताबिक महिला टी20 वर्ल्ड कप के उपविजेता को अब 17 लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 14 करोड़ 24 लाख रुपये) दिए जाएंगे। पिछली बार उपविजेता को पांच लाख अमेरिकी डॉलर (करीब चार करोड़ 18 लाख रुपये) दिए गए थे।

आईसीसी के अनुसार महिला टी20 विश्व कप का खिताब जीतने वाली टीम को इस बार करीब 19 करोड़ 60 लाख रुपये मिलेंगे। बीते साल साउथ अफ्रीका में खेले गए महिला टी20 विश्व कप जीतने पर करीब आठ करोड़ 37 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी गई थी। इस तरह से विजेताओं की इनामी राशि में 134 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

एक्शन-थ्रिलर से भरपूर होगी शाहिद-तृप्ति की फिल्म

निर्माता साजिद नाडियाडवाला इन दिनों अपनी आगामी फिल्म सिकंदर को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें सलमान खान मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। वहीं आज कुछ ही देर पहले साजिद ने अपनी एक और एक्शन-थ्रिलर फिल्म की घोषणा अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर की है। इस फिल्म में पहली बार शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की जोड़ी नजर आएगी। इस फिल्म का निर्देशन विशाल भारद्वाज करेंगे।

एक्शन-थ्रिलर से भरपूर होगी शाहिद-तृप्ति की आगामी फिल्म

साजिद नाडियाडवाला ग्रैंडसन के आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज ने उनके आगामी प्रोजेक्ट की आधिकारिक घोषणा पोस्ट की। साजिद नाडियाडवाला द्वारा समर्थित और विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित, इस फिल्म में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। साजिद ने पोस्ट में अपनी, तृप्ति, विशाल और शाहिद की तस्वीर का एक कोलाज साझा किया और पोस्ट पर लिखा, मैं बेहद ही उत्साहित हूं अपने प्रतिभाशाली निर्देशक और मेरे प्रिय मित्र विश्ला भारद्वाज के साथ जुड़ने के लिए। साथ ही पावरहाउस अभिनेता शाहिद कपूर के साथ मिलकर काम करने के लिए बेहद रोमांचित हूं।

पहले भी कमाल दिखा चुकी है विशाल और शाहिद की जोड़ी

बता दें शाहिद और विशाल इस फिल्म से पहले 2009 में फिल्म कमीने और 2014 में हैदर के साथ बड़े पर्दे पर अपना जादू चला चुके हैं, जिसमें हैदर को सर्वश्रेष्ठ संगीत, संवाद, पार्श्व गायक और सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था।

फिल्म की शूटिंग

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाने की योजना बनाई जा रही है। यह एक मिशन-आधारित एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। साजिद नाडियाडवाला इसे सबसे बड़े संभव तरीके से पेश करने के लिए उत्साहित हैं। साजिद और विशाल की जोड़ी का मानना है कि शाहिद कपूर इस भूमिका के लिए सबसे सही अभिनेता हैं। फिल्म के लिए छह बड़े एक्शन सेट बनाने की योजना चल रही है। सबकुछ सही रहा तो यह फिल्म सितंबर या फिर अक्टूबर 2024 से फ्लोर पर आएगी और इसे भारत और अमेरिका में बड़े पैमाने पर शूट किया जाएगा। फिलहाल, साजिद नाडियाडवाला सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म सिकंदर की शूटिंग में भी व्यस्त हैं। एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित इस हार्ड-कोर एक्शन एंटरटेनर में रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल, प्रतीक बब्बर और सत्यराज महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह अगले साल ईद 2025 पर रिलीज होगी।

इन फिल्मों से बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने को तैयार हैं आलिया

अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपने अब तक के करियर में एक से बढ़कर एक शानदार फिल्में की हैं। वह बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में से एक हैं। पिछले दो वर्षों में अभिनेत्री ने कई हिट फिल्में दी हैं। आलिया ने अपनी अदाकारी से दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों की ही सराहना प्राप्त की है। अभिनेत्री की आने वाली फिल्मों की लिस्ट में कई शानदार और बड़ी फिल्में शामिल हैं। आइए जानते हैं आलिया की कौन-कौन सी फिल्में आने वाली हैं।

अल्फा

आलिया भट्ट यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स 'अल्फा' का हिस्सा बन चुकी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह इसकी शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में आलिया अपने एक्शन अवतार में नजर आएंगी। उनके साथ अभिनेत्री शरवरी वाघ भी फिल्म में हैं। आलिया की इस फिल्म में बॉबी देओल विलेन की भूमिका में नजर आएंगे।

जिगरा

करण जौहर के बैनर धर्मा प्रोडक्शन के अंतर्गत बनी फिल्म 'जिगरा' का धांसू ट्रेलर हाल ही में लॉन्च हुआ है। इस फिल्म में वह एक्शन करते हुए नजर आई हैं। ट्रेलर में देखा गया कि आलिया अपने भाई के लिए खूब संघर्ष करती हैं। यह फिल्म भाई-बहन के खास रिश्ते पर होगी।

लव एंड वॉर

हाल ही में संजय लीला भंसाली ने आलिया भट्ट के साथ फिल्म का एलान किया है। इस फिल्म का नाम 'लव एंड वॉर' है। कहा जा रहा है कि इस फिल्म में वह रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म के अगले साल के अंत तक रिलीज होने की उम्मीद है।

ब्रह्मास्त्र 2

साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म ब्रह्मास्त्र में आलिया भट्ट ने अहम भूमिका निभाई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसके दूसरे भाग पर भी काम चल रहा है। फिल्म के दूसरे भाग में भी आलिया भट्ट नजर आएंगी।

आइटम सॉन्ग को ऑब्जेक्टिफाई करती है मीडिया

प्रभु देवा और वेधिका अपनी अगली फिल्म पेट्टा रैप के प्रमोशन में जोरो-शोरों से जुटे हुए हैं। इस फिल्म में सनी लियोनी भी विशेष भूमिका निभाएंगी। वहीं, हाल ही में सनी फिल्म के प्रमोशन के लिए कोच्चि पहुंचीं। इसी दौरान उन्होंने बातचीत में आइटम सॉन्ग को ऑब्जेक्टिफाई किए जाने पर बात की। उन्होंने इसका जिम्मेदार मीडिया को ठहराया और उनसे आग्रह किया कि उन्हें ऑब्जेक्टिफिकेशन शब्द का इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए।

सनी लियोनी के मुताबिक, मीडिया ही महिलाओं के लिए ऑब्जेक्टिफिकेशन शब्द का इस्तेमाल करता है। उन्होंने कहा, केवल मीडिया ही है जो ऑब्जेक्टिफिकेशन शब्द का उपयोग कर रहा है। इन गानों की वजह से हजारों लोग सिनेमाघर में फिल्में देखने आते हैं। यह ऑब्जेक्टिफिकेशन नहीं है, यह मनोरंजन प्रदान कर रहा है और हम यहां दर्शकों को वह प्रदान करने के लिए हैं। सनी लियोनी ने अपनी बात में आगे जोड़ा, हमें इस शब्द का प्रयोग बंद करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि सिनेमा फिर से शीर्ष पर हो, अन्यथा हममें से किसी के पास नौकरी नहीं होगी। जब आप टिकट खरीदते हैं तो यह अभिनेताओं के लिए बहुत मायने रखता है। कृपया सुनिश्चित करें कि आप आने वाली हर फिल्म का समर्थन करें।

पेट्टा रैप की बात करें तो इसे मलयाली फिल्म निर्माता एस जे सिनू ने तमिल में निर्देशित है। इसमें मलयाली अभिनेता कलाभवन शाजोन, रियास खान सहित अन्य कलाकार शामिल हैं। फिल्म का निर्माण ब्लू हिल फिल्म्स के बैनर तले जॉबी सैम ने किया है। यह एक म्यूजिकल पारिवारिक ड्रामा है। वहीं, निर्देशक एस जे सिनू ने खुलासा किया कि शुरुआत में उनकी प्रभु देवा को फिल्म में मुख्य अभिनेता के रूप में लेने की कोई योजना नहीं थी। निर्देशक ने कहा, पटकथा लेखक डिनिल पीके एक मलयालम फिल्म की योजना के साथ मेरे पास आए। जब मैंने इसे पढ़ा, तो इसमें बहुत सारे डांस मूव्स और सीक्वेंस थे। हमने नहीं सोचा था कि केरल में ऐसा अभिनेता ढूंढना आसान होगा जो संपूर्ण नृत्य संगीत का हिस्सा बन सके। यही कारण है कि हमने तमिल में फिल्म बनाने का फैसला किया और प्रभु देवा को इस फिल्म के लिए चुना। फिल्म 27 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

अभिनेत्री नयनतारा का एक्स अकाउंट हुआ हैक, पोस्ट कर प्रशंसकों को किया सावधान

साउथ की सुपरस्टार अभिनेत्री नयनतारा ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि उनका एक्स अकाउंट हैक हो गया है। 'जवान' अभिनेत्री ने अपने प्रशंसकों के साथ स्थिति के बारे में बताया। अभिनेत्री ने पोस्ट करते हुए अनुरोध किया कि उनके प्रशंसक उनके अकाउंट से होने वाले किसी भी असामान्य गतिविधि या पोस्ट को अनदेखा कर दें।

पोस्ट में क्या लिखा?

नयनतारा ने पोस्ट करते हुए लिखा, 'अकाउंट हैक हो गया है। कृपया पोस्ट किए जा रहे किसी भी अनावश्यक या अजीब ट्वीट को अनदेखा करें।'यह घोषणा एक्स पर उनकी आखिरी पोस्ट के बाद हुई, जिसे इस महीने की शुरुआत में शाहरुख खान अभिनीत 'जवान' की एक साल पूरे होने के अवसर पर साझा किया गया था।

पोस्ट में जताया था आभार

पोस्ट में, नयनतारा ने फिल्म की सफलता का जश्न मनाते हुए लिखा, 'जवान के एक साल चीफ एटली की ओर से बधाई, शाहरुख खान, विजय सेतुपति, और प्रशंसकों ने इसे बहुत बड़ा बना दिया।' बता दें कि अभिनेत्री ने पिछले साल शाहरुख खान के साथ जवान में बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी।

धमाकेदार प्रोजेक्ट का हिस्सा बनेंगे सना-एल्विश

बिग बॉस ओटीटी 3 की विजेता सना मकबूल अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। सना बिग बॉस ओटीटी 3 के बाद से ही लाइमलाइट में बनी रहती हैं।

सना पिछले दिनों श्रीकांत के साथ अपने रिश्ते को लेकर चर्चा में थीं। अब हाल ही में, सना बिग बॉस ओटीटी 2 के विजेता एल्विश यादव के साथ नजर आई थीं। जब सना से पूछा गया कि क्या दोनों साथ में किसी प्रोजेक्ट में साथ नजर आएंगी। इस पर सना ने झ्र१कहा कि साथ नजर आए हैं तो साथ कुछ जरूरी है।

शख्स ने पूछी अब तक शादी न करने की वजह, श्रुति हासन ने जवाब से बोलती बंद की

कमल हासन की बेटी श्रुति हासन की गिनती दक्षित भारत की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में होती है। वह जल्द ही सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म कुली में नजर आने वाली हैं। लोकेश कनगराज के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को लेकर वह काफी ज्यादा उत्साहित हैं। अभिनय के अलावा श्रुति अपने बेबाक अंदाज के लिए भी काफी ज्यादा मशहूर हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपने जवाब से लोगों के मुंह बंद कर दिया करती हैं। हाल ही में उनकी ओर से आयोजित एक सवाल जवाब के सत्र में भी ऐसा ही कुछ देखने को मिला। दरअसल, श्रुति ने लोगों से कोई भी सवाल करने के लिए एक सत्र रखा था। इस दौरान जब एक शख्स ने उनसे पूछा कि आपने अभी तक शादी क्यों नहीं की?

इस सवाल का मजेदार जवाब देते हुए श्रुति ने शख्स की बोलती बंद कर दी। अभिनेत्री ने एक खास तरह का फिल्टर यूज कर कहा, आप अभी तक मूर्ख क्यों हैं। बता दें कि हाल ही में श्रुति हासन का शांतनु हजारिका से ब्रेकअप हुआ है। श्रुति हासन और शांतनु हजारिका मुंबई में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। दोनों अक्सर एक दूसरे के साथ अपनी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया करते थे। हालांकि, कुछ ही वर्षों में दोनों का रिश्ता टूट गया। इस साल मई के महीने में अभिनेत्री ने बताया था कि सिंगल हैं। श्रुति हासन ने इस सवाल जवाब वाले सत्र में रजनीकांत की कुली पर भी अपडेट दिया है। उन्होंने कहा, यह बहुत बढ़िया चल रहा है। पहला शेड्यूल पूरा हो चुका है। इस फिल्म में वह प्रीति की लड़की की भूमिका निभाएंगी। इसके अलावा श्रुति ने कहा कि वह एक रोमांटिक-कॉमेडी करना चाहती हैं। हालांकि, उन्हें अभी तक कोई उपयुक्त स्क्रिप्ट नहीं मिली है। वर्क फ्रंट की बात करें तो कुली के अलावा वह अदिवी शेष के साथ डकैत में भी नजर आएंगी।

'जो तेरा है वो मेरा हैं' का हिस्सा बनकर उत्साहित हैं परेश रावल

अभिनेता परेश रावल प्रशंसकों के लिए लिए एक कॉमेडी फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म को लेकर वह काफी उत्साहित भी हैं। परेश रावल अमित सियाल और सोनाली कुलकर्णी के साथ जो तेरा है वो मेरा है नाम की फिल्म के साथ दर्शकों को गुदगुदाने की तैयारी में हैं।

जो तेरा है वो मेरा है का ट्रेलर शुक्रवार को निर्माताओं ने जारी किया, जिसका निर्देशन राज त्रिवेदी ने किया है। ट्रेलर में चाय बेचने वाले से ठग बने मितेश मेघानी (अमित सियाल) के जीवन, उसकी गलतफहमियों और मजेदार कारनामों की झलक दिखाई गई है। मितेश एक बूढ़े व्यक्ति (परेश रावल) को धोखा देकर अपने परिवार का प्यार पाने की कोशिश करता है।

फिल्म का हिस्सा बनकर उत्साहित हैं परेश रावल

इस फिल्म को लेकर अभिनेता परेश रावल काफी उत्साहित हैं। अभिनेता ने फिल्म की टीम द्वारा साझा किए गए एक प्रेस नोट में कहा, 'जो तेरा है वो मेरा है' एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है जो हास्य को खूबसूरती से दिखाता है। स्क्रिप्ट बहुत ही मजेदार थी और इस कहानी को जीवंत करना अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद रहा है। कॉमेडी, हालांकि, अक्सर हल्के-फुल्के अंदाज में देखी जाती है, लेकिन इसके लिए बहुत अधिक कौशल और समर्पण की आवश्यकता होती है और इस फिल्म पर काम करना इसका एक सच्चा प्रमाण है। अजय राय के नेतृत्व वाली ऐसी शानदार टीम के साथ काम करना बहुत अच्छा रहा।'

इस दिन होगी रिलीज

परेश रावल ने कहा, 'अमित सियाल, सोनाली कुलकर्णी और बाकी प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ काम करना एक परम आनंद रहा है - सेट पर हर दिन हंसी और मस्ती से भरा था। जियो स्टूडियो ने ऐसी शानदार स्क्रिप्ट चुनी हैं जिसका आनंद आप अब जियो सिनेमा पर अपने घर बैठे ले सकते हैं। मैं दर्शकों को हमारे द्वारा दिखाए गए ड्रामा का अनुभव करने और हमारी फिल्म पर उनकी प्रतिक्रियाएं सुनने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।' 'जो तेरा है वो मेरा है' जियो सिनेमा पर 20 सितंबर से प्रसारित होगी।

युध्रा के लिए सिद्धांत चतुर्वेदी ने 20 किलो वजन किया काम

सिद्धांत चतुर्वेदी इन दिनों अपनी फिल्म युध्रा को लेकर चर्चा में चल रहे हैं। इस फिल्म में अभिनेता एक्शन अवतार में नजर आएंगे।

खबर है कि सिद्धांत ने फिल्म के लिए 20 किलो वजन भी कम किया है और फैंस उनके इस ट्रांसफॉर्मेशन के मुरीद हो रहे हैं।

फिल्म के निर्देशक ने बताया कि हां एक जवान कडैट दिखने के लिए सिद्धांत ने वजन घटाया है। निर्देशक ने आगे बताया कि सिद्धांत ने फिल्म के लिए मार्शल आर्ट्स भी सीखा है। फिल्म युध्रा 20 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।